



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, सोनवार, सितम्बर 30, 1985/आश्विन 8, 1907
No. 15] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 30, 1985/ASVINA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वी इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इन्डिया

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1985

अधिसूचना

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

1-सी.ए. (5) 1036/85: चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1949 के भाग 18 के उपभाग (5) के अनुसरण से 31 मार्च 1985 को समाप्त हुये वर्ष के लिये परिषद की रिपोर्ट एवं आडिट किये हुये लेखों की प्रति निधि को सामान्य सूचना के लिये एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष के लिए कौंसिल को 36वीं वार्षिक रिपोर्ट .

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट एक्ट, 1949 की धारा 18(5) की व्यवस्थाओं के अनुसार कौंसिल अपनी 36वीं वार्षिक रिपोर्ट को सहर्ष घोषणा कौंसिल में न केवल 31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष के लिए इंस्टीट्यूट की गतिविधियों का समावेश है बल्कि इसमें इसके आगे होने की तिथि तक का महत्वपूर्ण गतिविधियों के ऊपर भी प्रकाश डाला गया है।

1 कौंसिल

1 1 12वीं कौंसिल जिसका गठन 17 सितम्बर, 1982 को हुआ था, का कार्यकाल 16 सितम्बर 1985 तक चलेगा। कौंसिल में पांच
882 GI/85—1

क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों के चुने गये इंस्टीट्यूट के 24 सदस्य तथा 6 सदस्य केन्द्रीय सरकार द्वारा चुने हुए होंगे। कौंसिल व इसकी कमेटी की स्थिति, जिसका गठन 17 सितम्बर 1984 का किया गया था एक वर्ष की अवधि के लिए का उल्लेख परिशिष्ट 1 में दिया गया है।

1 2 प्रेसीडेंट व वाइस प्रेसीडेंट —श्री पी.एन. शाह तथा श्री ए. सी. चक्रवर्ती 16 सितम्बर 1984 तक क्रमशः प्रेसीडेंट व वाइस प्रेसीडेंट रहे। श्री ए. सी. चक्रवर्ती तथा श्री पी.एन. नेथर 17 सितम्बर 1984 को अवधि के लिए एक वर्ष के लिए क्रमशः प्रेसीडेंट व वाइस प्रेसीडेंट चुने गये।

1 3 कौंसिल की मीटिंग --वर्ष 1984-85 के दरम्यान कौंसिल की चार मीटिंगें —

109वीं मीटिंग 10 अप्रैल, 11 अप्रैल, तथा 12 अप्रैल 1984 को; 110 वीं मीटिंग 18 जुलाई, 19 जुलाई, 20 जुलाई तथा 21 जुलाई 1984 को; 111 वीं मीटिंग 14 सितम्बर, 15 सितम्बर तथा 16 सितम्बर 1984 को तथा 112वीं मीटिंग 20 दिसम्बर, 21 दिसम्बर, व 22 दिसम्बर 1984 को हुई।

2 अन्तर्गत गम्बन्ध

इन्टरनेशनल फेडरेशन आफ एकाउन्ट्स

ए. इन्स्टीट्यूट इन्टरनेशनल फेडरेशन आफ एकाउन्ट्स (आई एफ ए सी) का लगातार मददा रहता आया है तथा भारत आई एफ ए सी

कौंसिल व इंटरनेशनल ऑडिटिंग प्रेसिडेंस कमेटी, दो एजुकेशन कमेटी और दि फाइनेशियल गण्ड मेनेजमेंट एकाउंटिंग कमेटी का निर्वचित सदस्य बनता आग है ।

बी श्री बी एन छाबरा (इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व प्रेसिडेंट) आई एफ ए सी की कौंसिल का भारत की ओर से बराबर प्रतिनिधित्व करने हैं ।

सी श्री वाई एच मलेगम (इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व प्रेसिडेंट) आई एफ ए सी की इंटरनेशनल ऑडिटिंग प्रेसिडेंस कमेटी में भारतीय प्रतिनिधि रहने आ रहे हैं ।

डी श्री बशी एन मेहता (इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व प्रेसिडेंट) आई एफ ए सी की एजुकेशन कमेटी के चेयरमैन बनने आ रहे हैं । श्री मेहता उत्तराधिकार में दूसरी बार एजुकेशन कमेटी के चेयरमैन चुने गये ।

2 2 दि इंटरनेशनल एकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स कमेटी (आई एफ एस सी) श्री पी ए नेथर, वइम प्रेसिडेंट आई ए एस सी की स्टोरिंग कमेटी, जो बैंको की वित्तीय स्थिति का बताने की एग गठित की गई है के सदस्य नामजद हुए हैं ।

2 3 वॉल्डरेशन आफ एशियन एंड प्रेसिफिक एकाउन्ट्स सी ए पी ए) भारत हमारी सहायक संस्था दि इंस्टीट्यूट आफ वास्ट एंड वर्क्स एकाउन्ट्स आफ इंडिया के माध्यम से सी ए पी ए की कार्यवाही कमेटी का प्रतिनिधित्व करता आ रहा है ।

2 4 दि साउथ एशियन फंडेशन आफ एकाउन्ट्स (एस ए एफ ए) दि साउथ एशियन फंडेशन आफ एकाउन्ट्स, जो दि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में एकाउन्ट्स की उप-क्षेत्रीय इकाई है, का गठन अगस्त 1984 में किया गया था जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में एकाउंटिंग व्यवसाय का विकास करना और उसमें समन्वय स्थापित करना था । वर्तमान काल के लिए एस ए एफ ए का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट के कार्यालय में स्थापित किया गया है । श्री पी एन शाह भूतपूर्व प्रेसिडेंट को प्रथम प्रेसिडेंट चुना गया और श्री कमल गुप्ता, इंस्टीट्यूट के टेक्निकल डायरेक्टर, एस एफ सी के सेक्रेटरी हैं ।

एस ए एफ ए की एसेम्बली (गैरनिंग बाडी) को प्रथम औपचारिक बैठक 13 व 14 मई 1985 को श्री पी एन शाह की अध्यक्षता में हुई । श्री ए सी चक्रवर्ती इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट तथा एस ए एफ के सेक्रेटरी श्री कमल गुप्ता भी मौजूद थे । इस बैठक में एस ए एफ की उपलब्धियों तथा उद्देश्यों के मार्ग व साधन पर विचार किया गया ।

एस ए एफ ए ने दिसम्बर 1984 में अपना पहला समाचार पत्र तथा अगस्त 1985 में दूसरा समाचार पत्र जारी किया ।

उपरोक्त मॉडिंग के तहत इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्ट्स आफ पाकिस्तान तथा दि इंस्टीट्यूट आफ वास्ट एंड कैंजमेट एकाउन्ट्स आफ पाकिस्तान द्वारा लगाये गये प्रथम एस ए एफ ए सदस्यों ने भाग लिया ।

एस ए एफ ए के तत्वाधान में प्रथम सम्मेलन श्री लवा में कोलम्बो में दिसम्बर 1985 के प्रथम सप्ताह में होगा । इस सम्मेलन का मुख्य विषय एकाउन्ट्स प्राफेशन स्वरूप और समन्वय होगा । इस सम्मेलन में दक्षिण एशियाई देशों में एकाउन्ट्स व्यवसाय के नदरों के सामान्य हित से सम्बन्धित विषयों पर विचार किया जायेगा ।

एस ए एफ ए ने दिसम्बर 1984 में अपना पहला समाचार पत्र तथा अगस्त 1985 में दूसरा समाचार पत्र जारी किया ।

2 5 एशियन एंड पैसिफिक कॉन्फेस आफ एकाउन्ट्स एजुकेशन फार डेवलपमेंट — एकाउन्टिंग एजुकेशन फार डेवलपमेंट के उपर इंटरनेशनल फंडेशन आफ एकाउन्ट्स, वर्ड बैंक तथा एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा समुक्त रूप से सम्मेलन मनोना, फिलिपीन्स में नवम्बर 11-16, 1984 के मध्य में हुआ । सम्मेलन में विकासशील के सदस्यों में लेखा एवं लेखनयुक्तों की स्त्रियों को पढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया और इसके लिए

मार्ग प्रशस्त किया गया । 40 देशों के लगभग 150 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया । हमारे इंस्टीट्यूट की ओर से पांच सदस्यों के दल थे, जिसका प्रतिनिधित्व इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट ने किया भाग लिया ।

2 6 11वीं सी ए पी ए कॉन्फेस — अगस्त 1986 में होनेवाली 11वीं सी ए पी ए कॉन्फेस के लिए भारत को “एकाउन्ट्स-उनकी व्यावसायिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियाँ—आज और कल” का लेख दिया गया है । श्री भास्कर बनर्जी जो कौंसिल के सदस्य हैं, इस उपरोक्त विषय पर लेख लिखने के लिए नामजद किया गया है ।

2 7 आई सी एस ई इंटरनेशनल सेमिनार — इंस्टीट्यूट में शास्त्राह यू ए ई में जून 27-28 1985 को एक अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करेगा । इस सेमिनार की फैंकटर में श्री एस सी चक्रवर्ती, डा आर सी वैश, श्री वाई एच मलेगम तथा श्री कमल गुप्ता होंगे । इस सेमिनार में एकाउंटिंग, ऑडिटिंग तथा टेक्सेशन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया जायेगा ।

2 8 इंटरनेशनल टेक्निकल डायरेक्टर्स पर प्रतिवचन — इंस्टीट्यूट विश्व अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी प्रतिवेदनो पर प्रतिवचन करता आ रहा है ।

2 9 रायल गवर्नमेंट आफ भूटान का निवेदन — रायल गवर्नमेंट आफ भूटान के इस निवेदन पर कि भूटान से एक सीमिन सभा के स्नातकों को भारत में चार्टर्ड एकाउन्ट्स कोर्स करने की सुविधाएँ पढ़ान की जायें, विचार करने के उपरान्त इंस्टीट्यूट ने भूटान से इस कार्य के लिए अधिकतम 6 स्नातकों को भर्ती करने पर सहमति दी है ।

व्यावसायिक विकास की गतिविधियाँ

3 1 सन्तान्य — कौंसिल वर्ष अर्थात् 17 सितम्बर 1984 से 16 सितम्बर 1985 तक के अवधि के लिए गठित की गई विभिन्न नान-स्टैंडिंग कमेटियों को व्यावसायिक विकास से सम्बन्धित गतिविधियों के मूल्यांकन निम्नलिखित है । इस मूल्यांकन में एक अप्रैल 1984 से 16 सितम्बर 1984 तक की गतिविधियों का उल्लेख नहीं है क्योंकि इनको पहले ही गतवर्ष पेश की गई 35वीं वार्षिक रिपोर्ट में सम्मिलित किया जा चुका है । इसमें लेखा कौंसिलों तथा उनकी शाखाओं की गतिविधियों का ब्योरा भी नहीं है ।

3 2 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड

ए जनवरी 1979 में एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स के निवेदन को प्रस्तुत करने के जारी होने से कौंसिल ने निम्नलिखित आठ डेफिनिटिव एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स जारी किए हैं ।

1 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-1 “एकाउन्टिंग पालिसीज” पर (एस-1) — नवम्बर 1979

2 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-2 “वैल्यूएशन आफ इन्वेन्टरीज” पर (एस-2) — जून 1981

3 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-3 “वित्तीय स्थिति में परिवर्तन” पर (एस-3) — जून 1981

4 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-4 “वैल्यू ऑट तिथि के बाद होने वाली आकस्मिक एवं घटनाओं” पर (एस-4) — नवम्बर 1982

5 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-5 “एकाउन्टिंग पालिसीज में पिछले समय तथा सामान्य घाट में अंतर परिवर्तन” (एस-5) — नवम्बर 1982

6 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-6 “डिप्रीशियेशन एकाउंटिंग” पर (एस-6) — नवम्बर 1982

7 एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स-7 “निर्माण राबिदा के लिए एकाउन्टिंग” पर (एस-7) — नवम्बर 1985

इसके अलावा बोर्ड ने सितम्बर 1983 में फाइनेशियल स्टेटेमेंट्स में प्रयुक्त शर्तों के ऊपर एक मार्गदर्शक गोट जारी किया है ।

दा गाईड द्वारा प्रस्तुत किए गये मॉडल इम्प्लीमेंटेशन द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाओं के सदर्भ में 'रेवेन्यू रिकॉन्सिडरेशन' (ए एन-9) तथा 'एकाउन्टिंग फार फिक्स्ड नोट्स' (ए एन-10) के ड्राफ्ट एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स पर वीसिन ने विचार किया और वे शीघ्र ही एफिनिटिव एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स 9 व 10 के रूप में जारी किए जाने वाले हैं।

सा एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स को लागू करना —कॉसिल एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स को प्रस्तुत करने के लिए एक फेज्ड प्रोग्राम को लागू करने के लिए उत्पन्न है तथा इस निम्नलिखित विभिन्न तरीके द्वारा मध्यम विचाराधीन है। यह मामला ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री तथा सरकार के साथ पहले ही जा चुका है।

डी फाइनेशियल स्टेटमेंट्स का तैयार करना तथा प्रस्तुत करने के लिए एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स का लेने में सदस्यों का सहायता करने के उद्देश्य से 'एकाउन्टिंग पालिसीज' को प्रकट करना (ए एस) तथा वैल्यूयेसन आफ इन्वन्टराज (ए एन-2) पर दा मार्गदर्शन नोट्स बोर्ड द्वारा तैयार किए जा रहे हैं।

ई एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स को उन्नीसवीं सम्मेलन विस्तृत प्रचार के लिए बोर्ड द्वारा एक पब्लिसिटी प्रोग्राम तैयार किया जा रहा है जिसमें बोर्ड का गठन, इसके उद्देश्य, एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड्स के विकास की प्रक्रिया आदि का समावेश है।

एक निम्नलिखित विषयों पर स्टैंडर्ड्स तैयार किये जा रहे हैं

1. आय के ऊपर टैक्सों के लिए एकाउन्टिंग
2. नियोजनाओं के वित्तीय स्टेटमेंट्स पर सेवा निवृत्ति लाभों के लिए एकाउन्टिंग
3. विदेशी विनियम दरो पर परिवर्तन प्रभाव के लिए एकाउन्टिंग
4. सरकारी अनुदान तथा सरकारी सहायता के प्रकटीकरण के लिए एकाउन्टिंग

3.3 आडिटिंग प्रैक्टिसस कमेटी: —वर्ष के अन्तर्गत कमेटी ने स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस के ऊपर निम्नलिखित तीन स्टेटमेंट्स को अंतिम रूप दिया है तथा उन्हें कौंसिल की स्वीकृति के लिए कौंसिल के पास भेजा है। इस तरह अब ये कौंसिल की अथारिटी के अन्तर्गत जारी किये जा चुके हैं।

1. स्टेटमेंट आन स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस-1 आडिट आफ फाइनेशिएल स्टेटमेंट्स के उद्देश्य और क्षेत्र।

2. स्टेटमेंट आफ स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस-2 आडिट तैयार करने के आधारभूत तरीके।

3. स्टेटमेंट आन स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस-3 डाक्यूमेंटेशन।

बी कमेटी ने 'आडिट आफ फिक्स्ड एसेट्स' के ऊपर एक मार्गदर्शन नोट जारी किया जो वर्तमान 'स्टेटमेंट आन आडिटिंग प्रैक्टिसस' के अनुच्छेद 3 के आडिटिंग पहलुओं को पार कर रहा है।

सी भारतीय रिजर्व बैंक के अनुरोध पर कमेटी ने बैंकों के हूड आफिस तथा रेजिजन आफिस के आडिट के मामले में विस्तृत आडिट रिपोर्टों से सम्बन्धित प्रश्नों के क्रम का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया। दूसरे प्रश्नों के क्रम जो बैंकों की शाखाओं के मामले में विस्तृत आडिट रिपोर्टों को पेश करने हैं, को भी कमेटी ने प्रस्तुत किया। प्रधान कार्यालयों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों से सम्बन्धित प्रश्नों के क्रम 1984 आडिट्स के सम्बन्ध में पहले ही लागू किये जा चुके हैं।

डी इंडियन बैंकर्स एसोसियेशन (आई बी ए) के अनुरोध पर कमेटी ने सदस्य बैंकों को रिकामण्डिंग ट्रास्टों अपरेटर्स का आई बी एस कीम के अन्तर्गत वित्तीय स्टेटमेंट्स तथा आडिट रिपोर्ट तैयार की है।

ई कमेटी ने इन्स्टीट्यूट के अधिकारों की घोषणा को लागू करने के मामले के लिए क्षेत्रीय केन्द्रों पर भूतपूर्व प्रेसीडेंट्स तथा अन्य प्रतिष्ठित

पदस्थों के साथ बैठकों के एक श्रृंखला का आयोजन किया है। जो कि बहुत ही लाभप्रद सचिव हुई।

कमेटी ने इस मामले पर विचार किया और सदस्यों की चेतावनी देने का फैसला किया कि स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस के अपेक्षाओं स्टेटमेंट से अन्त आडिटिंग प्रैक्टिसस आडिटर्स रिपोर्ट में मायकाओं के स्टेटमेंट तथा मैनुकैक्चरिंग व अन्य कम्पनीज के स्टेटमेंट (आडिटर्स रिपोर्ट) आर्डर 1975 जिन्हे इन्स्टीट्यूट ने जारी किया है क शीघ्र ध्यान न देने पर द्वितीय अनुसूची के भाग-1 क क्लॉज (9) क अर्थ में आडिट की सामान्य रविकार्य प्रणिया से अलग किया हुआ मानता जायेगा। इस कथित क्लॉज की व्यवस्थाओं के उल्लंघन न करने के सम्बन्ध में सदस्य इस ओर ध्यान आकषित करवा माने है।

एफ कमेटी ने कौंसिल द्वारा स्वीकृत किये जाने पर वर्तमान मैनुकैक्चरिंग व अन्य कम्पनिया (आडिटर्स रिपोर्ट) आर्डर 1975 के मूल्यांकन के लिए सरकार के पास विचार के लिए जपन सुझाव भेजे।

जी बम्बई, कलकत्ता मद्रास और दिल्ली स्थित कमेटी के स्टडी ग्रुप आई ए पी सा द्वारा जारी किये गये इन्टरनेशनल आडिटिंग सम्बन्धी मार्गदर्शियों तथा स्टैंडर्ड्स आडिटिंग प्रैक्टिसस पर स्टेटमेंट्स के प्रारम्भिक ड्राफ्ट्स को विकसित करने में व्यस्त है।

एच कमेटी का एक ग्रुप नई दिल्ली में आई एफ ए सी की विभिन्न कमेटीयों द्वारा समान-समय पर जारी किए गये विभिन्न प्रलेखों के प्रारम्भिक जवाबों को तैयार करने के कार्य में व्यस्त है।

1. कमेटी निम्नलिखित विषयों पर ड्राफ्ट्स को विकसित कर रहे हैं—
“आडिटर द्वारा मैनेजमेंट को पत्र” का अध्ययन

“जवाब आडिटर्स के उत्तरदायित्व” पर वर्तमान स्टेटमेंट का पुनर्मूल्यांकन।

“बैंकों के आडिट” पर वर्तमान प्रकाशन का पुनर्मूल्यांकन।

3.4 रिसर्च कमेटी

ए. प्रकाशित साहित्य

वर्ष के अन्तर्गत निम्नलिखित गाइडेंस नोट/गाइड प्रकाशित हुए

1. स्टॉक एक्सचेंज के सदस्यों के एकाउन्ट्स के आडिट पर गाइड नोट।

2. सेन्ट्रल एक्सचेंज कानून पर एकाउन्टेन्स गाइड।

बी. प्रकाशन की प्रक्रिया में अध्ययन

1. गाइड नोट्स एकाउन्टिंग, आडिटिंग, कम्पनी ला आदि सहित जिन्हे इन्स्टीट्यूट ने जारी किया, का सार।

2. प्रकाशन एकाउन्ट्स में जुबाब (प्रकाशित एकाउन्ट्स में वर्तमान व्याख्याओं का संशोधित रूप)।

3. फटिलाइजर इण्डस्ट्री पर एकाउन्टिंग तथा आडिटिंग टेक्निकल गाइड।

4. इन्टरनल आडिट पर गाइड लाइन्स—कन्सल्टेशन इण्डस्ट्री।

5. इन्टरनल आडिट पर गाइड लाइन्स—गुगर इण्डस्ट्री।

सी कोपिंग/कमेटी की जाच के उपरत रिजर्व स्टडीज/गाइडेंस नोट/गाइडल इन्स

1. इण्डस्ट्री क बीनरी की हालत को निश्चित करने के लिए वित्तीय सूचना के प्रयोग का अध्ययन।

2. जारी बेस वांटिंग का रिसर्च अध्ययन।

3. निम्नलिखित पर एकाउन्टिंग व टेक्निकल गाइडेंस—

(ए) अटोमोबाइल इण्डस्ट्री

(बी) ड्रग एण्ड फार्मास्यूटिकल इण्डस्ट्री

4. पट्टे के लिए एकाउन्टिंग का रिसर्च अध्ययन।

5. इन्व्हीरेन्स आडिट जी आई सी पर अध्ययन।

डी. परिचयना प्रगति पर

1. स्टैटिस्टिकल सैम्पलिंग टैकनीक—ग्राफिट प्रैक्टिशेज में एक सहायक
2. इन्टरनल ग्राफिट के लिए गार्ड लाईन-टेक टाइल इन्डस्ट्री
3. होटल इन्डस्ट्री के लिए एकाउन्टिंग तथा ग्राफिटिंग टेकनीक गार्ड
4. फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स पर इस्टीमेट की भाषणा के प्रभाव
5. निम्नलिखित का अध्ययन
- (ए) एम. आर. टी. पी. एक्ट
- (बी) कॉर्पोरेट फाइनेंस पर इन्फ्लेशन का प्रभाव
- (सी) फारेन एक्जचेंज रेगुलेशन एक्ट
- (डी) इन्फ्लेशन ग्राफिट—एन आई सी
- (ई) बैंकों का इन्टरनल ग्राफिट
- (एफ) पब्लिक ट्रस्ट का ग्राफिट
- (जी) ट्रांसपोर्ट एकाउन्टिंग तथा मैनेजमेंट कंट्रोल सिस्टम्स
- (एच) ला-ग्राफिट कंट्रोल पर एकाउन्टिंग गार्ड

ई० पुनर्मूल्यांकन के अधीन वर्तमान प्रकाशन

1. "ट्रैडिंग और रिटायरमेंट ग्रैजुटी इन एकाउन्ट्स" पर स्टेटमेंट का पुनर्मूल्यांकन
3. बोनस एक्ट 1965 का भुगतान—एकाउन्ट्स स्टडी
4. कॉर्पोरेटिव मोसाइटोज के ग्राफिट के लिए टेक्नीकल गार्ड
5. शेयर वैल्यू की स्टडी
6. भारतीय उद्योग में मूल्य निर्धारण
7. "एक्साइज ड्यूटी के लिए एकाउन्टिंग ट्रीटमेंट" पर गार्डियनोट।

एफ स्टडी ग्रुप फ्रेड

1. बम्बई में एक स्टडी ग्रुप आई. ए. एफ. सी. द्वारा जारी किए गये डाक्यूमेंट्स पर टिप्पणियाँ तैयार कर रहा है।

जी. श्रीराम पेनल

इस्टीमेट का शील्ड पेनल निम्नलिखित का वार्षिक प्रतिवेदन तथा एकाउन्ट्स निरीक्षण किया —

इण्डियन आयन कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(31 मार्च 1984 को समाप्त वर्ष के लिए)

तथा इस कॉर्पोरेशन के लिए उसे सर्वोच्च माना गया और जारी की शील्ड से पुरस्कृत किया गया।

पेनल ने निम्नलिखित कम्पनियों का वार्षिक प्रतिवेदन और एकाउन्ट्स का भी गतिमान डेट से तैयार किया (जिन कम्पनियों का एकाउन्ट्स गतिमान डेट से तैयार किया गया वे वर्षभराला के कम में है तथा इन्हें प्राथमिकता के आधार पर नहीं किया गया है)

इलीनियर्स इण्डिया लिमिटेड

(31 मार्च 1984 को समाप्त वर्ष के लिए) एम. एम. टी. लिमिटेड

(31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लिए) दि मिनरल्स एंड मेटल्स ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन आफ इण्डिया लि

(31 मार्च 1984 के समाप्त वर्ष के लिए)

पेनल ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों का वार्षिक रिपोर्ट तथा एकाउन्ट्स पर भी विचार किया और निम्नलिखित संस्थानों का प्रतियोगिता से संयुक्त निवेदन के रूप में जारी की शील्ड प्रदान की।

एक्सपोर्ट इम्पोर्ट बैंक ऑफ इण्डिया (31 दिसम्बर, 1983 को समाप्त वर्ष के लिए)

तथा हाउसिंग डेवलपमेंट कॉन्फेडरेशन ऑफ इण्डिया (30 जुन 1983 का समाप्त वर्ष के लिए)

पेनल ने पब्लिक ट्रस्ट्स कॉन्फेडरेशन मोसाइटोज, रिश्वत एंड एन्वैरनमेंट डेवलपमेंट के एकाउन्ट्स पर भी ध्यान से विचार किया और (दि बॉम्बे इन्वैस्टिगेशन एंड ट्रास्टिंग एण्ड ट्रास्टिंग) की 31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट तैयार का और उसका एकाउन्ट्स किया और समस्त प्रवृष्टि में इसे पुरस्कृत किया।

3. 5 प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी

ए. राष्ट्रीयकृत बैंकों का शाखाओं के एकाउन्ट्स के ग्राफिट से सम्बन्धित एम्प्लॉयमेंट प्रतिया व अन्य कार्य — सम्बन्धित प्राधिकारियों के निवेदन पर उपरोक्त प्राधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट मार्गदर्शिका के अनुसार वर्ष 1984 के लिए पब्लिक बैंकटर बैंकों व उनकी शाखाओं के लिए ग्राफिट्स के रूप में पेनल तैयार करने के लिए इस्टीमेट के प्रैक्टिस करने वाले सदस्यों से कमेटी ने सूचनाएँ एकत्रित की। लगभग 8600 सदस्यों द्वारा सूचनाएँ दी गईं। जिन्होंने अपने आवेदन इन निर्मित भेजे। इन आवेदनों को कम्प्यूटराइज किया गया और इन्हें सम्बन्धित प्राधिकारियों के पास भेजा गया। ऐसी ही सूचनाएँ इस्टीमेट के प्रैक्टिस करने वाले सदस्यों ने पब्लिक बैंकटर बैंकों तथा उनकी शाखाओं के एकाउन्ट्स के ग्राफिट के लिए 1985 के लिए एकत्रित की गईं तथा जिनको कम्प्यूटर की प्रक्रिया द्वारा सूची तैयार की जा रही है। यह सूची सम्बन्धित प्राधिकारियों के पास भेज दी जायेगी।

बी. पब्लिक बैंकटर बैंकों के स्टेट्स और ग्राफिट्स के बेतनमान पब्लिक बैंकटर के बैंकों के स्टेट्स व ग्राफिट्स के बेतनमान खर्चों के निर्वारण से सम्बन्धित अध्ययन सहायक द्वारा स्थापित किए गये एन कार्य रत ग्रुप को दिया गया था। इन वकिंग ग्रुप में इस्टीमेट का भी एक नामांकित सदस्य था। ग्रुप ने जून, 1984 में अपनी रिपोर्ट पेज की। सरकार ने 1984 में इसे स्वीकृति दे दी और वर्ष 1984 के लिए ग्राफिट्स को नियुक्त वकिंग ग्रुप की निवारणों के आधार पर वित्तिय परिलक्षियों के अनुसार की गई।

सी. रुपये 10 लाख से अधिक के उधार की सुविधाएँ प्राप्त करने के एकाउन्ट्स का ग्राफिट तथा वित्तीय बैंकों की अपेक्षाओं का पूरा करने के लिए एकाउन्ट्स की ग्राफिट रिपोर्ट के उचित प्राप्ति की अधिकतम करना।

इस्टीमेट द्वारा तैयार और इण्डियन बैंक एग्रीगेशन द्वारा प्रतिम रूप दिये गये। प्राप्ति का निबंध बैंक ऑफ इण्डिया ने अपनी स्वीकृति दे दी और एक सकोनर द्वारा सुझाव दिया कि 10 लाख तथा अधिक सीमा की कार्यरत पूँजी उधार सुविधा प्राप्त करने वाली नान-कॉर्पोरेट एन्टिटीज को अपनी एकाउन्ट्स को शार्टेड एकाउन्ट्स से ग्राफिट कराये। बैंक में उधार सेने वालों के एकाउन्ट्स को नये अपेक्षाओं की व्याख्या करने हुए एक मार्ग दर्शक टिप्पणा इस्टीमेट द्वारा प्रकाशित की गई।

डी. उद्योग में सदस्य —

उद्योग में सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया जो —

(1) सेवा से प्रभावित सदस्यों के मामलों पर विचार करेगी।

(2) इस्टीमेट की गतिविधियों में सेवा में सदस्यों के लिए वार्षिक-वार सदस्यों के लिए मार्ग व साधन पर विचार करे।

(3) राजस्व से नये रोजगार प्राप्त करने वालों तथा तरक्की पाने वाले लोगों की सदस्यों के लिए, तथा

- (4) उद्योग में सदस्यों को रखने और उनके लिए नये एवेन्सज को विकसित करने का कार्य करेगा। उपरोक्त कमेटी के सदस्य पूरी तरह से विभिन्न उद्योगों से सम्बन्धित हैं। कमेटी के निर्णय के अनुसार अव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों व विदेशों में रोजगार के अवसरों के सम्बन्ध में सदस्यों को मार्ग दर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से जॉर्ज मे लेखा को एक श्रवला प्रकाशित की जा रही है। कमेटी इण्डस्ट्री में सदस्यों का सर्वेक्षण भी कर रही है। सर्वेक्षण इस बात का पता लगायेगा कि विभिन्न उद्योगों में उन क्षेत्रों, जिनमें वे कार्यरत हैं, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के वितरण किन प्रकार से हों।

(ई) धनवर्त शिक्षा कार्यक्रम

कमेटी द्वारा निम्नलिखित तीन आयामों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:—

- (1) महाबली पुरम मद्रास में 20 से 23 दिसम्बर, 1984 तक इन्टरनल आडिट पर रेजिडेंशिएल कोर्स।
- (2) श्रीनगर में 18 से 21 अप्रैल, 1985 तक इन्टरनल आडिट पर रेजिडेंशिएल कोर्स।
- (3) दार्जिलिंग में 9 से 13 मई, 1985 तक इण्डस्ट्री में सदस्यों के लिए रेजिडेंशिएल कोर्स।

(एफ) टैक्स आडिट तथा नान-कारपोरेट एन्टिटीज के आडिट पर सेमिनार—

प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी की एक सब-कमेटी ने टैक्स आडिट तथा नान-कारपोरेट एन्टिटीज के आडिट पर रजिस्ट्रार कोसिलम के हेडक्वार्टरस इसकी शाखाओं तथा दूसरे महत्वपूर्ण शहरों में 88 सेमिनार आयोजित किये, जिनमें 30 या अधिक सदस्य रहे। सेमिनार में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई:—

- (1) आयकर एक्ट की धारा 44 के अन्तर्गत एकाउन्टेन्ट्स का आडिट,
- (2) बैंक से उधार करने वालों का आडिट,
- (3) स्टॉक एक्सचेंज के सदस्यों के एकाउन्टेन्ट्स का आडिट सेमिनार मार्च-मई 1985 में हुए जिनका कार्यक्रम एक दिन रहा। लगभग 10,700 सदस्यों और विद्यार्थियों ने इन सेमिनारों में भाग लिया। उपरोक्त विषयों से सम्बन्धित पृष्ठ भूमि वाली सामग्री को भाग लेने वालों में निशुल्क अग्रिम रूप में बांटा गया।

सेमिनार के लिए फैकल्टी केन्द्रीय व क्षेत्रीय कॉमिलो के पुराने व नये सदस्यों से तैयार की गई। प्रत्येक सेमिनार में उपरोक्त विषय पर दो फैकल्टी सदस्यों ने बानर्चीन में भाग लिया।

इस्टीमेट द्वारा टैक्स आडिट पर दिशा निर्देश की 20000 प्रतियां प्रकाशित की गईं जो समस्त क्षेत्रीय कॉमिलो और उनकी शाखाओं में वितरित की गईं। इन गाइडेंस नोट को माग का ध्यान में रखते हुए, पुनः विभिन्न केन्द्रों में विक्री के लिए 75,000 कॉपियों को प्रकाशित किया गया। स्टॉक ब्रोकर्स के एकाउन्टेन्ट्स के आडिट पर भी इस्टीमेट द्वारा गाइडेंस नोट प्रकाशित कराये गये।

9. इन्टरनल आडिट

इन्टरनल आडिट के कोर्स तथा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स को इन्टरनल आडिट के रूप में कार्य करने के सम्बन्धित मामलों पर विचार करने के लिए इन्टरनल आडिट पर एक कमेटी का गठन किया गया।

इन्टरनल आडिटिंग के ऊपर पाँचवाँ अखिल भारतीय सम्मेलन बम्बई में सितम्बर 7-8-1985 को हुआ। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इन्टरनल आडिटिंग के विस्तृत कार्य से जानकारी हासिल करना था। माननीय श्री आरिफ मोहम्मद खान उद्योग, कम्पनी मामलों और तथा गृह मंत्रों ने सम्मेलन का उद्घाटन किया सम्मेलन में बारह पत्रों के माध्यम से

इन्टरनल आडिट के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए चार तकनीकी गन्न बनाये गये।

3.6 कम्पनी ला कमेटी

(ए) सत्रहवाँ अखिल भारतीय सेमिनार टेक्सेशन एव कम्पनी ला के ऊपर संयुक्त रूप से टेक्सेशन व कम्पनी ला कमेटी द्वारा नयी दिल्ली में 26 व 28 अप्रैल 1985 को हुआ। विवरण 3.7 (सी) में देखिये।

(बी) सामान्य आम बैठक में पास किए गये एकाउन्टेन्ट्स के संशोधन परिशोधन के इश्यू पर एक स्पष्ट नोट जर्नल के फरवरी 1985 अंक के पृष्ठ 655 पर प्रकाशित हुआ। इसके अनुसार यदि कम्पनी एकाउन्टेन्ट्स का संशोधित करता है और उसे आडिटिंग में सम्मिलित रखता है तो वह अपनी रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख करेगा कि इस्टीमेट के विचारानुसार तथा कम्पनी मामलों के विभाग के अनुसार एकाउन्टेन्ट्स का शुद्धी वार्षिक आम बैठक के होने के उपरान्त नहीं की जा सकती।

(सी) “डिपेंडेंशियल ऑन एनर्जी वेविंग पान्शन कन्ट्रोलिंग डेवाइसेज” के सम्बन्ध में एक टिप्पणी जर्नल के मार्च 1985 के अंक में प्रकाशित हुई थी जिसमें स्पष्ट था कि यदि कोई कम्पनी आयकर अधिनियम के अन्तर्गत किन्हीं एसेट्स के लिए डिपेंडेंशियल की संशोधित दरो के लागू होने के कारण कठनाइयों का सामना करता है तो कम्पनी यदि लाईस की घोषणा करना चाहती है तो वह कम्पनी एक्ट 1956 की धारा 205 (1) (सी) के अन्तर्गत छूट के लिए कम्पनी ला बोर्ड के पास आवेदन कर सकती है।

(डी) एकाउन्टेन्ट्स आफ डिपेंडेंशियल कन्ट्रोलिंग टू पेज इन डिपेंडेंशियल रेड्स की मार्गदर्शक टिप्पणी जर्नल के नवम्बर 1984 अंक में पृष्ठ स. 439 से 441 पर प्रकाशित हुई थी। कम्पनी एक्ट 1956 की धारा 205 (5) के अन्तर्गत विशेष अवधि के पुनर्गणना के लिए दो अलग अलग तरीके इस्टीमेट द्वारा सुझाये गये। इस इश्यू में कम्पनी मामलों के विभाग ने एक नर्कुलर स. 1/85 दिनांक 10-1-85 जारी किया। कोसिल ने कम्पनी मामलों के विभाग द्वारा सुझाये गये तरीकों को अपनाने का सुझाव अपने सदस्यों को दिया इस निमित्त अप्रैल 1985 के संस्करण में एक टिप्पणी जर्नल प्रकाशित की गई। फिर भी यह प्रश्न कि क्या उपरोक्त में कुछ संशोधन होना है, अभी तथा सरकार में विचारार्थन है।

(ई) कम्पनी एक्ट के संस्करण के लिए एक ज्ञापन माननीय श्री आरिफ मोहम्मद खान, उद्योग तथा कम्पनी राज्य मंत्रों को 22 जुलाई 1985 को उनके विचार करने के लिए दिया गया।

(एफ) “आडिटिंग रिपोर्ट इन प्रोस्पेक्टम” के ऊपर एक मार्गदर्शक टिप्पणी को अंतिम रूप दिया जा चुका है और उसका प्रकाशन शीघ्र ही हो जायेगा।

3.7 टैक्सेशन कमेटी

(ए) टेक्सेशन कमेटी के स्पान्सरशिफ में केलीकट शाखा में केलीकट में 23 फरवरी 1985 को टैक्सेशन के ऊपर एक एक-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया।

(बी) प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी के सहयोग से देश भर में विभिन्न स्थानों पर टैक्स आडिट पर सेमिनारों का आयोजन हुआ।

(सी) टेक्सेशन और कम्पनी ला के ऊपर संयुक्त रूप से दिया गया सत्रहवाँ अखिल भारतीय सेमिनार नयी दिल्ली से 26 से 28 अप्रैल 1985 तक चला इसका उद्घाटन श्री एल के

डा. बेयरमेन इकनॉमिक एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट कमिशन द्वारा किया गया। 6 टेक्निकल वर्गों की अध्यक्षता सर्व श्री जी ए. जेम्स मेम्बर सी बी डी टी डा, एम एम डूगर मेम्बर कमिटी ला वर्क समेस्वर टाकुर एम वा बी एन काजरा भूतपूर्व प्रेसिडेंट जी वृष्णमूर्ति नीलियर वादम प्रेसिडेंट इनकम टैक्स अर्वायेंड ट्राइब्यूनल तथा एम एम उन्नीयायर, सदस्य नपावेट टाइट्यूनल फार फोरफोर्टेड प्रोपर्टीज, वा की श्री मो की मोनिटी मेन्ट्रेटरी कमिटी कामिटी के मेम्बरों ने प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया। सेमीनार में देश के विभिन्न भागों में 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सर्व श्री एम पी एन पी आर खन्ना, के एस मेहता, एम जी पटेल, एन के पोद्दार तथा एम खन्ना ने टैक्सोनल गैरों की पहचान को जिसमें कारपोरेट टेक्सेशन कारपोरेट डिस्काउन्ट, फायली एक्ट का गायधरणीकरण एक्टो मानोपली वेजिमेन्स टैक्स के लिए एंजो का निर्धारण मान-बिजनेस आग पर टैक्स लगाना, मेन्ट्रल एक्साइज तथा सेन्ट्रल सेल्स टैक्स एक्ट सहित 12 तकनीकी पत्रों पर विचार विमर्श हुआ।

टैक्सेशन के उपर आठवां रेजिडेंशियल कोर्स होटल फीरोहित नैलम, उड़ी में 5 जून से 8 जून 1985 तक चला जिसमें देश भर के 41 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(डी) टैक्सवा के सम्बंध में तथा उनके सुधार के सम्बंध में विचार करने के लिए सरकार द्वारा नियुक्त विभिन्न एक्सपर्ट कमेटियों द्वारा दिये गये सुझावों और इस्टीमेट द्वारा समय-समय पर दिये गये सुझावों सरकार को ऐसे सुझाव देने जो नये प्रस्तावित नया प्रसिद्ध पालिमी के एक भाग के रूप में लागू किये जा सकें, पर विचार करने के लिए एक विशेष उप समिति का गठन किया गया।

(ई) इस्टीमेट ने, सी बी डी टी द्वारा गठित कमिटी को नये टोन एवं सधारणीकृत रिटर्न फार्म, तीन सीधे टैक्स कानूनों के के लिए, कमिटी को अपना सहयोग दिया।

(एफ) प्रकाशन

(1) इनकम टैक्स एक्ट की धारा 44 ए बी के अन्तर्गत टैक्स आडिट पर एक गाइडेंस नोट प्रकाशित किया गया और सी बी डी टी द्वारा आडिट रिपोर्ट फार्म की अंतिम अधिसूचना के तुरन्त बाद सदस्यों में वितरित किया गया।

(2) कम्पनरी सेन्टोनेस आफ एकाउन्ट्स वर मानोथाफ के दूसरे संशोधित संस्करण प्रकाशित किया गया।

(जी) पहले की भांति प्रिन्सिपल तथा पोस्ट-बजट का मेमोरेंडम वित्त मंत्री तथा अन्य अधिकारियों को दिये गये।

(एच) टैक्सेशन ला (अपेन्डेमेंट) विल 1984 के अन्तर्गत जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण मामलों पर सुझाव का एक नोट बेयरमेन सी बी डी टी तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये।

1. वर्ष में जो अन्य प्रतिनिधित्व किये गये।

2. ड्राफ्ट क्लम के तुरन्त बाद एक प्रतिनिधित्व जिसमें आयकर अधिनियम की धारा 44 ए बी के अन्तर्गत फार्म आफ आडिट रिपोर्ट तथा एडीमानन पटिन्लन पर इस्टीमेट की टिप्पणी जारी की गई। बेंच द्वारा जारी की गई अंतिम अधिसूचना पर विचार किया गया था; इस्टीमेट द्वारा अनेको सुझाव दिये गये।

3. सी बी डी टी की प्रतिनिधि या द्वारा आयकर अधिनियम की बीपी अनुसूची का व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में संशोधन सम्बंधों कुछ सुझाव दिये गये जो एक रवीकृत ब्रुपे के अन्तर्गत पेशन देने को वाज्य के अन्तर्गत "नाम प्राप्त कर्मा (अनोफिसरेंज)" की व्याख्या से सम्बन्धित है।

1. बेयरमेन सेन्ट्रल बॉर्ड आफ एक्साइज एंड कन्ट्रोल को एक प्रतिनिधित्व पत्र दिया गया जिसमें इस बात का उल्लेख किया गया कि बॉर्डें एकाउन्ट्स मेफ रिमूवा प्रोसीचर स्कॉस के अन्तर्गत एटार्ड गई वस्तुओं को प्रमाणित कर एक बजट पाठ अवा कर सता है। इस प्रकार गणान की एक्साइज की वस्तुओं पर कर लगाने और एक्साइज कर्मचारियों को उनके शतमरी के कार्य से राहत पहुंचाने में काफी मदद कर सकता है।

5. वित्तिय वर्ष का दिन के सम्बन्ध में डा कमिटी को एक श्रापन दिया गया।

(ज) ताग टर्म फिसकल पालिमी पर इस्टीमेट को र्थिनिधियों को मुख्य बातों के सम्बन्ध में वित्त मंत्री, सेन्ट्रल बोर्ड आफ डायरेक्टर टैक्सेज तथा अन्य सरकारों प्राधिकारियों को एक ज्ञापन दिया गया।

(के) केन्द्रीय सरकार ने कर वर्ष 1985-86 में 1987-88 की अवधि के चिये आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 के बलाय (23सी) का उप-धारा (4) के उद्देश्यों के लिए इस्टीमेट को अधिसूचित किया। पहले के वर्षों के लिए भी इस अधिसूचना को लागू करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

3.8 कन्टीनुइंग प्रोफेशनल एज्जेशन कमिटी

(ए) कन्टीनुइंग एज्जेशन प्रोग्राम के अन्तर्गत वर्ष के अन्तर्गत अनेकों सेमीनार एवं पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। (विस्तृत जानकारी के लिए परिशिष्ट 2 देखिये)

(बी) मैनेजमेंट एकाउन्टेसी कोर्स (पार्ट-1) की परीक्षा नवम्बर 1984 में हुई। जाका परिणाम मार्च 1984, नवम्बर 1984 तथा मई में निकला [परिशिष्ट 3 में देखिये]

(सी) कारपोरेट मैनेजमेंट कोर्स की परीक्षा मई 1984 में हुई नवम्बर 1984 तथा मई 1985 में कोर्टी भी परीक्षा नहीं हुई। (मई 1984 में ती मई परीक्षा का परिणाम परिशिष्ट 4 में बिदा गया है)

(डी) मैनेजमेंट एकाउन्टेसी कोर्स तथा कारपोरेट मैनेजमेंट कोर्स से संबंधित संशोधन जर्नलों (बी) व (ड) में तथा नये गड्यन (ई) से संबंधित टैक्स मैनेजमेंट में पोस्ट क्वालिफिकेशन कोर्स का प्रस्तुतकरण की सरकार प्राधिकारियों ने सर्वज्ञि दे से। गया इसके संवेध में अधिसूचना संधधे गजट जारी हो चला है उपयोग पोस्ट क्वालिफिकेशन काम के लिए परीक्षा संशोधित गई जनुसूचों के अन्तर्गत नवम्बर 1985 में होगी।

(ई) 10 प्रत्याशियों को मैनेजमेंट एकाउन्टेसी कार्य की नई स्क्रीम के अन्तर्गत प्रत्येक को र 500/- की योग्यता प्राप्तवृत्ति दी गयी।

(एफ) सितम्बर 1984 में मैनेजमेंट एज्ज इकनॉमिक साप्ताहिक आइजेंड के 4 अंक प्रकाशित हुए हैं। अब यह प्रकाशन लगभग 2000 सदस्यों तक पहुंचता है।

(जी) मैनेजमेंट एकाउन्टेसी कार्य के अन्तर्गत शिरीय वर्ग में प्रिन्सिपल वृत्ति के लिए एंजो कृत विद्याधियों की रुक्या 21 थी।

(एच) श्री आसीन कुमार भट्टाचार्य (एम न. 15414) ने मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स की बार्स के दोनों ही भाग पूरे कर लिए हैं।

3.9 एम्पलॉई एडवाइसी कमेटी

(ए) पिछली रिपोर्ट सितम्बर 1984 से कमेटी ने 28 प्रश्न प्राप्त किये और उनमें 18 का उत्तर दिया। 10 प्रश्न विचाराधीन हैं।

(बी) "दि काम्पेण्डिंग आफ ओपेनियनस"—वाल्थम 4 में कमेटी के विचार सितम्बर 1983 और सितम्बर 1984 के सम्मिलित हैं तथा जिनमें साथ में विषयानुसार वर्णमाला क्रम में परिशिष्ट है जो पहले के तीनों वाल्यूमस में सम्बन्धित है, ब्रिटीश के लिए जारी किए जा चुके हैं।

(सी) कमेटी के महत्वपूर्ण विचारों का संक्षिप्त सारांश "दि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स" के प्रत्येक संस्करण में सर्व साधारण की सूचानार्थ प्रकाशित होता है।

3.10 एथिकल स्टैंडर्ड्स कमेटी

यह कमेटी आचार संहिता के संशोधन कार्य में लगी है और उसमें कौंसिल के द्वारा तय किये गये परिवर्तनों को करती है तथा उन परिवर्तनों को करती है जो स्टेटमेंट्स और एक्सपोजर ड्राफ्ट्स में आई एफ ए सी को एथिकल कमेटी द्वारा जारी किए जाते हैं कैमिल ने कुछ मामलों पर विचार किया और आचार संहिता में निम्नलिखित परिवर्तन किए—

(ए.) टेंडर के जवाब में वर्तमान प्रतिबंधों में छूट टेंडर्स के जवाब में प्रश्नों पर कोड आफ कन्डक्ट द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों के रूपांकन पर तथा इस तथ्य पर विचार करने पर कि टेंडर जारी करके पर कि अव्यवस्था का एक सुनियोजित भाग निविदा जारी करके चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स को विभिन्न सेवायें प्राप्त करना चाहता है, यह निश्चय किया गया कि आडिट के क्षेत्र में निविदाओं के जवाब के मामले में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जानी चाहिए जो कि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के लिए एकमान है दूसरे भागों में जहाँ सदस्यों को बाहरी लोगों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है वर्तमान प्रतिबंध में ढील दी जाय। तथा सदस्यों को टेंडर के जवाब के लिए अनुमति दी जाय चाहे भले ही वह देश से बाहर का ही आडिट क्षेत्र क्यों न हो। यदि स्थानीय कानूनों के अंतर्गत देश के बाहर अनुमति प्रदान की जाती है तो ऐसे मामलों में व्यवसायिक शुल्क विदेशी मुद्रा में ली जाय।

(बी.) स्वयं जारी किये गये परिणाम—फंड के ऊपर सीमा कौंसिल ने कुल व्यावसायिक फंड जिसे प्रैक्टिस करने वाला सदस्य या उसकी फर्म किसी विशेष मुवक्किल से या मुवक्किलों के समूह से प्राप्त करता है पर सीमा निर्धारण करने का निश्चय किया है ताकि उसकी व्यवसायिक स्वतंत्रता पर अनुचित प्रभाव न पड़े या वह एक ही मुवक्किल पर या मुवक्किलों के ग्रुप पर ही आश्रित न रहे। इसलिए कौंसिल ने निम्नलिखित मंत्र्य जाते किये गये परिणाम पारित किए हैं।

“यदि देखना कि कोई सदस्य जो पूर्ण या अंशकालिक प्रैक्टिस में हो किसी एक क्लाइंट या कम्पनियों पर जो एक ही मैनेजमेंट के अंतर्गत आते हो, अधिक आश्रित न हो जहाँ उसकी व्यावसायिक स्वतंत्रता नष्ट हो सकती है, उसे जहाँ तक सम्भव हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जिस फर्म में वह पार्टनर है उसके द्वारा प्राप्त की गई आडिट के लिए व्यावसायिक फंड तथा अन्य सेवाओं के लिए प्राप्त फंड जो उसके द्वारा या उसके पार्टनर द्वारा व्यक्तिगत रूप से ली गई

है तथा उस फर्म या फर्मों द्वारा जिसके वह पार्टनर है एक या अधिक मुवक्किलों से या कम्पनियों से जो एक ही मैनेजमेंट के अंतर्गत आते हों, फर्म, फर्मों तथा ऊपर वर्णित पार्टनर्स की कुल वार्षिक फंड के 40% से अधिक न हो। एक ही मैनेजमेंट के अंतर्गत आने वाली कम्पनियों का तात्पर्य यहाँ उस संकेत से है जिसका उल्लेख कंपनी एक्ट 1956 की धारा 370 (एल बी) की व्यवस्थाओं में किया गया है।

शर्त यह है कि इस प्रकार के 40% की सीमा किसी एक सदस्य या फर्म की कुल व्यवसायिक फंड पर लागू नहीं होगी जहाँ इस प्रकार की फंड सदस्य या फर्म के संबंध में 2 लाख से अधिक न हो इसमें वह फंड सम्मिलित है जिसे सदस्य या फर्म या किसी दूसरी फर्म या फर्मों के माध्यम से प्राप्त की सेवाओं जिनमें ऐसे सदस्यों या फर्म पार्टनर या प्रोप्राइटर हों।

पुनः शर्त यह है कि इस प्रकार के 40% की सीमा किसी एक सदस्य या फर्म की कुल व्यवसायिक फंड पर लागू नहीं होगी। जहाँ सरकारी कम्पनियों पब्लिक अण्डरटैकिंग राष्ट्रीयकृत बैंकों पब्लिक फार्मेशियल इन्स्टीट्यूट के आडिट के मामले में हों, या जहाँ सरकार द्वारा आडिटर्स की नियुक्ति की जाती हो।

पुनः शर्त यह है कि सदस्य की या फर्म की कुल वार्षिक व्यावसायिक फंड पर उस प्रकार के 40% की सीमा सरकारी कम्पनियों पब्लिक अण्डर टैकिंग राष्ट्रीयकृत बैंकों, पब्लिक फार्मेशियल इन्स्टीट्यूट पर या जहाँ सरकार द्वारा आडिटर्स की नियुक्ति की जाती है पर लागू नहीं होगी।

(सी) कम्पनियों में डायरेक्टरशिप स्वीकार करना।

अधिक से अधिक कम्पनियों चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स को अपने बोर्ड में डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करती है इन कम्पनियों द्वारा जारी किए गए नियम तथा सार्वजनिक उद्घोषणा अक्सर एक्स्पर्टीज के बारे में विवरण प्रकाशित करते हैं जो किसी विशेष क्षेत्र में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की विशेषता तथा ज्ञान या पदवी या विशेषण को उनके नाम के साथ होता है जो कि सो एक्ट की प्रथम अनुसूची के भाग 1 के क्लॉज (6) तथा (7) की व्यवस्थाओं के विपरीत हो सकते हैं। अतः सदस्यों को कम्पनियों द्वारा उन्हें डायरेक्टर के पद पर नियुक्त पर व्यवसाय के आचार संबंधित अपेक्षाओं संबंधी सावधानियाँ बरतनी चाहिए और इन बात से आश्वस्त होना चाहिए कि कंपनी के नियम या प्रकाशित घोषणा उनके द्वारा सर्वप्रथम स्वीकृत की जाएगी। इस विषय पर एक विस्तृत मार्गदर्शन टिप्पणी परिशिष्ट 5 में दी गई है।

3.11 यूनिवर्सिटी लायजन्स कमेटी

वर्ष भर में तीन सेमिनारों का आयोजन किया गया। प्रथम सेमिनार जोधपुर में 16 व 17 फरवरी, 1985 को जोधपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। सेमिनार में दिये गए मुख्य विषय को प्रेसिडेंट्स श्री ए. सी. चक्रवर्ती ने संयोजित किया। दूसरा सेमिनार बंगलूर में 23 व 24 मार्च 1985 को उमंगलोर विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। इस सेमिनार में मुख्य विषय पर व्याख्यान वाइस प्रेसिडेंट श्री पी. ए. नैथर ने दिया। दोनों ही सेमिनारों का मुख्य विषय व्यावसायिक मर्स शिखा से था। तिसरा सेमिनार कटकता में 27 अप्रैल, 1985 को हुआ जिसमें मुख्य विषय पर इन्स्टीट्यूट के प्रेसिडेंट ने व्याख्यान दिया।

(बी) धन व दान

रु. 5000 का दान जोधपुर विश्वविद्यालय को इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के नाम पर एक विद्यार्थी को दिया गया जिससे विश्वविद्यालय की काम (आर्नेस) बंधाम (पास) कोष में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए रु. 10,000 का दूसरा दान बंगलूर विश्वविद्यालय को इन्स्टीट्यूट के नाम पर

एक स्वर्ण पदक प्रदान करने के लिए निर्धारित है। इस राशि में रु. 5,000 स्वर्णयुक्त चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स द्वारा प्रस्तुत किए गये। इसका धन दान रु. 5,000 प्रत्येक का रवि शंकर विश्वविद्यालय, रायपुर पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ तथा नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय राजनिग को दिये गये। रु. 5,000 का दान एम एन डी डी नेशनल यूनिवर्सिटी बम्बई को दिया गया तथा यह राशि अवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद प्रधान के आदेश रु. 10,000 का दान उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद को दिया गया जिसमें से रु. 5,000 का दान स्वर्णयुक्त चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स द्वारा दिया गया।

(स) स ए कोर्स का प्रमोडिफिकेशन

श्री ए. के. मजूमदार तथा श्री एम जे. पटेल द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय तथा गुजरात विश्वविद्यालय में व्यापारिक शिक्षा, जिसका उद्देश्य स ए में ज्वेलरिंग संबंधी उच्चतम भाष्य के बारे में विद्यार्थियों को अज्ञान करना है। विवरणिका जिसका शीर्षक "प्रोफाइल आफ ए. प्रोफेशनल" है, का पुनः गणोद्यन और स ए कोर्स के वर्तमान परिवर्तित पाठ्यक्रम के संदर्भ में तथा प्रवेश संबंध नियंत्रण के मन्त्र से इसके अध्ययन रूप दिया जा रहा है।

(डी) माडल सिलेक्स

स ए कोर्स के लिए माडल सिलेक्स जिसमें सर्व विषय समाहित हैं को कमेटी ने अनिम रूप दे दिया है।

(ई) यू जे सी तथा एसोशियशन आफ इण्डियन आफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज के साथ संबंध

कमिटी उक्त दोनों ही विभागों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करना चाहती है। हाल ही में इस्ट ट्यूट के प्रसिद्धित को यू जे सी को टेक्निकल एजुकेशन एंड रिसर्च के क्षेत्र में सम्मिलित किया गया।

3.12 आडिटर्स के 8वें वृत्तों जाने के मामलों के लिए गठित कमेटी: वर्ष पर्यंत कमेटी ने आडिटर्स को गलत ढंग से हटाये जाने के 11 मामले प्राप्त किए जिनमें से 6 मामले कंपनियों के आडिटरशिप से हटाने के 5 मामले बैंकों, सरकारी विभागों, ट्रस्टों तथा एक सोसायटी से सम्बन्धित था ये मामले कमेटी को चलाने के लिए कोमिन द्वारा गठित प्रक्रिया के प्रकाश में कमेटी के साथ निरटारे गये।

3.13 एडिटोरियल बोर्ड :

जर्नल को किम्स तथा नियंत्रण को सुधारने के लिए अनेकों काम उठाये गए।

4 अन्य मामले

4.1 श्रीमती इंदिरा गांधी की मृत्यु—प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर 1984 को हुई दुर्घटना का आरंभ कर दिया गया। प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट तथा सेक्रेटरी 1 नवम्बर 1984 को तीन मूनि भवन में गए जहां प्रधान मंत्री का पार्थिव शरीर रखा गया था 2 मस्मान तथा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के वायस की ओर से फूल माना जा रहा था। 7 नवम्बर 1984 को इस्ट ट्यूट में एक जोर मना हुई जिसमें प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट भूतपूर्व प्रेसिडेंट, कोमिन के सदस्य नार्थ इंडिया राजीनत कोमिल तथा सदस्य स ए वड्डे मध्य स्टाफ और विद्यार्थियों ने भाग लिया। पान मंत्र के हत्या के इनके दिन कोमिल ने बैठक हुई उसने कोमिल के सदस्यों ने दिवस का गमना का प्रकाशन और का दाखिले का मान नडा तथा निम्नलिखित प्रभाव प्राप्त किया जा रहा राजीव गांधी के पास भेजा गया।

"इस्ट ट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया" का कोमिन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर 1984 का नर 12-1

हुई दुर्घटना हुआ पर गहन दुःख व्यक्त करता है। श्रीमती गांधी निम्नलिखित सम्पूर्ण देश की सर्वाधिक लोकप्रिय नेता थी। किन्तु उनका आदर विश्व भर में किया जाता था। और उन्हें सुना जाता था देश की प्रगति की ओर ले जाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्रीमती गांधी राष्ट्रीय एकता धर्म निर्णय तथा समाजवाद के लिए कार्य करती रहीं तथा उन्होंने विश्व भर के कमजोर और असहाय लोगों के स्थान के लिए कार्य किया भारत के लिए यह बड़े ही दुर्भाग्य का क्षण है उनके स्थान को कभी भी नहीं भरा जा सकता।

राष्ट्रीय विपदा को उन घड़ी में कागिन श्रीमती गांधी द्वारा दिखाये गए मार्ग पर चलत शान्ति बनाये रखने राष्ट्रीय एकता और देश को उज्जल भविष्य की ओर ले जाने के लिए वृत्त मकल्प हैं। कोमिन श्री राजीव गांधी तथा शाक नरतन परिवार के प्रति अपना सहानुभूति प्रकट करती है। और उस दुःख घड़ी को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है।

कागिन एक बार फिर नये प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी को देश की प्रगति के लिए किये गये उनके प्रयासों के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त करती है।

कौमिल दिवस आत्मा व शान्ति हेतु प्रार्थना करती है।

इस्ट ट्यूट की परीक्षाओं के लिए हिन्दी तथा दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं का माध्यम:—जैसा कि गत रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कौमिल ने (इस्ट ट्यूट की परीक्षा के लिए विकल्प के रूप में हिन्दी को माध्यम को प्रस्तुत करने की स्वीकृति दी है प्रवेश परीक्षा हिन्दी माध्यम को प्रस्तुत करने की स्वीकृति दो प्रवेश परीक्षा के विद्यार्थियों को जून 1985 की परीक्षा से अपने उत्तर हिन्दी में लिखने की अनुमति प्रदान की है। जून 1985 में लिये गये प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र अंग्रेजी तथा हिन्दी में छापे गये। तथा यह प्रक्रिया भविष्य में भी रहेगी। इण्टरम डिप्ट और फाइनल परीक्षाओं के विद्यार्थियों को हिन्दी में अपने उत्तर देने की अनुमति प्रदान की जायेगी।

कौमिल ने इस्ट ट्यूट की परीक्षाओं के लिए वैकल्पिक माध्यम के रूप में क्षेत्रीय भाषाओं का प्रचलन पर विचार करने के लिए एक 'क्षेत्रीय भाषा कमेटी' का नियुक्त किया है। इस कौमिल तथा उनकी शाखाओं, विश्व विद्यालयों और विद्यार्थियों के पास इस विषय में उनके विचार जानने के लिए उन्हें लिखा है। उनके प्रतिउत्तरो का विज्ञापन और अध्ययन किया जा रहा है।

(रिपोर्ट तैयार हो जाने के मामले में उसका विस्तार करना तथा उसे कौमिल के पास भेजा।)

4.3 विश्वास नगर निर्माण में भवन निर्माण करना—इस्ट ट्यूट को एन.टी. और वा. आफिम तथा अन्य नागरिक गतिविधियों के लिए दिल्ली विकास प्रा.करण द्वारा शाहदरा दिल्ली के निकट विश्वास नगर में एक भवन प्लाट किया गया है। भूखंड प्राप्त कर लिया गया है और 11 जून 1985 में श्री वीरेन्द्र पाटिल, केन्द्रीय उद्योग एवं कम्पनी मामलों के मन्त्री जीव के पर्यटन को रखा गया है। विश्वास नगर में इस भूखंड के पास कुछ अतिरिक्त भूखंडों को प्राप्त करने के भी प्रयास किए जा रहे थे। विस्तृत विन्डिंग प्लाट बनाए जा रहे तथा निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू कर दिया जायेगा। प्रस्तावित भवन में निम्नलिखित सुविधाएँ होंगी।

1. नेशनल एकाडेमी आफ एकाउन्टेन्ट्स
2. एन आई आर सी आफिम
3. एन आई सी ए एम ए आफिम
4. रीडिंग रूम में सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए लेक्चर रूम
5. नार्दन डी सेन्ट्रलाइज्ड आफिस

4.4 जन सम्पर्क कमेट्री

- (ग) जन सम्पर्क कमेट्री इंस्टीट्यूट के क्रियाकलापों को विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए अनेकों कार्यक्रम करेगी तथा इन व्यवसाय की अच्छी तस्वीर पेश करेगी।
- (घ) 31 मार्च 1984 को समाप्त वर्ष में 35वीं वार्षिक रिपोर्ट के कुछ अंश विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए हैं।
- (ङ) प्रत्येक कौंसिल मीटिंग के बाद आई सी ए आई का प्रकाशन कार्य जारी है जिसका वितरण संसद सदस्यों, चैम्बर आफ कामर्स विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न सरकारी विभागों, मे कौंसिल द्वारा जनहित में किए गए कार्यों के लिए उनके विचार जानने के लिए किया जाता है।
- (च) "दी चार्टर्ड एकाउन्टेन्स एण्ड दी सोसायटी" का प्रकाशन लोगों में वितरित करने के लिए किया जाता है इसे अब सशोधित और पुनः अंग्रेजी में प्रकाशित किया जा रहा है। अन्य भाषाओं में भी सशोधित रूप प्रकाशित हुए हैं।
- (छ) जब भी आवश्यकता पड़ी गलतियों को सुधारने की पालिसी इश्यु को स्पष्ट करने के सम्बन्धों में समय-समय पर समाचार पत्रों में प्रत्युत्तर प्रकाशित किए गए।
- (ज) टैक्स आडिट व्यवस्थाओं तथा व्यावसायिक कार्य के दूसरे नये क्षेत्रों पर प्रकाश डालने के लिए प्रेसीडेंट द्वारा प्रेस्कान्फेस की गई। जिन्हें प्रमुख समाचार पत्रों ने प्रकाशित किया। टैक्स आडिट के लाभ के ऊपर भी एक नोट प्रेस जारी किया गया।
- (झ) प्रेसोटेड और वाइस प्रेजिडेंट द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय कौंसिलों के दोरे की खबरे स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई।
- (ञ) सामान्य महत्व के मामलों तथा व्यवसाय सम्बन्धी मामलों के बारे में कौंसिल के विचार समय-समय पर प्रेस स्टेटमेंट्स द्वारा प्रदर्शित किये गए।

4.4 चार्टर्ड एकाउन्टेन्स रेगुलेशन में परिवर्तन

- (ए) इस वर्ष में सी ए रेगुलेशन में सरकार की स्वीकृति से निम्न-लिखित परिवर्तन किए गए।
1. सी ए कोर्स की प्रवेश सम्बन्धी अपेक्षाएँ तथा पाठ्यक्रम,
 2. सेन्ट्रल व रीजनल कौंसिलों के चुनाव से सम्बन्धित विनियम,
 3. अनुसूची 'सी' तथा 'डी' में वर्णित पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के पाठ्यक्रम में परिवर्तन तथा सी ए रेगुलेशन की अनुसूची "ई" के अन्तर्गत टैक्स मैनेजमेंट में एक नये पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स लगाया।
- (बी) नये आने वाले रेगुलेशन का आशय वर्तमान सी ए रेगुलेशन का सरलीकरण करना तथा प्रक्रिया सम्बन्धी विलम्ब को कम करना है जिसके लिए सरकार की स्वीकृति ली जा रही है और ही स्वीकृति के प्रयास किए जा रहे हैं।

4.5 नेशनल एकेडेमी आफ एकाउन्टिंग—कौंसिल ने सिद्धांत रूप में एक नेशनल एकेडेमी आफ एकाउन्टिंग को स्थापित करने के लिए बोर्ड आफ स्टडीज के प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है तथा उसका नाम, इंस्टीट्यूट के प्रथम प्रेसीडेंट स्व. श्री जी पी कपाडिया के नाम रखने का निश्चय किया है, एकेडेमी का उद्देश्य और कार्य जैसा कि बोर्ड ने स्वीकृत किया है, निम्न प्रकार से है।

- (1) एकाउन्टिंग फाइनेन्स टैक्सेशन आडिटिंग और सम्बन्धित क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और शोध के लिए कार्य करना।
- (2) शिक्षा को पार्टिसिपेटिंग मोड आफ लर्निंग के रूप में देना, आर्टिकुलेशन और कम्प्युनिकेशन सिकल्स का विकास, समस्याओं के समाधान के लिए अन्तर अनुशासनात्मक

व्याख्यात्मक तरीके सुझाना तथा ज्ञान के विस्तृत किन्तु सम्बद्ध क्षितिज को उजागर करना।

- (3) एकाउन्टिंग शिक्षा के क्षेत्रों में विकासशील देशों की जरूरतों की पूर्ति करना।
- (4) सामान्यतः देश में एकाउन्टिंग शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाना। एकेडेमी नयी दिल्ली में यमुनापार के विश्वास नगर क्षेत्र में बनेगी जहाँ इंस्टीट्यूट को कुछ भूमि अलाट हुई है। 11 जून 1985 को जी पी कपाडिया नेशनल एकेडेमी आफ एकाउन्टिंग की आधार-शिला केन्द्रोय उद्योग एवं कर्पनी मामलों के मंत्री ने रखी।

बोर्ड ने श्री के जी सोमानी श्री टी एम विश्वनाथन, डा० कमलगुप्ता, टेक्निकल डायरेक्टर तथा श्री ए के मजूमदार डायरेक्टर आफ स्टडीज की मिला कर एक सब कमेट्री का गठन किया।

बाद में तीन फैक्ट्री मैम्बर डी डी मी संवेतो, डा. एन एल धर्मजा तथा डा. ए० के० अप्रवाल को भी इस सब-कमेट्री में शामिल किया गया। इस सब-कमेट्री का कार्य एकेडेमी के लिए एक ब्लू-प्रिंट तैयार करना है ताकि एकेडेमी निर्धारित समय पर स्थापित की जा सके। सब-कमेट्री ने ब्लू-प्रिंट तैयार किए जो अब कौंसिल के विचाराधीन है।

सब कमेट्री का अनुमान है कि एकेडेमी की विल्ड अप क्षेत्रफल लगभग 22,000 वर्ग फुट का होगा आरम्भिक रु० 90 लाख की पूंजी श्री जी पी कपाडिया नेशनल एकेडेमी आफ एकाउन्टिंग पर खर्च करने की आवश्यकता होगी। इसके लिए पूंजी व्यवस्था अंशतः सदस्यों के योगदान से तथा अंशतः इंस्टीट्यूट के काप से का जयेगी।

4.6 सदस्यों/विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर की ट्रेनिंग: सदस्यों तथा विद्यार्थियों को एकाउन्टिंग आडिटिंग तथा विज्ञानित डिजिटल मैकिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए कौंसिल ने चुने हुए कुछ बड़े शहरों में कम्प्यूटर केन्द्रों को खोलने का प्रस्ताव किया है। ये केन्द्र इंस्टीट्यूट के चार क्षेत्रीय प्रधान कार्यालयों में खोले जायेंगे। इस सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी पूर्ण कर दी गई है।

4.7 कौंसिल की वार्षिक बैठक: कौंसिल की 35वीं वार्षिक बैठक 15 सितम्बर 1985 को नई दिल्ली में श्री पी एन शर्मा की अध्यक्षता में हुई जो कि इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व प्रेसीडेंट थे। श्री टी एन चतुर्वेदी कम्प्यूटर एण्ड आडिटर जनरल अफ इंडिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने उन कम्पनियों तथा वित्तीय संस्थाओं को शब्द आर प्रशस्त पत्र प्रदान किये जिन्होंने एकन्टस के सर्वाधिक प्रस्तुत-करण को प्रतिपादित में भाग लिया था। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और मंडल भी प्रदान किए गए।

4.8 पुस्तकालय: इस वर्ष नयी दिल्ली स्थित सेन्ट्रल कौंसिल लायब्रेरी में 557 नयी पुस्तकें रखी गयी। जिनका मिल कर पुस्तकों की कुल संख्या 19850 हो गई है। सदस्यों और विद्यार्थियों के प्रयोग में यह बढोतरी हुई।

4.9 बाहरी निकषों में प्रतिनिधित्व—इंस्टीट्यूट अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से अनेकों बाहरी निकषों में अपना प्रतिनिधित्व बनाए है। इस प्रकार के प्रतिनिधित्व के विवरण परिशिष्ट 6 में है।

4.10 विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत सदस्य: एकाउन्टिंग तथा फाइनेन्स के क्षेत्र में अपना उच्चतर डिग्रि अनुभव तथा ज्ञान के कारण इंस्टीट्यूट के सदस्य सार्वजनिक क्षेत्रों के विभिन्न पदों पर जिनमें लेजिस्लेटिव बॉर्ड्स, पब्लिक फाइनेन्सियाल इंस्टीट्यूट्स, रजिस्ट्रार तथा अन्य वैयक्तिक, शैक्षिक संस्थान तथा स्थानीय प्राधिकरण में कार्यरत हैं।

4.11 महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ प्रेसिडेंट तथा वाइस प्रेसिडेंट की मीटिंगें और शखाओं का दौरा करना।

इस वर्ष प्रेसिडेंट तथा वाइस प्रेसिडेंट ने अनेक विशिष्ट व्यक्तियों, कन्द्रीय मंत्रियों तथा अधिकारियों से मिले। वे अनेकों विश्वविद्यालयों

के कुल पतियों चैम्बर्स ऑफ कामर्स के प्रेसिडेंटों, आयकर अपालेट ट्राइब्यूनल के सदस्यों रिजर्व बैंक के अधिकारियों आदि से भी मिले।

यहां वित्त मंत्री, उद्योग राज्य मंत्री तथा कम्पनी मामलों के मंत्री और कम्पनी ला बोर्ड के सचिव के साथ हुई मीटिंगों का विशेष उल्लेख किया जाता चाहिए कम्पनी मामलों के मंत्री के साथ हुई मीटिंग के दौरान कम्पनी एक्ट के सरलिकरण तथा उनके अंतर्गत बनाये गये नियमों को युक्ति पूर्वक व्याख्या पर मंत्री महोदय ने बल दिया। इस विषय को गहराई से जानने के लिए इंस्टीट्यूट ने एक छोटी कमेटी का गठन किया और अपनी सिफारिशें सरकार के पास भेजी। प्रेसिडेंट और वरिष्ठ प्रेसिडेंट ने रोजनल कौमिलों और बड़ी संख्या में रोजनल कौमिल की शाखाओं के दारे किए और सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए व्यवसायिक अवसरों और शैक्षणिक सुविधाओं से सम्बन्धित मामलों के बारे में पूछतछ की।

4.12 चार्टर्ड एकाउन्टेन्स नेशनल रिलीफ फण्ड : चार्टर्ड एकाउन्टेन्स नेशनल रिलीफ फंड को पब्लिक ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया है। तथा इसे आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 जी के अन्तर्गत कर छूट प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। इस प्रकार इस फंड के लिए किया गया दान दत्त जो के हों से आयकर से छूट सहित होगा। सदस्यों से एकत्रित किया गया धन।

1. राष्ट्रीय विपदाओं के समय लोगों को सहायता पहुंचाने,
2. सहायत कार्य में लगी समितियों तथा संस्थाओं के लिए दान गृहण करना, तथा

3. राष्ट्रीय प्रगतिशील कोष : प्रधान मंत्री कोष और अन्य दूसरा निधियों जिनमें केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों ने स्थापित किया हो लोगों को सहायतार्थ अकाल, बाढ़, चक्रवर्त तथा अन्य विपदाओं के लिए स्थापित किया है, प्रयोग किया जायेगा सदस्यों से अनुरोध है कि इस महान कार्य के लिए अपना योगदान अवश्य दे।

4.13 चार्टर्ड एकाउन्टेन्स बेनेवलेंट फण्ड : फण्ड की सदस्य संख्या 31-3-84 में 2050 से बढ़कर 31-3-1985 में 2112 हो गई कठिनई में से सदस्यों या मृत सदस्यों के परिवारों की सहायतार्थ इस वर्ष रु. 59,100/- की राशि वितरित की गई 31 मार्च, 1985 तक इस फण्ड में रु. 217471.18 जमा थे जो कि मार्च 31, 1984 में रु. : 195006 थे।

4.14 एस वैद्यनथन एयरर पैमोरियल फण्ड : टप फण्ड की सदस्य सं. 31 मार्च 1985 को 145 थी इस वर्ष छात्रों को दी गई छात्रवृत्ति के रूप में रु. 3000/- की राशि वितरित की गई फण्ड में 31 मार्च 1985 तक रु. 59594.90 की राशि बकाया थी।

4.15 कौमिल तथा रोजनल कौमिलों का चुनव : इंस्टीट्यूट की 13 कौमिलों का 12 रोजनल कौमिलों का चुनव आगस्त 1985 में हुआ सेंट्रल कौमिल तथा रोजनल कौमिल में निवर्तित सदस्यों के नाम भारत के राजरात्र में प्रकाशित किए गए तथा "दि चार्टर्ड एकाउन्टेन्स" के जर्नल में भी छपे (इस निमित्त परिशिष्ट 7 में देखें)

5 सदस्य

5.1 सदस्यता : इस वर्ष 3773 नये सदस्यों को जोड़ा गया जिनको भिनाकर 31-3-85 तक कुल सदस्य संख्या 36418 हो गई। इस वर्ष 1145 एमोशियट्स फीरो के रूप में भर्ती किए गए (परिशिष्ट अठ से सदस्यता का वर्गीकरण दिया गया है)

5.2 अनुशासनत्मक कार्यवाही : धारा 21 के अन्तर्गत निपटये गये मामले तथा सूचनएं निम्नलिखित हैं।

वर्ष में कौमिल के तमाम रखे गये मामलों की संख्या—75 वर्ष में अनुशासनत्मक कमेटी के पास भेजे गए मामलों 41 वर्ष में अनुशासनत्मक कमेटी द्वारा निपटए गये मामले 36

बाम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष पेश की गई एक याचिका में बम्बई उच्च न्यायालय ने यह आदेश दिया कि रिपोर्ट को अनुशासनत्मक कमेटी

के विचार करने से पूर्व कौमिल प्रतिवर्षी को सुनने का अवसर दें दे कि क्यों न कमेटी की रिपोर्ट स्वीकार कर ली जाये। इंस्टीट्यूट ने एक अपील को सुप्रीम कोर्ट के पास भेजा जो कि पेडिंग चल रही है। उपरोक्त अपील में सुप्रीम कोर्ट में पड़े हुए निर्णय का अनुशासनत्मक कमेटी को रिपोर्ट पर विचार करने के कार्य को स्थगित करने का निर्णय दिया है इस दिशा में 31-3-1985 तक अनुशासनत्मक कमेटी को—87 रिपोर्ट शेष पड़ी हैं।

अनुशासनत्मक मामलों को संक्षिप्त विवरण जहां चार्टर्ड एकाउन्टेन्स धारा 21(6) के अंतर्गत कार्यवाही को गई परिशिष्ट 9 में है।

5.3 दिवंगत सदस्य

(ए) ओ ए पी टंडन इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व प्रेसिडेंट के 3 मई 1985 को हुए निधन पर कौंसिल गहन दुःख व्यक्त करती है।

(बी) कौंसिल उन सदस्यों को मृत्यु पर भी दुःख व्यक्त करती है जिनका उल्लेख परिशिष्ट 10 में है

6. आर्टिकल व आडिट बर्क

6.1 पंजीकरण 31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष में पंजीकृत आर्टिकल व आडिट बर्क की संख्या निम्नलिखित है।

आर्टिकल व आडिट बर्क	1983-84	1984-85
	8710	925

6.2 आर्टिकल/आडिट बर्कों को रोजगार सहायता : जिन विद्यार्थियों ने अपने आर्टिकल/आडिट सेवाएं पूरी कर ली हैं तथा इंस्टीट्यूट की इंटरमीडिएट परीक्षा पास कर ली हैं उन्हें रोजगार सहायता प्रदान की जाती है। इस निमित्त बम्बई, मद्रास कलकत्ता, कानपुर तथा नई दिल्ली में प्रत्येक रोजनल सेंटर में विवेचनीय कार्यलय द्वारा एक रोजगार रजिस्टर बनाया गया है। जो विद्यार्थी उपरोक्त विद्या की लेना चाहें तथा जो उपरोक्त योग्यताएं पूरी करते हों वे विवरणों के फार्मों के लिए, जो भर कर इंस्टीट्यूट में जमा किये जायें, इंस्टीट्यूट के सम्बन्धित सहायक सचिव से मिले अथवा लिखें।

6.3 बोर्ड आफ स्टडी : 1. 31 मार्च 1985 तथा 31 मार्च 1984 के अंतर्गत नमांकित विद्यार्थियों की संख्या।

	1984-85	1983-84
कोर्स		
इंटरमीडिएट	9289	8660
फाइनल	3573	3099

31 मार्च 1985 को हाजरी में विद्यार्थियों की कुल संख्या 40052 थी जो कि 31 मार्च 1985 को 37983 थी। (परिशिष्ट XI देखें)

बी. इंटरमीडिएट तथा फाइनल कोर्स विद्यार्थियों के लिए रिवीजन क्लासेस पहले की भांति रोजनल तथा अन्य महत्वपूर्ण केन्द्रों में लगायी गयीं हों।

सी. 31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां प्रदान की गयीं।

1. मैरिट स्कालरशिप

रु.: 75/- प्र. माह की दर से 10 विद्यार्थियों को अधिकतम 18 माह के लिए।

रु.: 75/- प्रति माह की दर से 4 विद्यार्थियों को अधिकतम 18 माह के लिए।

2. निडवेस्ट स्कालरशिप

रु.: 50/- प्रतिमाह की दर से 84 विद्यार्थियों को अधिकतम 30 माह के लिए।

3 पार्षिक क्रीडा

अर्थात् 73 विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस की दूसरी किश्त में छूट देना ।

डॉ. यद्यपी बोर्ड को एन्ट्रेंस परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए कोई पत्राचार पाठ्यक्रम नहीं दिया गया है उसने विद्यार्थियों की भलाई के लिए अध्ययन सामग्री तैयार की इस सामग्री के पूरे सैट की लागत रु०: 100/- है ।

ई. इन्कमटेक्स तथा कम्पनी मामलों के डायरेक्टर और वर्तमान पढ़ाई का योगदान देते हुए बोर्ड आफ स्टडीज जर्नल में लगातार योगदान करता आ रहा है ।

फ. बोर्ड ने इन्स्टीट्यूट के स्टाफ के लिए एकाउन्टेन्स तथा सम्बद्ध विषयों में फास्ट इन हाउस ट्रेनिंग की व्यवस्था की ।

जी. छठा अखिल भारतीय सी ए स्टूडेंट्स सम्मेलन 2 व 3 मार्च 1985 को दिल्ली में हुआ । जिसमें विशेष व्याख्यान के 4 टैक्नीकल सत्र थे । जो कि उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त थे । देश के लगभग 3000/- विद्यार्थियों ने उसमें भाग लिया । सम्मेलन का उद्घाटन न्यायाधीश श्री ई एस वैकटरमया जज सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया ने किया श्री ए सी चक्रवर्ती इन्स्टीट्यूट के प्रेसिडेंट ने अध्यक्षता की ।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय "एमजिंग रोल आफ एकाउन्टिंग प्रोफेशन" था । जो इस टैक्नीकल सत्र में दो दिन तक चला और जिसमें निम्नलिखित विषय :—

1. इन्स्टीट्यूट द्वारा जारी एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड का अध्ययन,
2. मैनेजमेंट एकाउन्टिंग—ए टूल फार प्लानिंग एण्ड कंट्रोल,
3. कम्प्यूटर द्वारा किये गये एकाउन्ट का आडिट,
4. इन्टरनल आडिट,
5. बिजनेस इनकम में आगाह कटौती,
6. 1. कम्पनियों,
2. गैर भारतीय नागरिकों के लिए कर छूट,
7. विद्यार्थियों के भविष्य विकास में प्रशिक्षण का महत्व,
8. इन्स्टीट्यूट की शैक्षिक योजना का मूल्यांकन,
9. एकेडमी अफ एकाउन्टिंग-उसके लाभ ।
7. परीक्षा ए

7.1 एन्ट्रेंस परीक्षा जून 1984 तथा दिसम्बर 1984/जनवरी 1985 में देश में विभिन्न केन्द्रों में हुई चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट इन्टरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएँ दोनों ही नये व पुराने पाठ्यक्रमों के लिए पहले की भांति मई और नवम्बर 1984 में देश भर में विभिन्न केन्द्रों पर हुई जो विद्यार्थी परीक्षा में बैठे और जो उत्तीर्ण हुए उनका विवरण परिशिष्ट 12 में दिया गया है ।

कौंसिल को यह रिपोर्ट देते हुए खुशी है कि इन्स्टीट्यूट के इतिहास में पहली बार एक महिला प्रत्याशी कुमारी नंदिता शाह जो कि बम्बई की हैं ने नवम्बर 1983 की फाइनल परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया ऐसे ही दूसरी महिला बंगलौर निवासी कु. सी० वी० शकुन्तला ने मई 1984 को ली गई फाइनल परीक्षा में प्रथम अंक प्राप्त किये । इन्हें दोनों ही प्रत्याशियों को पुरस्कृत किया गया । तथा तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमति इन्दिरा गांधी ने अपने निवास पर एक विशेष समारोह में 18 सितम्बर 1984 को उन्हें आशीर्वाद दिया ।

7.2 पुरस्कार तथा योग्यता के प्रमाण पत्र

मई तथा नवम्बर 1984 को ली गई परीक्षाओं में पुरस्कार तथा योग्यता के प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम परिशिष्ट 13 में हैं ।

7.3 परीक्षा के दिनांक व रद्द हैं

सात परीक्षार्थी जो परीक्षा में गलत प्रयोग करते हुए पाये गये उनपर विभिन्न अवधियों के लिए परीक्षा में बैठने से रोक लगा दी गई ।

7.4 चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन 1964 की अनुसूची बी के अन्तर्गत फाइनल परीक्षा ।

जैसा कि कौंसिल ने पहले निर्णय लिया था सी ए रैगुलेशन 1964 की अनुसूची बी के अन्तर्गत मई 1985 की परीक्षा के बाद किसी प्रकार की फाइनल परीक्षा नहीं ली जायेगी । अब कौंसिल ने कथित परीक्षा को दो और सत्रों यथा नवम्बर 1985 और मार्च 1986 तक बढ़ाने का निर्णय किया जो विद्यार्थी मई 1986 तक पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत परीक्षा पास नहीं कर पायेगे उन्हें अंतिम वर्ष के नये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शेष प्रश्न-पत्रों को पास करने की अनुमति दी जायेगी । फाइनल "नये पाठ्यक्रम" परीक्षा के सम्बन्ध, प्रश्नपत्र के सम्बन्ध में विवरण बाद में घोषित किये जायेंगे ।

7.5 एन्ट्रेंस परीक्षा

परीक्षा पत्र हिन्दी में भी दिये जायेंगे जो जून 1985 में ली गयी एन्ट्रेंस परीक्षा से प्रश्न पत्रों को हिन्दी में भी दिये जाने की व्यवस्था की गई ।

8. क्षेत्रीय कौंसिल तथा क्षेत्रीय कौंसिलों की शखाएँ :

8.1 एकलव्य तथा प्रशासनिक मुचिवा के लिए "कौंसिल ने फैमल किया की रोगता कौंसिलों के शखाओं को मैनेजिंग कमेटीयों के चुनाव प्रत्येक नवसे वर्ष किये जायेंगे जो उन वर्ष होंगे जिसमें कौंसिल और रोजनन कौंसिल के चुनाव होंगे इस सम्बन्ध में कौंसिल के निर्देशक सिद्धांतों में आवश्यक संगोपन किये गये हैं । तथा उक्तोक्त निर्वाचित क्षेत्रों को सलह दी गई कि वह अपनी वार्षिक आम बैठक एक तथा 31 जून ई 1985 के मध्य में बुलाएँ और अपनी नई मैनेजिंग कमेटी के लिए सदस्यों को चुने इन परिवर्तनों को परिण मस्वरूप वर्तमान मैनेजिंग कमेटी का कार्यकाल 15 सितम्बर 1985 को समाप्त हुआ और नई कमेटी 16 सितम्बर 1985 को ज्ञान पद भी ग्रहण करेगी ।

8.2 रोजनन कौंसिलों की शखाओं के लिए भवन

रोजनन कौंसिलों को विशेष महत्व देने के उद्देश्य से कौंसिल ने उनकी खुद का बिल्डिंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है । कौंसिल ने एक स्कैम बन ई है जिसके अन्तर्गत शाखाएँ, भवन के अधिग्रहण/प्लेटों के निर्माण/भवनों के निर्माण के लिए अर्द्ध एअरिड करेगी । जिसके लिए कौंसिल कुछ प्रतिबन्धों सहित अनुदान प्रदान करेगी । इस योजना के अन्तर्गत दक्षिण भारत में रोजनन कौंसिल का एर्वाकुडन शाखा के लिए कोर्नल में एक भवन निर्माण के कार्य के प्रस्ताव को स्वीकृति दी जा चुका है । यह बिल्डिंग केरल के सी ए सोसाइटी के प्लट पर बनेगी जो कोर्नल इन महान योजना के लिए केरल को सी ए सोसाइटी के प्रति जामार प्रकट करता है जिसने इस्टाट्यूट का यह प्लट हस्तान्तरित किया ।

8.3 रोजनन कौंसिल की सर्वोच्च शाखा को रोटेशन शोल्ड

रोजनन कौंसिलों की शाखाओं की अधिक कार्यकुशल बनाने के उद्देश्य से तथा यह आवश्यक होने के लिए नि. उनके अधिक से अधिक सदस्य बनें इस्टाट्यूट में रोजनन कौंसिल की शाखाओं की न्यूनतम क्रिया कलापों के लिए कुछ निषम बनाये हैं इस योजना के अन्तर्गत शाखाओं को अपनी भविष्यीय/प्रगति की तैमासिक रिपोर्ट जमा करानी होगी । इन शाखाओं को वर्ष में उनके कार्यकलापों तथा प्रगति के लिए सर्वोच्च शाखा को रोटेशन शोल्ड प्रदान किया जायेगा । यह शोल्ड 1984-85 वर्ष के लिए एस आई आर सी की कायम्बटूर शाखा को प्रदान किया गया । यह पुरस्कार सितम्बर 1985 को वार्षिक समारोह में दिया जायगा ।

8.4 रोजनल कौंसिल/शाखाएं

रोजनल कौंसिल/रोजनल कौंसिलों की शाखाओं के पत्र तथा इन्स्टीट्यूट के अनुच्छेद जो भारत में बाहर है का उल्लेख परिशिष्ट 14 में किया गया है।

9 वित्त

11 मार्च 1985 को बैलन्सशीट तथा समाय वर्ष का आय व्यय का लेखा कौंसिल द्वारा स्वीकृत किया गया। आय और व्यय के लेखा में रु. 37.65 लाख का मर्फलस निकला जो कि पिछले वर्ष रु. 41.27 लाख का था।

10. प्रशासनिक

ए वॉमिल इन्स्टीट्यूट के उन सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इन्स्टीट्यूट की कमेटियों के रूप में कार्य किया तथा उन नान-मेम्बरों का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने कौंसिल का इस वर्ष उसके शैक्षणिक तथा तकनीकी गतिविधियों और उनकी परीक्षाओं में सहयोग प्रदान किया।

वी संचार द्वारा दिये जाने वाले अनवरत सहयोग व सहायता के लिए कौंसिल अपना आभार प्रकट करती है।

मी कौंसिल इन्स्टीट्यूट के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता है जिन्होंने अपने अथक प्रयास और ईमानदारी से वर्ष पर्यन्त कार्य किया।

वार्षिक रिपोर्ट का अनुलग्नक

परिशिष्ट 1

(संदर्भ: रिपोर्ट का पैरा 1-1)

कौंसिल के सदस्य 1984-85

बाला कृष्णन, आर	मद्रास
बनर्जी, भास्कर	कलकत्ता
बसल, एम के	नई दिल्ली
चक्रवर्ती, ए सी	कलकत्ता
चावला, ब्रजपाल	नई दिल्ली
हाजद, एस पी	बम्बई
दरुल, वी सी	बम्बई
दुमार, एस एम (डा.)	नई दिल्ली (=)
घोष, आर सी	जयपुर
होशिंग, वी शार	बम्बई (=)
कैट, आई पी	बम्बई
जेम्स, ज. ए (1-4-84 से)	नई दिल्ली (=)
काले, वाई एम	बम्बई
खन्ना, एम एम	नई दिल्ली
कुम्हार, अशोक	मद्रास
नायर, पी ए	बम्बई
नन्द गोमन्, एस	मद्रास
नारायण स्वामी, जी	मद्रास
पटेल, मनुमाई जी	अहमदाबाद
पोथार, एन के	कलकत्ता
प्रेम कुमार एम (31-3-85 तक)	नई दिल्ली (=)
राउ, के एन. (1-1-85 से)	नई दिल्ली (=)
राय चौधरी, ए	कलकत्ता
सम्पथ, कुमारन पी टी	मद्रास
सारदा, एन पी	बम्बई
शाह, पी एन	बम्बई
सिन्हा, एम एल (16-9-84 तक)	कलकत्ता (=)
सिन्हा, आई बी (डा.)	लखनऊ (=)
सोमानी, के जी	नई दिल्ली

सुरेश बाबू डी एल

सूरी, आर सी (30-4-84 तक)

उन्नी नायर, एम एस (31-3-84 तक)

वैश्य, आर. सी (डा.)

(=) केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

बंगलौर

नई दिल्ली (=)

नई दिल्ली (=)

कानपुर

इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया
1984-85 के लिए कमेटियों की सूची

ए स्टैंडिंग कमेट्री

एक्जीक्यूटिव कमेट्री

श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेजिडेंट

कलकत्ता

श्री पी ए नायर, वाइज प्रेजिडेंट

बम्बई

श्री भास्कर बनर्जी

कलकत्ता

श्री एम के बसल

नई दिल्ली

श्री पी टी सम्पथ कुमारन

मद्रास

श्री आर एल चोपड़ा (कमेट्री के सेक्रेटरी)

एक्जामिनेशन कमेट्री

श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेजिडेंट

कलकत्ता

श्री पी ए नायर, वाइज प्रेजिडेंट

बम्बई

श्री आर बालकृष्णन

मद्रास

डा. आई बी मिन्हा

लखनऊ

श्री के जी सोमानी

नई दिल्ली

श्री के कल्याणारमन (कमेट्री के मैकेटेरी)

डिस्प्लिनरी कमेट्री

श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेजिडेंट

कलकत्ता

श्री पी ए नायर, वाइज प्रेजिडेंट

बम्बई

श्री एस एम दुगार

नई दिल्ली

श्री एस नंदगोपाल

मद्रास

श्री आर सी वैश्य

कानपुर

श्री जी डी खुराना (कमेट्री के सेक्रेटरी)

वी. नान-स्टैंडिंग कमेट्री

रिसर्च कमेट्री

श्री एम एम खन्ना, चेयरमैन

नई दिल्ली

श्री बाई एम काले, वाइन चेयरमैन

बम्बई

श्री ए सी चक्रवर्ती प्रेजिडेंट (एक्स आफिशियो)

कलकत्ता

श्री पी ए नायर, वाइज प्रेजिडेंट (एक्स आफिशियो)

बम्बई

श्री भास्कर बनर्जी

कलकत्ता

श्री पी एन शाह

बम्बई

श्री पी जे एन पाणिकर

बम्बई

श्री बाई एच. मलेशम

बम्बई

श्री उदय खन्ना

बम्बई

श्री के गणेशन

कलकत्ता

श्री अविनाश चन्द्र (कमेट्री के सेक्रेटरी)

वार्डिंग प्रैक्टिसिंग कमेट्री

श्री बाई एम काले, चेयरमैन

बम्बई

श्री ए सी चक्रवर्ती, वाइज चेयरमैन

कलकत्ता

(एक्स आफिशियो)

श्री पी ए नायर, वाइज प्रेजिडेंट

बम्बई

(एक्स आफिशियो)

श्री भास्कर बनर्जी

कलकत्ता

श्री एम एम खन्ना

नई दिल्ली

श्री एन के राउ

नई दिल्ली

श्री पी आर खन्ना कोआप्टेड

नई दिल्ली

श्री वाई एच मल्लभम
श्री समर घोष
श्री एन जे रत्नाकर
श्री कमल गुप्ता (कमेटी के सचिव)

बम्बई
कलकत्ता
मद्रास

टैक्सेशन कमेटी

श्री जी नारायण स्वामी, (चेयरमैन)
श्री एम जी पटेल, वाईस चेयरमैन
श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री पी ए नायर, वाईस प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री एस के बंसल
श्री जी ए जेम्स
श्री एन के पाण्डे
श्री ए एच दत्त, (कोऑप्टेड)
श्री जी बी रमन, (कोऑप्टेड)
श्री सी आर टी वर्मा, (कम्पनी के सेक्रेटरी)

मद्रास
अहमदाबाद
कलकत्ता
बम्बई
नई दिल्ली
नई दिल्ली
कलकत्ता
बम्बई
मद्रास

कन्ट्रिब्यूशन प्रोफेशनल एजुकेशन कमेटी

श्री एन के पोयार चेयरमैन
श्री डी एस सुरेश बाबू व डा चेयरमैन
श्री ए सी चक्रवर्ती प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री पी ए नायर वाईस प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री आर गो धिया
श्री एम जी टेल
डा आर सी वैश्य
श्री एम भूतचार्थ
श्री एम दामोदर } कोऑप्टेड
डा एन एल धनज (कमेटी के सचिव)

कलकत्ता
बंगलौर
कलकत्ता
बम्बई
जयपुर
अहमदाबाद
कांगपुर
कलकत्ता
बम्बई

कम्पनी ला कमेटी

श्री आर सा जैन, (चेयरमैन)
श्री डी एस सुरेश बाबू, (वाईस चेयरमैन)
श्री ए सी चक्रवर्ती, (प्रेसिडेंट एक्स आफिसियो)
श्री बी एल चावला
डा. एस एम दुगार
श्री एस नन्द गोपाल
श्री एस सी बफना, (कोऑप्टेड)
श्री एन टी दलाल, (कोऑप्टेड)
श्री एस के चक्रवर्ती, (कमेटी के सेक्रेटरी)

बम्बई
बंगलौर
कलकत्ता
नई दिल्ली
नई दिल्ली
मद्रास
नई दिल्ली
बम्बई

एकॉटाग स्टैंडर्ड्स बोर्ड

श्री एन पी सारदा, चेयरमैन
श्री भास्कर बेनर्जी, वाईस चेयरमैन
श्री ए सी चक्रवर्ती (प्रेसिडेंट) एक्स आफिसियो
श्री पी ए नायर वाईस प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
डा एस एम दुगार
श्री जी ए जेम्स
श्री के एन राव
श्री पी एन शाह
श्री पी जे एम पाण्डेयकर
श्री बी एल चावला
श्री एस नन्द गोपाल
श्री पी एम तारिवाला
श्री महेंद्र ए मारिख
श्री ए सी गुप्ता
श्री जोसफ कुरियन
श्री आर एस लोधा } (कोऑप्टेड)
श्री कमल गुप्ता, (कम्पनी के सेक्रेटरी)

बम्बई
कलकत्ता
कलकत्ता
बम्बई
नई दिल्ली
नई दिल्ली
नई दिल्ली
बम्बई
बम्बई
नई दिल्ली
मद्रास
कलकत्ता
बम्बई
नई दिल्ली
मद्रास
कलकत्ता

इंटरनेशनल अफैयर्स कमेटी

श्री ए. सी. चक्रवर्ती, चेयरमैन
श्री पी ए नायर, वाईस चेयरमैन
श्री एम एन खन्ना
श्री अशोक कुम्भत
श्री एन के बोडर
श्री पी एन शाह
श्री बी एल कोबरा, कोऑप्टेड
श्री बंसी एस मेहता, कोऑप्टेड
श्री वई एन मल्लभम, कोऑप्टेड
श्री कमल गुप्ता (कमेटी के सेक्रेटरी)

कलकत्ता
बम्बई
नई दिल्ली
मद्रास
कलकत्ता
बम्बई
बम्बई
बम्बई
बम्बई

प्रोफेशनल डवलपमेंट कमेटी

श्री पी एन शाह, (चेयरमैन)
श्री एन के पोडर, (वाईस चेयरमैन)
श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेसिडेंट, (एक्स आफिसियो)
श्री बी ए नायर, वाईस प्रेसिडेंट, (एक्स आफिसियो)
श्री आई सी जैन
श्री बी आर टोशिंग
श्री जी नारायण स्वामी
श्री के एन रा
श्री आर एन बंसल, (कोऑप्टेड)
श्री ए के चक्रवर्ती, (कोऑप्टेड)
डा. एन एल धनज, (कमेटी के सेक्रेटरी)

बम्बई
कलकत्ता
कलकत्ता
बम्बई
बम्बई
बम्बई
मद्रास
नई दिल्ली
नई दिल्ली
कलकत्ता

एक्सपर्ट एडवाइसरी कमेटी

श्री बी एल चावला, चेयरमैन
श्री एम एम खन्ना, वाईस चेयरमैन
श्री पी ए नायर, वाईस प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री एस के बंसल
श्री ए राय चौधरी
श्री के जी सोमानी
श्री एस कृष्ण, काप्टेड
श्री एस सी वामुदेव, काप्टेड
श्री अविनाश चन्दर, कमेटी के सेक्रेटरी

नई दिल्ली
नई दिल्ली
बम्बई
नई दिल्ली
कलकत्ता
नई दिल्ली
बम्बई
नई दिल्ली

बोर्ड आफ स्टडीज

श्री ए राय चौधरी, (चेयरमैन)
श्री बी सी धारक, (वायस चेयरमैन)
श्री ए सी चक्रवर्ती, प्रेसिडेंट (एक्स आफिसियो)
श्री आर बालकृष्णन
श्री एन पी सारदा
श्री के जी सोमानी
श्री टी एस विश्वनाथ, (कोऑप्टेड)
श्री के सी मेहता, कोऑप्टेड
श्री ए के मजूमदार, (बोर्ड के सेक्रेटरी)

कलकत्ता
बम्बई
कलकत्ता
मद्रास
बम्बई
नई दिल्ली
नई दिल्ली
बम्बई

यूनिवर्सिटी सम्पर्क समिति

श्री एस पी छज्जड़, चेयरमैन
श्री आर सी धीया, वाईस चेयरमैन
श्री पी ए नायर, वाईस चेयरमैन (एक्स आफिसियो)
श्री बी सी धारक
श्री ए राय चौधरी
डा. आई बी सिन्हा, कोऑप्टेड
श्री पी मित्रा, कोऑप्टेड
श्री पी डी खन्ना, कोऑप्टेड
डा. एन. के. अग्रवाल, आफिशियेटिंग सेक्रेटरी टू द कमेटी

बम्बई
जयपुर
बम्बई
बम्बई
कलकत्ता
लखनऊ
कलकत्ता

तत्परत परपजेस कमेटी		श्री एस पी छज्जड़	बंबई
श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता	श्री के जी सोमानी	नई दिल्ली
श्री पी ए नायर, जॉसि चेयरमैन	बम्बई	डा आर सी वैश्य	कानपुर
श्री धास्कर दीनजी	कलकत्ता	श्री आर एल चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी	
श्री एम के वसन	नई दिल्ली		
श्री पी टी सम्पत फायरन	मद्रास	श्रीवीय भाषाएं समिति	
श्री आर एल चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी		श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता
रूथिफुन स्टैंडर्ड बमर्डी		श्री पी ए नायर, वाइस चेयरमैन	बंबई
श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता	श्री एम एन रान्ना	नई दिल्ली
श्री पी ए नायर, वाइस चेयरमैन	बम्बई	श्री जी नारायण स्वामी	मद्रास
श्री एम पी छज्जड़, वाइस चेयरमैन	बम्बई	श्री एम जी पटेल	ग्रहमदाबाद
श्री डा एम एन डुगर	नई दिल्ली	श्री पी एन शाह	बंबई
श्री जी नारायण स्वामी	मद्रास	डा आई बी मिन्हा	लखनऊ
श्री पी टी सम्पत फायरन	मद्रास	श्री डी एल सुरेश बाबु	बंगलौर
डा आर सी वैश्य	कानपुर	श्री आर एन चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी	
श्री जे बैनर्जी, कमेटी के सेक्रेटरी		कमेटी फार रिव्यू आफ एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग	
जन सम्पर्क समिति		श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता
श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता	श्री बी ए नायर, वाइस चेयरमैन	बंबई
श्री पी ए नायर, वाइस चेयरमैन	बम्बई	श्री पी एन भाट्ट	बंबई
श्री आर सी धिया	जयपुर	श्री पी जे एम पानीकर	बंबई
श्री बी आर होशिंग	बंबई	श्री ए राय चौधरी	कलकत्ता
श्री अशोक कुम्भत	मद्रास	श्री अशोक कुम्भत	मद्रास
श्री पी एन शाह	बंबई	श्री एम जी पटेल	ग्रहमदाबाद
श्री एम एम चितले, काप्टेन	बंबई	श्री बंसी एम मेहता, काप्टेन	बंबई
श्री पी एन पुमार, काप्टेन	बंबई	श्री पी के सलिक, काप्टेन	कलकत्ता
श्री आर एल चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी		श्री एम के अग्रवाल, काप्टेन	नई दिल्ली
कमेटी फार जनबस्ताकाइड रिमूवन आफ आडीटर्स		श्री ए के मजूमदार, कमेटी के सेक्रेटरी	
श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता		
श्री पी ए नायर, वाइस चेयरमैन	बंबई		
श्री एम एम डुगर	नई दिल्ली		
श्री जी डी खुराना, कमेटी के सेक्रेटरी			
एडीटोरियल बोर्ड			
श्री ए सी चक्रवर्ती, एडीटर इन चीफ	कलकत्ता		
श्री पी ए नायर, राइट एडीटर	बंबई		
श्री आर बालकृष्णन	मद्रास		
श्री बी सी धारक	बंबई		
श्री पी एन शाह	बंबई		
श्री के जी सोमानी	नई दिल्ली		
श्री नारायण वर्मा, काप्टेन	बंबई		
श्री रूसी वे दाम्पत्या, काप्टेन	बंबई		
श्री आर एल चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी			
आई सी ए आई—आई सी डब्लू ए आई कार्डीनल कमेटी			
श्री ए सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता		
श्री पी ए नायर, डिप्टी लीडर	बंबई		
श्री बी एल बाबा	नई दिल्ली		
श्री एम बी छज्जड़	बंबई		
श्री अशोक कुम्भत	मद्रास		
श्री ए राय चौधरी	मद्रास		
श्री आर एल चौपडा, कमेटी के सेक्रेटरी			
आई सी ए आई—आई सी एम आई कार्डीनल कमेटी			
श्री एम सी चक्रवर्ती, चेयरमैन	कलकत्ता		
श्री पी ए नायर, डिप्टी लीडर	बंबई		

परिशिष्ट - 3

मंदर्भ रिपोर्ट का पैरा 3.8 (पट)

श्री पी डी कमेटी द्वारा आयोजित सैमिनार/कोर्सों का विवरण :

क्रमांक	कार्यक्रम	स्थान	तिथि
1	"लैब्स और प्रेक्शन में कम्प्यूटर प्रयोग" पर सैमिनार	मद्रास	6 और 7 अक्टूबर 1984
2	"वित्तीय प्रबन्ध और प्रबन्ध लेखन पर कार्यक्रम" परमनल और एडमिनिस्ट्रेशन रिफॉर्मस डिपार्टमेंट भारत सरकार के साथ	नई दिल्ली	15 अक्टूबर 1984 से 3 नवम्बर 1984
3	"वित्तीय प्रबन्ध और कर" पर सैमिनार	पूना	18 नवम्बर 1984
4	सह प्रोफेशनल कार्यक्रम "एम्प्लॉयड्स ग्राफ कारपोरेट फाइनेन्स और सा" पर इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी मैनेजरी के साथ	मद्रास	4 और 5 मई 1985
5	"प्रबन्ध लेखांकन में नए आविष्कार" पर सैमिनार	बंगलौर	1 और 2 जून 1985
6	"लैब्स और प्रेक्शन में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का प्रयोग" पर सैमिनार	बंबई	10 और 11 अगस्त 1985

परिशिष्ट - 3

संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 3.8 (बी)

मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी कोर्स (पार्ट) I परीक्षा के परिणाम

	मई 1984	नवम्बर 1984	मई 1985
दोनों ग्रुप			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याक्षी	15	8	14
उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याक्षी	2	1	2
प्रतिशत	13.33	12.5	14.28
ग्रुप - 1			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याक्षी	17	21	17
उत्तीर्ण हुए प्रत्याक्षी	5	7	2
प्रतिशत	29.41	33.33	11.76
ग्रुप - सैकेण्ड			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याक्षी	6	5	8
उत्तीर्ण हुए प्रत्याक्षी	6	2	2
प्रतिशत	100	40	25

परिशिष्ट - 4

संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 3.8 (बी)

कारपोरेटिड मैनेजमेंट कोर्स पार्ट I/II इम्तहान का परिणाम

	मई 1984	नवम्बर 1984	मई 1985
पार्ट - I			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याक्षी	2	कोई परीक्षा नहीं हुई	
उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याक्षी	--		
प्रतिशत	--		
पार्ट II			
		कोई परीक्षा नहीं ली गई	

परिशिष्ट - 5

संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 3.10 (सी)

प्रेक्टीस करने का सर्टीफिकेट धारक सदस्यों के लिए गाइड नोट जो कम्पनी में डायरेक्टरशिप स्वीकार करते हैं।

कौंसिल का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया गया है कि अनेकानेक कम्पनियां अपने बोर्ड में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों को डायरेक्टर के रूप में नियुक्त कर रही हैं। ऐसी कम्पनियों द्वारा जारी प्रोस्पेक्टसों तथा सार्वजनिक घोषणाओं में अक्सर चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों को सुविज्ञत, विशेषज्ञता और किसी विशेष क्षेत्र में अनुभव का विवरण प्रकाशित किया जाता है अथवा उनके नाम के आगे उपाधि अथवा विशेषण जोड़ दिया जाता है। ऐसे सदस्यों का ध्यान चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट की प्रथम अनुचची के क्लॉज (6) और (7) की व्यवस्थाओं की ओर आकर्षित किया जाना है। जो निम्नांकित हैं :-

“प्रेक्टीस कर रहा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट व्यावसायिक दुराचार का दोषी माना जाएगा, यदि वह--

6. सरकूलर, विज्ञापन, व्यक्तिगत सम्पर्क अथवा साक्षात्कार अथवा अन्य किसी साधन से क्लाइंट्स अथवा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में व्यावसायिक कार्य प्राप्त करता है।

7. अपनी व्यावसायिक उपलब्धियां अथवा सेवाओं का विज्ञापित अथवा व्यावसायिक दस्तावेजों, विजिटिंग कार्ड, नैटर हड गणना सार्टिन बोर्ड में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के अलावा कोई पदनाम अथवा अभिव्यक्ति का उपयोग करना है, जब तक कि यह किसी निश्चित व्यक्ति, जिसकी स्थापना भारत में कानून के अंतर्गत की गई है, की डिग्री न हो, जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता मिली हो, अथवा इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स अथवा केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य इन्स्टीट्यूशन अथवा कौंसिल द्वारा मान्यताप्राप्त उपाधि/टाइटिल न हो।”

यह जानने के लिए कि ऐसी कम्पनियों द्वारा, जिनमें सदस्य डायरेक्टर के रूप में कार्य कर रहा हो, जारी प्रोस्पेक्ट्स अथवा सार्वजनिक घोषणाओं में इन्स्टीट्यूट के सदस्य का नाम सम्मिलित नहीं होता है, यह आवश्यक है कि सदस्य आवश्यक पद उठाये जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे प्रोस्पेक्ट्स अथवा सार्वजनिक घोषणाएँ अथवा सार्वजनिक सूचनाओं में उसकी व्यावसायिक उपलब्धियां विज्ञापित नहीं की जाती है, नाथ ही ऐसे प्रोस्पेक्ट्स अथवा सार्वजनिक घोषणाओं अथवा सार्वजनिक सूचनाओं से सदस्य द्वारा व्यावसायिक कार्य के लिए क्लाइंट प्राप्त करने का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में अर्थ न निकलता हो। यद्यपि इस सम्बन्ध में कोई कठोर नियम बनाना कठिन है फिर भी सदस्यों को अपने विवेकतापूर्ण निर्णय में जो प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित हो, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपयुक्त व्यवस्थाओं का अक्षरशः और अभिप्राय दोनों रूपों में पालन किया जाता है।

सदस्य के लिए यह उचित होगा कि जैसे ही वह कम्पनी के बोर्ड में डायरेक्टर नियुक्त होता है, वह कम्पनी के मैनेजमेंट का उपयुक्त व्यवस्थाओं के बारे में विशेष रूप में ध्यान आकर्षित करते हुए यह अनुरोध करे कि ऐसे प्रोस्पेक्ट्स अथवा सार्वजनिक घोषणाएँ अथवा सार्वजनिक सूचनाएँ, जिनमें सम्मिलित सदस्य के नाम का उल्लेख हो, जारी करने से पूर्व, सम्बन्धित सदस्य से सम्बन्धित मामलों को, जहां तक सम्भव हो, उचित अनुरोधित करा लिया जाए।

‘चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट’ की अभिव्यक्ति के प्रयोग की अनुमति है। फिर भी सदस्य को यह सुनिश्चित कर लेना आवश्यक है कि उसकी सुविज्ञता, विशेषज्ञता और किसी विशेष क्षेत्र में उसकी जानकारी अथवा उपाधि अथवा विशेषण को उसके नाम के साथ प्रकाशित नहीं किया जाता है। किसी अन्य कम्पनियों में डायरेक्टरशिप रखने का विवरण सदस्य दे सकता है, परन्तु चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की फर्म का नाम जिसमें सदस्य एक पार्टनर है, नहीं देना चाहिए।

सदस्यों का ध्यान चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन के परिशिष्ट 10 के साथ पठित रैगुलेशन 16 की ओर भी आकर्षित किया जाता है, विशेषकर मैनेजिंग डायरेक्टर अथवा कम्पनी के पूर्णकालिक डायरेक्टर के रूप में कार्यभार सभालने सम्बन्धी कौंसिल के रिजोल्यूशन 3 के पैरा (बी) के सम्बन्ध में इस प्रकार के मामले में, कोई भी सदस्य मैनेजिंग डायरेक्टर अथवा पूर्णकालिक डायरेक्टर के पद का भार प्रत्येक मामले में कौंसिल की विशेष अनुमति से ही संभाल सकता है। सदस्यों का ध्यान कम्पनी एक्ट, 1956 की धारा 2 (23) की व्यवस्थाओं की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अधीन किसी व्यक्ति को मैनेजिंग डायरेक्टर अथवा पूर्णकालिक डायरेक्टर के रूप में नामित नहीं किया जाता, उसे मैनेजिंग डायरेक्टर अथवा पूर्णकालिक डायरेक्टर के रूप में माना जा सकता है यदि उसे कम्पनी के कार्यकर्ताओं का पूर्ण अथवा पूर्ण कार्य का पर्याप्त भार सौंपा जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि कोई सदस्य एक कम्पनी में मैनेजिंग डायरेक्टर अथवा पूर्ण कालिक डायरेक्टर के पद का कार्यभार स्वीकार और उसे सम्भाल नहीं सकता यदि ऐसी कम्पनी में सदस्य और/अथवा उसके सम्बन्धी का पर्याप्त हित हो, शब्दों की व्याख्या परिशिष्ट सं. 10 में दी हुई है। इस व्याख्या के अनुसार ‘सम्बन्धी’ का अर्थ है उस सदस्य का पति, पत्नी, भाई अथवा बहन अथवा लेनियल पूर्वज अथवा वंशज किसी भी कम्पनी के मामले में ‘पर्याप्त हित’ का अर्थ है शेषर

रखना (लाभांश की निश्चित दर के लिए ग्राहण नती) वोटिंग पावर 20 % के कम न हो और जो सदस्य ने पारो द्वारा प्रथम या मध्यम हांग सयुक्त रूप से अपने सम्बन्धी अथवा व्यवसाय में जिनमें कि उल्लिखित व्यक्ति का प्रयत्न-हित निहित हो, लाभ प्राप्ति हों।

यह भी नोट किया जाना चाहिए कि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट 1913 की प्रथम अनुसूची की व्यवस्थाओं के तहत प्रैक्टिस करने वाले पेशवाओं पर ही लागू होगी और तदनुसार यह गाइड नोट प्रैक्टिस करने के लिए सर्टिफिकेट धारी सदस्यों के लिए ही है।

परिशिष्ट 6

(संदर्भ: रिपोर्ट का पैरा 4.9)

बाहरी संस्थाओं में नामांकन

निम्नलिखित सदस्यों ने इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व विभिन्न संस्थाओं में किया

1. जनरल कॉमिन्स आफ दी इंस्टीट्यूट आफ श्री एम सी चक्रवर्ती एन्लाइडमैन पावर रिसर्च.
2. इनफोरमल एडवाइजरी कमेटी आफ दी श्री ए सी चक्रवर्ती डिपार्टमेंट आफ कम्पार्ट अफार्स ऑन मैटर्स रिलेटिंग टू कास्ट एकाउंटिंग रिकार्ड क्लस
3. कमेटी आम आगपरेट रिपोर्टिंग विद श्री वं. राजा रमन एसोचाम श्री वंसे एस मेहता श्री वाई एच मनेगम श्री पी एम नरसिम्हनाला श्री पी एन शाह श्री के पी भागवत
4. नेशनल प्रोडक्टिविटी कौंसिल श्री ए सी चक्रवर्ती
5. फार्म एकाउन्ट्स सैवशनल कमेटी श्री एम एम खन्ना डी सी 49 आफ दी डियन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूशन
6. बिजनेस एडवाइजरी कमेटी कंट्रोलर श्री ए सी चक्रवर्ती आफ कैपिटल इन्पूज
7. सेट्रल एडवाइजरी कमेटी आफ डायरेक्ट श्री ए सी चक्रवर्ती टैक्सेज
8. आल इंडिया बोर्ड आफ मैनेजेंट स्टड- श्री पी ए नाथर डेज
9. कौंसिल आफ दि इन्टरनेशनल फीडरेशन श्री बी. एल काबरा आफ एकाउन्टेन्ट्स (आई एफ ए एस)
10. इन्टरनेशनल ऑडिटिंग प्रैक्टिसिज कमेटी श्री वाई एच मनेगम आफ आई एफ ए सी
11. एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग सब कमेटी आफ श्री बन्नी एस मेहता सी ए पी ए
12. एजुकेशन कमेटी आफ आई एफ ए सी श्री वंसे एस मेहता (चेयरमैन)
13. साउथ एशियन फीडरेशन आफ एकाउन्टेन्ट्स श्री ए सी चक्रवर्ती टैन्टस

परिशिष्ट-7

संदर्भ: रिपोर्ट का पैरा 4.15

इंस्टीट्यूट की तेरहवीं कौंसिल के लिए चुने गए सदस्यों के नाम

निर्वाचन क्षेत्र जिसमें गुजरात और महाराष्ट्र राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र गोवा दमन और दीव तथा दादरा और नागर हवेली सम्मिलित हैं।

1. श्री छाजेद, सोहन राज पुखराजी
2. श्री चिताले, मुकुन्द मनोहर

3. श्री ठलाल, अरविन्द हरमुख राय
4. श्री जैन, इन्दर चन्द
5. श्री काले, यशोधन मधु सुदन
6. श्री नाथर, पुलिकल अच्युत
7. श्री पटेज, मन् भाई गोदान भाई
8. श्री राठो, आनन्द किशोर

निर्वाचन क्षेत्र जिसमें आन्ध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिल नाडु राज्य तथा संघ-क्षेत्र पांडचेर और लक्कादीप, मिनिक्काय और अमिनदंव समूह सम्मिलित हैं।

1. श्री वात्सुकाण्ठ आर
2. श्री लक्ष्मी निवास शर्मा
3. श्री नन्द गोपाल, एम
4. श्री नारायण स्वामी, गोपाल कृष्ण
5. श्री राव, बी. पी.
6. श्री सुन्दर राजन, नत्थन चक्रवर्ती

निर्वाचन क्षेत्र जिसमें असम, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, वेस्ट बंगाल मणिपुर, त्रिपुरा और मिक्लम राज्य और संघ-क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सम्मिलित हैं।

1. श्री बनर्जी, भास्कार
2. श्री चक्रवर्ती, अमल कुमार
3. श्री दास गुप्ता, मन्तोष कुमार
4. श्री पोथार, निर्मल कुमार

निर्वाचन क्षेत्र जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य सम्मिलित हैं।

1. श्री भंडारी, सुरेन्द्र सिंह
2. डा. वैष्णव, रमेश चन्द्र

निर्वाचन क्षेत्र जिसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और काश्मीर और पंजाब राज्य तथा संघ-क्षेत्र दिल्ली और चण्डीगढ़ सम्मिलित हैं।

1. श्री अग्रवाल, के एम
2. श्री सोमान, कृष्ण गोपाल
3. श्री वासुदेव, मुनाष चन्द्र
4. श्री विश्व नाथ, टी एस

2. इंस्टीट्यूट की विभिन्न रोजनन कौंसिल में चुने गए सदस्यों के नाम

वैस्टर्न इंडिया रोजनल कौंसिल

(गुजरात और महाराष्ट्र राज्य तथा संघ क्षेत्र गोवा, दमन, दीव तथा दादरा एवं नागर हवेली)

1. श्री अग्रवाल, ओम प्रकाश शिव चन्द
2. श्री भिडे, वामन शंकर
3. श्री चंडा, अशोक कुमार किशन गोपाल जी
4. श्री चतुर्वेदी, मदन मोहन
5. श्री दोश, प्रकाश जयन्त लाल
6. श्री छदियाली, पंकज चिमन लाल
7. श्री गोयल, गोविन्द प्रसाद
8. श्री हरि भक्ति, शैलेश विष्णु भाई
9. श्री जोशी, प्रदीप दिनकर
10. श्री खरे, राम गणेश
11. श्री पंत चिगार, रूपिन रमेश चन्द्र
12. श्री पटल, चन्द्र कान्त फुलाभाई
13. श्री राठो, जुल किशोर श्री निवास जो
14. श्री सारदा, जे मोहन
15. श्री शाह, दिलीप महेन्द्र भाई
16. श्री ढक्कर, सुरेश शान्ति ताल
17. श्री जाधवे, शिवाजी मकाजी

महान् इंडिया रीजनल कौमिन

(आन्ध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु राज्य और संघ-क्षेत्र पॉन्डिचेरी अंदर लक्ष्मणपुर मिनिकार और अमन द्वीप द्वीप समूह)

1. श्री अर्जुन राज, ए
2. श्री ब्रह्मन् सुभमणियम् ए
3. श्री पाट मिट्टूर भं मा
4. श्री भयल लाल, नाहुर ए.
5. श्री देवदास, के. सी.
6. श्री कटेश्वर गन, एम एस आर
7. श्री ओस्टावल, जीव राज
8. श्री पादो करन, जोमे
9. श्री रामानु बह्मणियम्. के. एन.
10. श्री राम कुमार पी. टी.
11. श्री सथाना वृष्णन, पी. सी.
12. श्री धिजय गचयन, एरा

ईस्टर्न इंडिया रीजनल कौमिन

(असम मेघ नग, नागालैण्ड, उड़ीसा, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, मिजोरम और मिज़ोरम राज्य तथा संघ-क्षेत्र अरुणाचल, मिजोरम और अरुणाचल तथा निकोबार द्वीप समूह)

1. श्री भट्टाचार्य जी, अरुणाचल
2. श्री चौधरी, अमिताभा दत्ता
3. श्री गणेशधाय, अरुण ज्योति
4. श्री जैन, कलाश चन्द
5. श्री खण्डलवाल, कामी प्रसाद
6. श्री खन्ना, राजेश कुमार
7. श्री गय चौधरी, सदैप कुमार

सैन्ट्रल इंडिया कौमिन

(उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य)

1. श्री बदी, सुवर्णन कुमार
2. श्री चौधरी, विमल
3. श्री धून, कृष्ण कुमार
4. श्री गोपल, सुनील
5. श्री कमेरा, राजेश

नर्दन इंडिया रीजनल कौमिन

(हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब राज्य तथा संघ-क्षेत्र दिल्ली और चंडीगढ़)

1. श्री सोवडा जमर जीन
2. श्री गुलाटी, सुनील कुमार
3. श्री गुप्ता, एन. डी.
4. श्री जैन, नम चन्द
5. श्री खन्ना, अतिल कुमार
6. श्री मनु, चंडिका
7. श्री मेहरा विवेक
8. श्री सिधार्थ, राजेश मिश्र

परिशिष्ट-8

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 5.1)

वित्तिक 1-2-1985 को सदस्यों की संख्या			
कैलाज	पूर्ण कार्बोन प्रैक्टिस में	9,529	
	अश कार्बोन प्रैक्टिस में	1,429	
	प्रैक्टिस में नहीं	1,059	12,017
<hr/>			
एसोसियेट्स	पूर्ण कार्बोन प्रैक्टिस में	9,580	
	अश कार्बोन प्रैक्टिस में	4,520	
	प्रैक्टिस में नहीं	10,301	24,401
<hr/>			
	कुल योग		36,418

कैलाज

एसोसियेट्स

प्रैक्टिस में					
क्षेत्र	पूर्ण कार्बोन प्रैक्टिस में	अश कार्बोन प्रैक्टिस में	प्रैक्टिस में नहीं	कालम 2, 3, 4 का योग	
1	2	3	4	5	
1.	3,125	616	379	4,120	
2	2,332	273	228	2,833	
3	1,453	199	189	1,841	
4.	0,947	152	72	1,171	
5	1,672	189	191	2,052	
योग	9,529	1,429	1,059	12,017	
पूर्ण कार्बोन प्रैक्टिस में	अश कार्बोन प्रैक्टिस में	प्रैक्टिस में नहीं	कालम 6, 7, 8 का योग	कालम 5 और 9 का कुल योग	
6	7	8	9	10	
1.	3,322	2,190	2,960	9,472	12,592
2	2,049	0,841	3,376	6,266	9,099
3.	0,993	0,489	1,986	3,468	5,309
4.	0,980	0,503	0,693	1,976	3,147
5.	2,236	0,697	1,286	4,219	6,271
योग	9,580	4,520	10,301	24,401	36,418

परिशिष्ट-9

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 5.2)

सदस्यों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही

रैगुलेशन 32बी के अनुसार आर्टिकल 32बी को वृत्तिका (स्टिपेड) अदा न करना।

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऐक्ट 1949 की धारा 21 के साथ पठन इसी ऐक्ट की द्वितीय अनुसूची के भाग 2 के अर्थ में एक सदस्य को व्यावसायिक बुनियाद का दावा पाया गया। (ए) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन, 1964 के रैगुलेशन 32बी के उपबन्धों के अनुसार अपने आर्टिकल 32बी को वृत्तिका (स्टिपेड) अदा करने में असफल रहने के लिए तथा (बी) उपर्युक्त रैगुलेशन के अर्थों में नियत उनके कार्य घण्टों का रैगुलेट न करने के लिए। कौमिन ने हाई कोर्ट को पिकारिश को कि रैगुलेशन का रिप्रोमाण्ड किया जाये। हाई कोर्ट ने कौमिन के इस निष्कर्ष को ब्रह्म रखी कि रैगुलेशन ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन, 1964 के रैगुलेशन 32बी का उल्लंघन किया है और सदस्य को रिप्रोमाण्ड कर दिया।

विस्तृत विवरण के लिए 'चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स' के अंक मई 1985 के पृष्ठ 912 व 915 देखें।

परिशिष्ट-10

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 5.3)

वर्ष 1984-85 के दौरान सदस्यों के रजिस्टर से हटाये गये नामों का विवरण

ए. निघन के कारण

क्रमांक	संख्या	नाम	स्थान	हटाने की तिथि
1	2	3	4	5
1.	171	बी. सी. जगयकर	बम्बई	10-7-84
2.	258	के. के. सुभयया नाइडू	मद्रास	4-4-84

1	2	3	4	5
3	317	बी ब्रम्हाचलानु नायडू	मद्रास	21-10-84
4	370	सुशील कुमार	कलकत्ता	7-3-84
		मुखोपाध्याय		
5	390	बी.डी. जोषाकार	बम्बई	13-2-84
6	418	के.वी. राजरत्नम चेट्टी	मद्रास	19-12-84
7	498	एम.एम. ठक्कर	बम्बई	1-6-84
8	624	एम.बी. भट्ट	बम्बई	25-11-84
9	685	ए.के. घोष	कलकत्ता	13-2-84
10	875	एम.के. शाह	कलकत्ता	17-7-84
11	966	एम.डी. देसाई	बम्बई	26-2-84
12	987	ए.के. सम्बन्धित अय्यर	मद्रास	2-10-84
13	1035	पी.एन. मुखर्जी	कलकत्ता	22-10-84
14	1071	आर.डी. देसाई	बम्बई	25-7-84
15	1157	बी.एम. मोट्टा	बम्बई	21-4-84
16	1163	के.डी. राय	कलकत्ता	19-11-84
17	1344	एम.सी. लुङ्गावला	बम्बई	21-2-84
18	1415	एम.बी. मंडल	कलकत्ता	4-1-85
19	1486	एन.एम. रामनाथन	बंगलूर	9-12-84
20	1611	बी.जी. दफारिया	रतलाम	1-7-84
21	1813	पी.के. कृष्णाराव	मद्रास	11-10-84
22	1916	विलियम माटिस	सिधपुर	1-2-83
23	1972	टी.एम. वैद्यनाथ अय्यर	त्रिचूर	17-4-84
24	2604	एन.शंकरन	तिरुनेलवेली	13-11-84
25	2605	जी. तैनुगोपाय कामय	कोयंबटूर	17-6-84
26	2990	एम.एम. रामनाथन	इपोह (बलू)	5-9-83
		मलेशिया		
27	3145	बी.एम. बस्तावाला	बम्बई	26-12-83
28	3235	सी.बी. वरकरी	हैदराबाद	6-8-84
29	3301	गुन्ता वेंकट राम शर्मा	मिकदराबाद	13-12-84
30	3315	पद्मपति नाथ झा	कलकत्ता	13-1-85
31	3420	एम.बी.ल. गुजराणि	मद्रास	30-12-84
32	3500	डी.एस. निम्बल देसाई	हुबली	27-5-84
33	3589	के.टी. जेकोब	कोचीन	12-1-84
34	4237	सी.बी. शर्मा	हैदराबाद	28-5-84
35	4583	के.बी. रोगागरी राव	हैदराबाद	6-8-84
36	4641	एन.सी. रायचौधरी	कलकत्ता	9-3-84
37	5557	डी.आर. ठक्कर	बम्बई	11-11-83
38	4961	के.आर. तामाजैन	विश्वनी	16-3-84
39	4972	एन.के. शंकरा	जयपुर	6-3-84
40	5000	आर.पी. धामु	कलकत्ता	12-10-84
41	5208	आर.पी. बनर्जी	बम्बई	12-2-84
42	5294	एम.एम. भारनिया	परबाबदर	7-11-84
43	5314	पी.के.कटराव	बंगलूर	27-11-84
44	5557	दिलीप कुमार दास	कलकत्ता	31-8-83
45	6133	जी.डी. मिश्र	बम्बई	7-11-84
46	6934	के.एम. एकमेना	फरीदाबाद	4-3-84
47	7376	टी.एस. कृष्णामूर्ति	मद्रास	21-7-84
48	7407	विनोद कुमार बिड़रिया	नई दिल्ली	16-3-84
49	7568	सी.के. जमान	बड़ोदा	25-11-84
50	7761	टी.बी. जी. प्रियदास राव	तिरुवाणाद	17-10-84
51	7987	आर.के. जैन	कलकत्ता	1-10-84
52	8048	बी.एन. घोष	कलकत्ता	3-9-84
53	13384	के.एल. धामु	कलकत्ता	11-1-84
54	14282	नरिन्द्र कुमार समरवाल	नई दिल्ली	21-10-84
55	14582	आर.एन. काबरा	भदोली	19-10-84

1	2	3	4	5
56	15058	बी.जी. सम्मोण	पाणाजी गोडा	5-9-84
57	15223	डी.आर. वोहरा	जयपुर	29-4-84
58	17130	सी.एम. ठाकुर	पुणे	26-8-84
59	20093	पारम मन कटारिया	बंगलूर	24-7-84
60	20733	जी.बैरुदरेड्डी	विशाखापत्तनम	22-1-85
61	34944	आर.एल. पिने	बड़ोदा	18-4-84
62	50494	विनोद कुमार परीक	कलकत्ता	26-4-84
63	70061	ए.के. घोष	कलकत्ता	7-8-84
64	81610	ए.एम. नायक	बंगलूर	7-7-84

परिशिष्ट-11

संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 6.3 (ए)

	हंटर		फाइवल	
	1	2	3	
प्रकाशितों की संख्या				
जी 1-4-84 की				
एनराल थे	23470	15374	15358	12809
वर्ष 1984-85 के				
बोरोन एनराल				
किये गये	9289	3513	3513	3513
	32,759	18,887	18,871	16,322
विद्यार्थियों की सं०				
जिनमें 1984-85				
मेटरन पूरा किया				
(मई और नवम्बर				
84 परीक्षा)	(-) 7496	3213	3214	3221
शेष	25,263	15,674	15,657	13,101

परिशिष्ट-12

(संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 7.1)

परिणामों का सारांश

मई/जून 1984 में हुई परीक्षाएं

1. एन्ट्रान परीक्षा-जून, 1984

1. परीक्षार्थियों की कुल संख्या	4561
सफल घोषित परीक्षार्थियों की कुल सं०	639
प्रतिशत	14.01

2. इंटरमीडिएट (नया सिनेवा) परीक्षा मई, 1984

1. ग्रुप फस्ट में बैठे परीक्षार्थियों की कुल संख्या	11263
ग्रुप फस्ट में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं०	1770
प्रतिशत	15.72
2. ग्रुप सेकंड में बैठे परीक्षार्थियों की कुल संख्या	14267
ग्रुप सेकंड में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं०	2107
प्रतिशत	14.77
3. दोनों ग्रुपों में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	5485
दोनों ग्रुपों में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं०	396
प्रतिशत	7.22

3 फाइनल (पुराना सिलेबस) परीक्षा मई 1984

1 ग्रुप फस्ट में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	1512
ग्रुप फस्ट में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	146 9 66
2 ग्रुप सेकेन्ड में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	1192
ग्रुप सेकेन्ड में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	99 8 31
3 दोनों ग्रुपों में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	19
दोनों ग्रुपों में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	3 72

4 फाइनल (नया सिलेबस) परीक्षा मई 1984

1 ग्रुप फस्ट में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	3892
ग्रुप फस्ट में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	1987 51 05
2 ग्रुप सेकेन्ड में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	4715
ग्रुप सेकेन्ड में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	1626 34 49
3 ग्रुप थर्ड में बैठे परीक्षार्थियों की कुल सं०	5285
ग्रुप थर्ड में सफल घोषित परीक्षार्थियों की सं० प्रतिशत	2089 39 53
4 सभी ग्रुपों में बैठे परीक्षार्थियों की कुल संख्या	1140
सभी ग्रुपों में सफल घोषित परीक्षार्थियों की संख्या प्रतिशत	150 13 16

परिशिष्ट-13

(सर्वप्रथम रिपोर्ट का पैरा 7 2)

फाइनल परीक्षा के पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र 1984 वर्ष के लिए सर्वोत्तम विद्यार्थी

श्री सुनील धीरजलाल शाह को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किये गये

- 1 दि. जी. पी. कापडिया (प्रथम प्रेजिडेंट) पुरस्कार
- 2 दि. रामचन्द्र सिंह पुरस्कार सर्वोत्तम अर्थशास्त्र के लिए
- 3 दि. जी. बाबु फाउंडेशन पुरस्कार सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए
- 4 दि. एन. एन. दास पुरस्कार सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए
- 5 दि. के. रत्ना बर्मा पुरस्कार ग्रुप फस्ट में सर्वोत्तम के लिए अर्थशास्त्र के लिए
- 6 दि. यू. सी. मजूमदार पुरस्कार और एस. एस. शाह पुरस्कार कम्पनी ला पर सर्वोत्तम पेपर के लिए
- 7 दि. पी. एन. घोष मेमोरियल पुरस्कार ग्रुप सेकेन्ड में सर्वोत्तम अर्थशास्त्र के लिए
- 8 योग्यता प्रमाण पत्र प्रथम श्रेणी

इंटरमीडिएट परीक्षा

1984 वर्ष का सर्वोत्तम विद्यार्थी

श्री जयन्त बी. पाटेकर को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किये गये

- 1 दि. जी. पी. कापडिया (प्रथम प्रेजिडेंट) पुरस्कार
- 2 दि. सूर्य मेमोरियल पुरस्कार वर्ष 1984 के सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए
- 3 योग्यता प्रमाण पत्र-प्रथम श्रेणी

फाइनल परीक्षा

मई 1984		नवम्बर 1984	
1	2	3	4
1 दि. जी. पी. कापडिया (फस्ट प्रेजिडेंट) पुरस्कार	सुश्री सी. बी. सकुन्तला	सुनील धीरजलाल शाह	
2 दि. रामचन्द्र सिंह पुरस्कार सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए	सुश्री सी. बी. सकुन्तला	सुनील धीरजलाल शाह	

1	2	3	4
3 दि. सर शत्रुघ्न ज. बिन्तोम रिया के जार प्रदाय पुरस्कार एका. उन्टेसी में सर्वोत्तम पेपर के लिए			समीर कुमार के पट्टा
4 दि. जे. के. दोष पुरस्कार फाईनेशियल मैनेजमेंट में सर्वोत्तम पेपर के लिए	सुरज्योत्तर		वैजय चंद वैसाल
5 दि. ए. एफ. फार्गुसन पुरस्कार तथा आर्लोक सेठी आर. वेन्कटेशन मेमोरियल पुरस्कार आडिटिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिए		आर्लोक सेठी	बी. श्रीकान्त
6 दि. के. रत्ना बर्मा पुरस्कार ग्रुप-1 सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए	श्री. रण मोरेश्वर		सुनील धीरजलाल शाह
7 दि. यू. सी. मजूमदार पुरस्कार तथा दि. एन. एम. शाह पुरस्कार-क ला में सर्वोत्तम पेपर के लिए	के. वेन्कटेशन निवाराठ और चन्द्र सेकरन		सुनील धीरजलाल शाह
8 दि. एन. एम. शाह पुरस्कार तथा सुर मेमोरियल पुरस्कार डी. ग्रेड टैक्स ला में सर्वोत्तम पेपर के लिए	सुश्री सी. बी. सकुन्तला		बाल सुब्रमण्यम गणेशन अय्यर
9 दि. वेन्कटेशन मोहन पुरस्कार अर्थशास्त्र में सर्वोत्तम पेपर के लिए	अनुपम हलदर		ए. नागेश्वरन
10. दि. पी. एन. घोष मेमोरियल पुरस्कार ग्रुप दो में सर्वोत्तम पेपर के लिए	नितीन भास्कर कर्वे		सुनील धीरजलाल शाह
11 दि. जयन्त बी. पाटेकर के ठक्कर नैमो-रियल पुरस्कार सर्वोत्तम प्रत्याक्षों के लिए जिनने फाईनल परीक्षा में दूसरे स्थान पर सर्वोत्तम अंक प्राप्त किये।	सुमन चडड़ा		बी. श्रीकान्त
12 दि. आर. बी. के. उमरजा परस्कर क स्टर्क उन्टिया में सर्वोत्तम पेपर के लिए	कामिनीनैपर और नलिन पडार		बाल सुब्रमण्यम गणेशन अय्यर
13 दि. जार शिवभावा पुनकार सर्वोत्तम पेपर के लिए	सुश्री सी. बी. सकुन्तला		सुश्री अमात अजना
14 दि. ज. पी. बाबु फाउंडेशन पुरस्कार वर्ष 1984 के लिए सर्वोत्तम प्रत्याक्षों के लिए	---		सुनील धीरजलाल शाह
15 एन. एन. दास पुरस्कार एका. उन्टेसी ग्रुप में वर्ष 1984 में सर्वोत्तम प्रत्याक्षों के लिए	---		सुनील धीरजलाल शाह

नवम्बर-दिसम्बर, 1984 में सम्मन परीक्षाएँ

(1) प्रवेश परीक्षा दिसम्बर, 1984

कुल विद्यार्थी सख्या	10993
सफल घोषित किये गये विद्यार्थियों की संख्या प्रतिशत	2315 21.07

(2) इंटरमीडिएट (नया सिलेबस) परीक्षा नवम्बर-1984

1 ग्रुप एक में प्रवेश लेने वाले प्रत्याक्षियों की कुल संख्या	12936
ग्रुप एक में सफल घोषित प्रत्याक्षियों की संख्या प्रतिशत	3261 25.21

2 ग्रुप दाम प्रविष्टि प्रत्याशियों की संख्या	16597	पते दो ब्रांचिया आफ रोजनन कौन्सिलस
ग्रुप दाम सफल धारित प्रत्याशियों की संख्या	2992	वेस्टर्न रोजनल
प्रतिशत	18.03	बहमदाबाद ब्रांच
3 दानो ग्रुपो मे प्रविष्टि हुए कुल विद्यार्थियों की संख्या	6903	बी-1, कैपिटल कमर्शियल सेंटर
दानो ग्रुपो मे सफल धारित विद्यार्थियों की संख्या	900	पाम सन्याग जायम
प्रतिशत	13.04	अश्रम रोड
(3) फाईनल (पुनर्जाति निर्देशन) परीक्षा नवम्बर-1984		बहमदाबाद 380009.
1 ग्रुप एक मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	1580	गोला ब्रांच
ग्रुप एक मे सफल धारित विद्यार्थियों की संख्या	322	दत्ता प्रसाद तीसरी मजिल
प्रतिशत	20.37	ए. अल्लुक्कुट रोड
2 ग्रुप दो मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	1197	पॉजिम-गाजा
ग्रुप दो मे सफल धारित विद्यार्थियों की संख्या	116	कोल्हापुर-ब्रांच
प्रतिशत	9.69	1604, ई. वार्ड, दत्ता प्रसाद
3 दानो ग्रुपो मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	468	राजाराम पुरी, पाचवी लेन
दानो ग्रुपो मे सफल धारित विद्यार्थियों की संख्या	7	कोल्हापुर-416002
प्रतिशत	1.49	नागपुर ब्रांच
(4) फाईनल (नया सिनेम) परीक्षा नवम्बर-1984		डा. भगवन्तराम बगला
1. ग्रुप न. 1 मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	3819	धर्तारि. पार्क कोर्नर
ग्रुप एक मे सफल धारित विद्यार्थियों की संख्या	1708	नागपुर-440012.
प्रतिशत	44.72	नासिक ब्रांच
2 ग्रुप दो मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	4629	द्वारा श्री एम एन कुलकर्णी
ग्रुप दो मे सफल धारित हुए विद्यार्थियों की संख्या	1656	59, मेन रोड, ग्रेन्ड बिल्डिंग
प्रतिशत	35.77	नासिक -422001.
3 ग्रुप तीन मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	5287	पूना ब्रांच
ग्रुप तीन मे सफल हुए विद्यार्थियों की संख्या	2605	द्वारा मै. कीर्तन एण्ड पंडित
प्रतिशत	49.27	चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
4 सभी ग्रुपो मे प्रविष्टि हुए विद्यार्थियों की संख्या	1236	576. पदार्थव पेट लक्शमी रोड,
सभी ग्रुपो मे सफल विद्यार्थियों की संख्या	289	पूना-411030
प्रतिशत	23.38	राजकोट ब्रांच
		दूसरी मजिल कामधेनु
		पास मोर्ती टकी
		राजकोट-360001.
		बडोदा ब्रांच
		10 चदन बिल्डिंग
		दूसरी मजिल, पाम सदर प्रथम
		रापुरा बडोदा-390001.
		सूरत ब्रांच
		द्वारा मै थार्ड बी देमाई एण्ड कम्पनी
		"बामुग्रग" चैम्बर, 3
		नोरणी मजिल, पारसी रोरी
		नवापुरा
		सूरत-395003.
		माउन्ट रोजन
		एनपी ब्रांच
		डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक बिल्डिंग के पीछे
		पैलस रोड
		एनपी-688001.
		सोलापुर ब्रांच
		द्वारा श्री एन तुलपले
		654/1, सा उय कम्बा
		सोलापुर-413007.
		बंगलोर ब्रांच
		नं. 19. फस्ट फ्लास
		सेक्रेटरी फ्लोर,
		लास बाग फोर्ट रोड
		बंगलोर-560004

अपैन्डिक्स-14

(सदर पैरा 8.4)

रोजनल कौन्सिल

वेस्टर्न इंडिया रोजनल कौन्सिल

"जन्मेश्वर" 27, कृष्ण पुरेड

कोलाबा, बम्बई-400005

साउथर्न इंडिया रोजनल कौन्सिल

122, नगम्बास्म हाई रोड

पा. ग्रा. न. 3314

मद्रास-600034.

ईस्टर्न इंडिया रोजनल कौन्सिल

7 रील स्ट्रीट,

कनकना -700001.

सैन्ट्रल इंडिया रोजनल कौन्सिल

16/77, मिडिल लार्डन्स

ब्रिटीश रिजर्व बैंक आफ इंडिया

दि माल, कानपुर-208001.

नौदर्न इंडिया रोजनल कौन्सिल

पाचवी मजिल "जनैक्सो"

दि इन्स्टिट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

हम्प्राप्रस्थ मार्ग

पी. आ. न. 7100

नई दिल्ली-110001.

बेलगाम ब्रान्च
दूसरी मंजिल हुरी मन्दिर,
गारस्वन ममाज बिल्डिंग,
ममादेवी गली,
बेलगाम 590002.

कालीकट ब्रांच
चार्टर्ड एंजाउन्टेन्स आफ इंडिया
"बालसुधा" पथियारा
कालकुट 673004

कोयमूबतूर ब्रांच
एम एम एम मेमोरियल बिल्डिंग,
नं. 1, दीवान ब्रह्मादुर रोड,
कोयमूबतूर 641002

एर्नाकुल ब्रांच
23 / 204, मथारम्बिल बिल्डिंग,
महात्मा गांधी रोड,
एर्नाकुलम कोर्वा 682011.

गुन्तूर ब्रांच,
श्रीनिवास बिल्डिंग
बुरुडेगपेट,
गुन्तूर 522002.

हैदराबाद ब्रांच
द्वारा एफ ए पी सी सी आई, 11-6-841.
रेड हिल्स पो बा. नं. 14,
हैदराबाद-500004.

कोट्टायाम ब्रांच
यूनियन बिल्डिंग,
म्युनिसिपल अंकशन
कोट्टायाम-686001

कुम्भाकोनाम ब्रांच
गोपाल राव लाईब्रेरी कोम्पलैक्स,
टाउन हाल रोड,
कम्भाकुनाम 612001.

मदुरई ब्रांच
50-बी, पैचीमान पदियुरई स्ट्रीट,
मदुरई 625001.

मंगलौर ब्रांच
उद्ध प्रिन्टर बिल्डिंग,
मंगलौर-575003

मैसूर ब्रांच
4581, नरसौमहगज मोहल्ला,
मैसूर-570007

सलेम ब्रांच
टाउन गेटव स्टेशन रोड,
सलेम-636001

तिरुचिरापल्ली ब्रांच
नं. 35, त्रिभुवावोई स्ट्रीट,
तीसरी मंजिल कामरा नं. 3,
तिरुचिरापल्ली-620002

तिरुनवेली ब्रांच
द्वारा श्री पी. बी. राम बन्धन,
12, श्रीपुरम
तिरुनवेली-627001

त्रिचूर ब्रांच
भारद्वाज आश्रम,
पतुरईकाल,
त्रिचूर

त्रिवेन्द्रम ब्रांच
उनसेव मदम बिल्डिंग,
नाथे आफ पदमनभा स्वामी टेम्पल,
कोटे, त्रिवेन्द्रम 605023

विजयवाड़ा ब्रांच
26-13-31, सत्यासौराजु स्ट्रीट,
गंधी नगर,
विजयवाड़ा-520003.

विशाखापट्टनम ब्रांच
श्रीपुरम,
विशाखापट्टनम-530003.

ईस्टर्न रीजन

आसनसोल ब्रांच
जी. टी. रोड (वेस्ट एण्ड),
अपोजिट एल आई सी बिल्डिंग
आसनसोल, ब्रिटिश बर्दवान
भुवनेश्वर ब्रांच
प्लाट नं. 265,
शहीद नगर,
भुवनेश्वर -751007

गोहाटी ब्रांच
अम्बारी
गोहाटी -781001

आगरा ब्रांच
9/12, खिना गली,
मोती कटरा,
आगरा

भोपाल ब्रांच
111, मालविया नगर,
भोपाल-462003.

गाजियाबाद ब्रांच
द्वारा मै. रवी कुमार एण्ड कम्पनी,
पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक बिल्डिंग,
गाजियाबाद-201001

इन्दौर ब्रांच
123, जवाहर मार्ग,
इन्दौर-452002.

जयपुर ब्रांच
19, युधिष्ठिर मार्ग,
सी-स्क्रीम,
जयपुर-302001

जमशेदपुर ब्रांच
91, स्टूड याइल रोड,
सच्ची, जमशेदपुर-831001

जोधपुर ब्रांच
अपोजिट स्टेडियम प्राउड,
जोधपुर

लखनऊ ब्रांच
रेड हाल,
लखनऊ शिक्षण कौलेज,
गाला गंज,
लखनऊ
पटना ब्रांच
द्वारा आर एन मिश्रा एण्ड कम्पनी,
रिजर्वो हाउस, जमाल रोड़,
पटना-800001

रायपुर ब्रांच
द्वारा जे एम अग्रवाल एण्ड कम्पनी,
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स,
बागधिया मैन्शन, जवाहर नगर,
रायपुर-491001
उदयपुर ब्रांच
66, पंचशिल मार्ग,
नौधर टाउन हाल,
उदयपुर-13001

इलाहाबाद ब्रांच
द्वारा श्री एस एच जैन,
जनरल मैनेजर (फाइनेंस),
भारत पम्प एण्ड कम्प्रीशंस लि.
नैनी,
इलाहाबाद-211010

नार्दन रंजन

अमृतसर ब्रांच
102, जे एण्ड के बैंक बिल्डिंग,
शास्त्री मार्किट,
अमृतसर
चंडीगढ़ ब्रांच
द्वारा अरन दास एण्ड कम्पनी,
एस. सी. ओ., 89-91, कुशल बिल्डिंग,
सेक्टर 17-डी, चंडीगढ़-160017

फरीदाबाद ब्रांच
द्वारा मी० एल एन चौधरी एण्ड कम्पनी,
7, नैलम चौक, पहले मंजिल,
फरीदाबाद-121001

जालंधर ब्रांच
द्वारा वी. पी. विज एण्ड कम्पनी,
समस्त गवर्नमेंट हायर सैकेंड्री स्कूल,
मिविल लाइन्स, जालंधर सिटी-144001

लुधियाना ब्रांच
द्वारा जैन मुभाष एण्ड कम्पनी,
बी-1-645/3, फुन्दनपुरे,
डा० विन्डबन रोड़, सिविल लाइन्स,
लुधियाना-141001

चैप्टर्स
दोहा चैप्टर्स आफ दी इंस्टिट्यूट
पोस्ट बाक्स नं. 164
दोहा क्वाटर

दुबई चैप्टर आफ दि इंस्टिट्यूट
पोस्ट बाक्स नं. 1961
दुबई-यू. ए. ई.

आबू-धाबी चैप्टर आफ दि इंस्टिट्यूट
द्वारा श्री राजा भाषा

मी० एम आर वाटली बौय एण्ड कम्पनी,
पोस्ट बाक्स नं. 7365,
आबू-धाबी यू.ए.ई.

दि इंस्टिट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली
31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष
के लेखे

मिम्बर 1985
लेखा विभाग

आउटिंग को रिपोर्ट

सभी इंस्टिट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया को 31 मार्च 1985 तक की सलग बैलेन्स शीट और निधि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों के सनकों जिसमें क्षेत्रीय कोसिलो, स्टुडेंट्स एसोसिएशन और शाखाओं के लेखों का सम्मिलित किया गया है, का आडिट किया है और निम्न प्रकार रिपोर्ट देते हैं।

1. हम सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त किए जो हमारी जानकारी और विश्वास के साथ आडिट के उद्देश्य के लिए आवश्यक है

2. बैलेन्स शीट और आय एवं व्यय लेखे जो इस रिपोर्ट में लिये गये हैं वह लेखे को फुरदगी के अनुरूप है।

3. हमारी राय में लेखे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट 1949 को आवश्यकता के अनुसार रखे गये हैं; और

4. हमारी राय और पूर्व सूचनाओं और हमें दिए गये स्पष्टीकरण के अनुसार विवरण और अनुसूचियों जो उनके साथ हैं सहित और उचित स्थिति प्रकट करती ह :

(1) 31 मार्च, 1985 तक की बैलेन्स शीट और कार्य के भागने में और

(2) उस निधि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे के अतिरिक्त के मामले में।

नई दिल्ली;

एम आर वेंटरामन
सी पी पेहरा
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

दि इंस्टिट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली
लेखा निति

1. मूल्य ह्रास अचानक पूंजी ऐतिहासिक व गत आधार पर दिखाई गई है और उसका मूल्य ह्रास ह्रासमान लेख तरीके से किया गया है, केवल लाईवरे पुस्तकों के जो मुख्य कार्यालय में है पर मूल्य ह्रास मोबाइल रेखा पद्धति से किया से गया है।

2. फैन सदस्यों से प्रवेश शुल्क और एसोसिएट सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क का अधिातम भाग को पूंजीगत मान लिया है। विद्यार्थी क्रियाकलापों से होने वाले अधिवेश के उपरान्त भाग की शिक्षा कोष में स्थानान्तरित कर दिया गया है और आरक्षित पूंजी में उपरुक्त होने वाले कोष का पूंजीगत रिजर्व स्थानान्तरित कर दिया गया है।

3. अध्ययन सामग्री और प्रक शकों का इन्वैस्टरीज को कम लागत और विकल प्राप्त होने वाली लागत के कम मूल्य पर मूल्यांकन किया गया है इस उद्देश्य के लिए लागत को सीधी लागत प्रणाली पर आका गया है।

4. कर्मचारियों के लिए ग्रेजुएट की व्यवस्था संभूति आधार पर की गयी है ग्रेजुएट तथा ग्रुप इश्योरेस पालिसी, लाइफ इश्योरेस कारपोरेशन आफ इंडिया से लिये गये हैं। ग्रेजुएटों में कोई भी कमी हो को भुगतान वाले वर्ष में डाला गया है।

5. निर्देशों का मूल्यांकन लागत आधार पर किया गया है।

6. सेमिनारों, सिम्पोजियम्स और काफेधों से आय को नगद आधार पर लिया गया है।

दि इस्टाब्लिशमेंट ऑफ चार्टर्ड एंजलिंग एंड डेवेलपमेंट, नई दिल्ली

31 मार्च, 1985 वर्ष के लिए बैलेंस रिपोर्ट

अनुसूची	31-3-1985		31-3-1984	
	रु.	रु.	रु.	रु.
निम्नलिखित कोष				
(1) स्थाई पूंजी	2,10,58,627		1,88,10,935	
कुल बलाक	74,77,244		64,23,231	
घटायें मूल्यह्रास				
निम्नलिखित बलाक (ए)		1,35,81,383		1,23,87,704
(2) उचित निवेश (ब)		48,73,388		50,38,233
(3) अन्य निवेश				
ए. सावधानी जमा बैंक में	1,69,84,268		1,56,77,648	
बी. सरकारी प्रतिभूति	2,506		2,506	
		1,69,86,774		1,56,80,154
(4) निम्नलिखित बलाक (सी)	(-)	3,84,221	(-)	37,27,808
योग		3,50,57,324		2,93,78,262
बिना सहायता द्वारा				
(1) पूंजीगत जमा (डी)		1,87,76,877		1,49,97,879
(2) सहाय्य जमा (ई)		99,20,632		78,78,052
(3) अन्य जमा (एफ)		14,86,427		14,64,119
(4) निम्नलिखित कोष (जी)		48,73,388		50,38,233
		3,50,57,324		2,93,78,285

नोट — 31 मार्च के लेखों का परामर्श प्राप्त एक स्टैंडर्ड ऐमोसिफिकेशन और 6 परामर्शों के लेखों प्राप्त नहीं हुए हैं, अरबिशन पूर्व और देवताया के नवीनतम आकड़ों, जो प्राप्त/अवधि किया शुल्क अथवा देय के समझन को सम्मिलित कर लिया गया है।

आर एन जीपड़ा
सचिव

ए सी चक्रवर्ती
अध्यक्ष

इसी तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
(सी पी मेहरा)
चार्टर्ड एंजलिंग एंड डेवेलपमेंट

पी सी जैन
उप सचिव

पी ए नायर
उपाध्यक्ष

नई दिल्ली

वि इस्टीमेट ऑफ चार्जेस एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया नई दिल्ली 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा		
	1984-85	1983-84
	रु.	रु.
1. आय—अनुसूची एच	1,02,60,411	89,71,051
(ए) सवस्य		
(1) रेगुलेटरी		
(2) व्यावसायिक विकास एवं अनुसंधान	94,76,081	8,61,923
(बी) विद्यार्थी	1,17,36,492	98,32,974
	2,16,97,222	1,75,37,953
योग	3,34,33,714	2,73,70,927
2. व्यय अनुसूची "1"		
(ए) सवस्य	34,95,376	25,61,130
(1) रेगुलेटरी		

	1984-85	1983-84
(2) व्यावसायिक विकास एवं अनुसंधान	रु.	रु.
	79,04,983	66,13,419
(बी) विद्यार्थी	1,14,00,359	91,74,549
	1,82,68,688	1,40,69,183
योग	2,96,69,047	2,32,43,732
(सी) वर्ष के लिए अधिक्य	17,14,267	17,34,385
(1) शिक्षा कोष को स्थानान्तरण	26,50,400	23,92,810
(2) सामान्य कोष को स्थानान्तरण	37,64,667	41,27,195
	3,34,33,714	2,73,70,927
आर एल बोपड़ा पी सी जैन	ए सी चक्रवर्ती पी. ए. नायर उपाध्यक्ष	इसी तिथि का सर्वेक्षण हमारे रिपोर्ट के अनुसार (एम आर बैंकटारमन) (सी पी मेहरा) चार्जेस एकाउन्टेन्ट्स

वि इस्टीमेट ऑफ चार्जेस एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया नई दिल्ली

अनुसूची (ए)—प्रारक्षित पंजी

(राशि रुपये में)

क्रमांक	पंजी	1-4-1984 को लागत	शाखाओं से संबंधित समायोजन	वर्ष के दौरान जोड़	31-3-1985 को लागत	31-3-1985 को प्रवक्षयण	31-3-1985 का कितनी मूल्य	31-3-1985 को कितनी मूल्य
1.	भूमि	4,58,241	—	3,56,832	8,15,373	—	8,15,073	4,58,241
2.	भवन	94,77,965	—	2,80,630	97,58,595	16,27,723	80,70,872	79,97,186
3.	विद्युत इन्स्टालेशन एवं फिटिंग्स	11,58,859	—	81,774	12,40,633	6,83,945	5,56,688	5,42,360
4.	एयर कंडीशन इन्स्टालेशन	12,27,428	—	2,53,689	14,81,117	8,06,799	6,74,318	5,42,172
5.	लिफ्ट्स	2,84,041	—	—	2,84,041	1,45,701	1,38,340	1,53,711
6.	फर्निचर एवं फिक्चर	24,17,224	(-) 5,802	5,95,733	30,07,155	13,09,382	16,97,773	13,12,840
7.	ऑफिस सामान	11,00,984	356	1,82,303	12,83,643	7,46,558	5,37,085	4,59,554
8.	वाहन	76,985	—	—	76,985	37,569	39,416	49,270
9.	पुस्तकालय	26,09,208	(-) 484	5,02,681	31,11,385	20,59,567	10,51,818	8,72,370
	योग	1,08,10,935	(-) 5,930	22,53,632	2,10,58,627	74,77,244	1,35,81,383	1,23,87,704

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चर्टर्ड एग अउन्टेन्ट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

अनुसूची 'बी' उद्घोष्ट निवेश

(राशि रुपये में)

	संवर्धन जमा बैंक से		अन्य बैंक में शेष		सरकारी प्रतिवस्तिया		योग	
	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984
योग (अ)	26,30,413	31,38,726	—	—	—	—	26,30,413	31,38,726
1. शिक्षा कोष निवेश								
2. अन्य उद्घोष्ट निवेश	6,80,250	6,78,994	—	(—)	567	—	6,80,250	6,78,487
अ. अनुपधान कोष								
ब. नैडल और पुरस्कार कोष	1,95,534	1,57,117	25,088	23,970	80,025	80,025	3,00,647	2,61,112
स. वैज्ञानिक अनुपधान कोष	2,24,654	2,24,654	4,028	4,028	—	—	2,28,682	2,28,682
द. अन्य	9,81,155	7,13,668	52,241	17,618	—	—	10,33,396	7,31,286
योग (ब)	20,81,593	17,74,433	81,357	45,049	80,025	80,025	22,42,975	18,99,507
कुल योग (अ+ब)	47,12,006	49,13,159	81,357	45,049	80,025	80,025	48,77,388	50,38,233

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चर्टर्ड एग अउन्टेन्ट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

अनुसूची 'सी' निवल चल पूंजी

(राशि रुपये में)

विवरण	31-3-85	31-3-84		
च.लू पूंजी :				
अ. प्रकाशन अध्ययन सामग्री और स्टेशनरी		20,66,936	20,45,443	
ब. प्राप्य राशि				
1. लगन पर राज	8,61,230	7,83,537		
2. हार्डवेयर और वाहन				
ऋण पर व्याज	5,32,603	—		
अन्य	18,83,708	32,77,541	18,73,476	26,57,013
स. ऋण और अग्रिम राशि				
1. कर्ज राशियों को गृह एवं वहन पर अग्रिम	30,68,489	22,16,822		
अन्य	64,570	42,554		
	31,33,059	22,59,376		
2. छात्रावृत्तियां विद्यार्थियों को	4,03,934	4,37,804		
3. अन्य	5,68,955	41,05,948	6,21,903	33,19,083
द. नकद और बैंक शेष	52,42,235	35,36,018		
इकट्ठा करने वाले बैंकों के नाम में	10,89,806	63,32,041	4,47,600	39,83,618
योग		1,70,57,536		1,24,62,181
घटायें च.लू देयताएं :				
अग्रिम प्राप्त फीस		1,22,13,679		1,33,54,675
व्यय के लिए ऋण दाता		28,59,948		17,05,254
अन्य देयताएं		23,68,130		11,30,060
योग		1,74,41,757		1,61,89,989
निवल चालू पूंजी	(—)	3,84,221	(—)	37,27,808

दि इस्टेट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया नई दिल्ली

अनुसूची "डी" पूंजी रिजर्व

(राशि रुपयों में)

विवरण	31-3-85	31-3-84
अ.		
ए. सामान्य गत लेखों के अनुसार	1,26,66,252	1,17,72,852
जोड़ें प्रवेश शुल्क और नियत एन्ट्रीस शुल्क	10,38,600	8,93,400
जोड़ें मद्रान भवन अतिरिक्त हेतु प्राप्त दान	3,72,398	—
योग (अ)	1,40,77,250	1,26,66,252
ब. शिक्षा		
(बी) गत लेखों के अनुसार शेष	23,31,627	23,31,627
जोड़ें शिक्षा कोष से स्थानान्तरण	23,68,000	—
योग	46,99,627	23,31,627
कुल योग (ए+बी)	1,87,76,877	1,49,97,879

दि इस्टेट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया नई दिल्ली

अनुसूची "ई" सामान्य रिजर्व

(राशि रुपयों में)

विवरण	31-3-85	31-3-84
गत लेखों के अनुसार शेष	78,78,052	54,85,242
जोड़ें आय व्यय खाते से स्थानान्तरित अधिव्यय	20,50,400	25,92,810
घटायें अन्य रिजर्व को स्थानान्तरित	99,28,452 (-) 7,820	78,78,052 —
योग	99,20,632	78,78,052

अनुसूची (एफ) अन्य रिजर्व

(राशि रुपयों में)

विवरण	31-3-85	31-3-84
गत लेखों के अनुसार शेष	14,64,119	16,66,849
जोड़ें वर्ष के दौरान निवल एक्रिशन	1,50,308	1,10,903
	16,14,427	17,77,752
घटायें सामान्य रिजर्व से ट्रांसफर	(-) 1,28,000	(-) 3,13,633
योग	14,86,427	14,64,119

दि प्रस्टेट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया नई दिल्ली

अनुसूची "जी"

(राशि रुपयों में)

विवरण	31-3-1985	31-3-1984
ए. शिक्षा कोष		
गत लेखों के अनुसार शेष		
आय और व्यय खाते से स्थानान्तरण	31,38,726	14,89,963
आय और व्यय खाते से स्थानान्तरण	17,14,267	17,34,385
वर्ष के दौरान प्राप्त व्याज	1,72,285	1,21,697
घटायें पूंजीगत रिजर्व के स्थानान्तरित	50,25,278 (-) 23,68,000	33,46,045 —
समायोजन	26,865	(-) 2,07,319
योग (ए)	26,30,413	31,38,726
बी. अन्य निश्चित कोष		
ए अनुसंधान कोष	6,80,250	6,78,427
बी मंडल और पुरस्कार कोष		
गत वर्ष के लेखों के अनुसार	2,61,112	2,59,859
जोड़ें वर्ष के दौरान	38,549	—
वर्ष में आय	21,004	17,852
	3,20,665	2,77,711
घटायें दिये गये मंडलों और पुरस्कारों की लागत	(-) 20,018	(-) 16,599
	3,00,647	2,61,112
सी वैज्ञानिक अनुसंधान कोष	2,28,682	2,28,682
गत वर्ष के लेखों के अनुसार		
डी अन्य		
1. गत खोता का शेष	7,31,286	2,99,216
2. वर्ष के दौरान जोड़ें	1,10,000	81,139
3. सामान्य रिजर्व से स्थानान्तरण	7,820	—
4. सामान्य रिजर्व से स्थानान्तरण	1,23,000	3,13,633
जोड़ें वर्ष के दौरान अर्जित आय	57,446	40,024
	10,34,552	7,34,012
घटायें : वर्ष के खर्च	(-) 1,156	(-) 2,726
	10,33,396	7,31,286
योग (बी) ¹	22,42,975	18,99,507
कुल योग (ए+बी)	48,73,388	50,38,233

वि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट्स ऑफ इंडिया नई दिल्ली अधिसूचना (एच)
31 मार्च 1985 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का अनुवर्णन
(राशि रुपये में)

योग	सदस्य						विद्यार्थी	
	रेगुलेटरी	व्यावसायिक विकास और अनुसंधान						
	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84
1. आय								
1. प्रवेश शुल्क (नियमित)	4,00,200	3,42,000	4,00,200	3,42,000	—	—	—	—
2. सदस्यता शुल्क	86,73,345	75,66,205	86,73,345	75,66,205	—	—	—	—
3. पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स शुल्क	15,900	20,700	—	—	15,900	20,700	—	—
4. विद्यार्थी पंजीकरण शुल्क	12,04,440	11,32,600	—	—	—	—	12,04,440	11,32,600
5. विद्यार्थी ऐसोसिएशन शुल्क	92,560	87,100	—	—	—	—	92,560	87,100
6. कोचिंग शुल्क	99,44,208	66,72,817	—	—	—	—	90,44,208	66,72,817
7. परीक्षा शुल्क	77,66,382	74,63,317	—	—	—	—	77,66,382	74,63,317
8. जर्नल और न्यूज लेटर	3,48,360	2,57,262	—	—	—	—	3,48,360	2,57,262
9. प्रकाशन	31,63,679	19,05,724	—	—	9,38,183	4,42,406	22,35,496	14,61,318
10. निवेशों पर व्याज	1,67,195	1,55,076	—	—	93,422	89,673	68,773	66,403
11. केन्द्रिय व क्षेत्रीय कौन्सिलों के लिए सामाजिक शुल्क	—	—	—	—	—	—	—	—
12. अन्य	3,96,871	4,45,279	5,686	4,568	2,39,174	3,09,144	1,52,011	1,31,567
उप-योग	3,12,73,140	2,60,48,080	90,79,231	79,12,773	12,31,679	8,61,923	2,09,12,230	1,72,73,384
13. सामान्य कोष से आय निवेश (नियमित)	17,71,770	13,22,847	11,81,180	10,58,278	—	—	5,90,590	2,64,569
उप-योग	3,30,44,910	2,73,70,927	1,02,60,411	89,71,051	12,31,679	8,61,923	2,15,02,820	1,75,37,953
14. समय से पहले के समायोजन	3,88,804	—	—	—	1,94,402	—	1,94,402	—
योग	3,34,33,714	2,73,70,927	1,02,60,411	89,71,051	14,76,081	8,61,923	2,16,97,222	1,75,37,953

दि इस्टाब्लिशमेंट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ऑफ इंडिया नई दिल्ली

अनुसूची-आई

31 मार्च 1985 के समान्य वर्ष के लिए आय और व्यय का अनुलग्नक

(राशि रुपयों में)

	योग		सदस्य				सदस्य	
	31-3-85	31-3-84	रेगुलेटरी		व्यावसायिक विकास और अनुसंधान		31-3-85	31-3-84
			31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84		
11. खर्च								
1. वेतन और कर्म- चारों व्यय	96,76,106	78,89,021	18,75,171	14,27,422	21,43,814	19,31,540	56,57,121	45,30,059
2. छपाई और स्टेशनरी	10,12,590	9,09,042	1,24,120	85,782	4,72,378	3,72,967	4,16,092	4,50,293
3. प्रकाशन	22,20,092	14,54,989	4,20,910	2,39,356	6,60,075	4,16,197	11,39,107	7,99,436
4. जर्नल और न्यूज लेटर	21,68,455	16,50,415	—	—	18,44,279	14,03,048	3,24,176	2,47,367
5. कोचिंग (कर्म- चारियों के वेतन के खर्चों को छोड़कर)	30,33,957	22,45,135	—	—	—	—	30,33,957	22,45,135
6. एकाउन्टेन्टेशन (कर्मचारियों के वेतन और खर्चों को छोड़कर)	49,67,875	37,18,390	—	—	—	—	49,67,875	37,18,390
7. डाक तार व टेलीफोन	9,30,918	7,60,092	2,07,667	1,65,522	2,82,855	2,39,026	4,40,396	3,55,544
8. किराया दर और कर	11,56,165	5,99,566	2,41,627	1,13,153	3,83,870	2,23,369	5,30,668	2,63,044
9. रिपेयर और रखरखाव	3,79,338	4,94,093	87,182	1,10,557	1,10,139	1,49,456	1,82,017	2,34,087
10. अवस्ययण	9,91,300	8,56,248	2,47,826	2,14,063	2,47,825	2,14,061	4,95,649	4,28,124
11. यात्रा और परिवहन								
ड. कौंसिल सदस्य	9,91,249	8,89,166	1,85,107	1,39,790	4,94,766	4,92,720	3,11,376	2,56,656
ब. कर्मचारी और अन्य	3,69,174	2,08,400	56,012	37,228	1,27,930	79,109	1,85,232	92,063
12. पुस्तकालय रखरखाव	48,970	68,681	—	—	29,528	33,661	19,442	35,020
13. विदेशीय सम्बन्ध	3,63,866	4,40,578	—	—	3,63,866	4,40,578	—	—
14. व्यावसायिक शुल्क	2,72,298	1,22,165	42,459	16,110	1,17,588	51,946	1,12,241	54,109
15. चुनाव	7,295	12,147	7,295	12,147	—	—	—	—
16. अन्य	10,79,409	9,25,604	—	—	6,26,070	5,65,741	4,53,339	3,59,863
योग	296,69,047	232,43,732	34,95,376	25,61,130	79,04,983	66,13,419	182,68,688	140,69,183

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

चल पूंजी में परिवर्तन का विवरण

(लाख रुपये में)

वर्ष 1984-85 हेतु सदस्यों के व्यय का विवरण

चालू सम्पत्तियाँ

प्रकाशन तथा साप्ताहिक पत्र-पत्रिकाएँ

08.40

04.35

प्राप्त राशि, व्याज

00.78

05.33

02.16

अन्य

00.10

00.83

सी. अग्रणी और अन्य

1. कर्मचारियों को भत्ता

08.74

04.36

2. बिजली, पानी, टेलीफोन

(—) 00.34

(—) 02.38

3. अन्य

(—) 00.53

(—) 00.27

डी. नकद और बैंक अधिशेष

23.48

(—) 01.75

योग

45.96

04.30

चालू खर्च

ए. अग्रणी प्राप्त मुद्रा

(—) 11.41

42.72

बी. व्यय के लिए अग्रणी दाता

11.55

00.79

सी. अन्य देयताएँ

12.38

(—) 07.28

योग

12.52

36.23

चालू पूंजी में निवल धन/कमी

33.44

(—) 31.93

आर. एल. चौधरी, सचिव

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली

31 मार्च, 1985 को समाप्त वर्ष में वित्तीय स्थिति में परिवर्तन का विवरण—

लाख रुपये में

1984-85

1983-84

कोषों का स्रोत

निवेशों सम्पत्ति कोषों से निवल आय

21.73

16.43

(पूँजी और राजस्व पर)

पूँजीगत प्राप्तियाँ प्रवेश मुद्रा, डोनेशन

16.86

08.79

आय के रूप में

चालू पूँजी में कमी (नीचे विवरण देखें)

—

31.93

38.59

57.15

वर्ष का अधिव्यय बिना मूल्य ह्रास चार्ज

क्रिये तथा निवेशों और सम्पत्ति से

अपरिपक्वित राजस्व आय पर वि-

चार करते हुए

28.80

35.80

योग

67.39

92.95

कोषों का विनियोग

चल पूँजी में वृद्धि

33.44

—

अचल पूँजी का अधिग्रहण

22.53

20.42

निवेशों का अधिग्रहण

11.42

72.53

योग

67.39

92.95

New Delhi, the 27th September, 1985

NOTIFICATION

(Chartered Accountants)

1-CA(5)/036/85 : In pursuance of sub-section (5) of Section 18 of the Chartered Accountants Act, 1949, a copy of the Report and the audited accounts of the Council for the year ended 31st March, 1985 is hereby published for general information.

36TH ANNUAL REPORT OF THE COUNCIL FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1985

In accordance with the provisions of Section 18(5) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council has pleasure in presenting its 36th Annual Report. The Report not only covers the activities of the Institute for the year ended March 31, 1985 but also refers to some of the significant activities up to the date of its issue.

1. THE COUNCIL

1.1 Members of the Council and of its Various Committees

The 12th Council constituted on September 17, 1982 will hold office till 16th September, 1985. The

Council consists of 24 members of the Institute elected from five regional constituencies and 6 members nominated by the Central Government. The position of the Council and its committees, constituted from September 17, 1984, for a term of one year, is given in Appendix I.

1.2 President and Vice-President

Shri P.N. Shah and Shri A.C. Chakraborti continued as President and Vice-President respectively until September 16, 1984. Shri A.C. Chakraborti and Shri P.A. Nair were elected as President and Vice-President respectively for a term of one year with effect from September 17, 1984.

1.1 Council Meetings

During the year 1984-85, the Council held four meetings—109th on April 10, 11 & 12, 1984; 110th on July 18, 19, 20 & 21, 1984; 111th on September 14, 15 & 16, 1984 and 112th on December 20, 21 & 22, 1984.

2. INTERNATIONAL RELATIONS

2.1 International Federation of Accountants

- (a) The Institute continues to be a member of the International Federation of Accountants (IFAC) and India continues as an elected member of the IFAC Council as well as that of the International Auditing Practices Committee, the Education Committee and the Financial and Management Accounting Committee.
- (b) Shri B. L. Kabra (past President of the Institute) continues to represent India on the Council of the IFAC.
- (c) Shri Y.H. Malgum (past President of the Institute) continues as the Indian representative on the International Auditing Practices Committee (IAPC) of the IFAC.
- (d) Shri Bansi S. Mehta (past President of the Institute) continues to be the Chairman of the Education Committee of the IFAC. Shri Mehta was elected as the Chairman of the Education Committee for a second term in succession.

2.2 The International Accounting Standards Committee (IASC)

Shri P.A. Nair, Vice President of the Institute, has been nominated as a member of the Steering Committee of the IASC formed to formulate a standard on disclosures in financial statements of banks.

2.3 Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA)

India continues to be represented on the Executive Committee of the CAPA through our sister Institute, the Institute of Cost & Works Accountants of India.

2.4 The South Asian Federation of Accountants (SAFA)

The South Asian Federation of Accountants, a sub-regional body of Accountants in the South Asian Region, was formed in August, 1984 with the object of developing a co-ordinated accountancy profession in this region. The headquarters of SAFA for the current year have been located at New Delhi in the office of the Institute. Shri P.N. Shah, the immediate past President of the Institute, has been elected as the first President and Shri Kamal Gupta, Technical Director of the Institute, is the Secretary of SAFA.

The first formal meeting of the Assembly (Governing Council) of SAFA was held in Karachi, Pakistan on May 13 & 14, 1985 under the Chairmanship of Shri P.N. Shah, Shri A.C. Chakraborti, President of the Institute, and Shri Kamal Gupta Secretary of SAFA attended this meeting. Ways and means of achieving the objectives of SAFA were worked out at the above meeting.

The above meeting was followed by the first SAFA Seminar hosted by the Institute of Chartered Accountants of Pakistan and the Institute of Cost and Management Accountants of Pakistan. The Seminar was attended by members of accountancy profession from Pakistan.

The first conference under the auspices of SAFA will be held at Colombo in Sri Lanka in the first week of December, 1985. The theme of the Conference is "Accountancy Profession : Perspectives and Prospects."

Papers on topics of common interest to members of accountancy profession in South Asian Countries will be discussed at this Conference.

SAFA issued its first Newsletter in December, 1984 and the second in August, 1985.

2.5 Asian and Pacific Conference on Accounting Education for Development

A conference on Accounting Education for Development jointly organised by the International Federation of Accountants, the World Bank and the Asian Development Bank was held at Manila, Philippines between November 11-16, 1984. The Conference focussed its attention on the need for raising the levels of accounting and accountability in the context of developing countries and considered

the ways and means of doing the same. About 150 representatives from 40 countries participated in the Conference. Our Institute was represented by five members, led by the President of the Institute.

2.6 11th CAPA Conference

For the 11th CAPA Conference scheduled to be held in Australia in 1986, India has been allotted a paper on "Accountants—their professional and social responsibilities today and tomorrow". Shri Bhashar Banerjee, a member of the Council, has been nominated as the paper-writer on the aforesaid topic.

2.7 ICAI International Seminar

The Institute held an international seminar at Sharjah, UAE, on June 27, 28, 1985. The faculty for the Seminar comprised Shri A.C. Chakraborti, Dr. R.C. Vaish, Shri Y.H. Malegam and Shri Kamal Gupta. The Seminar provided a forum for discussing important aspects of accounting, auditing and taxation.

2.8 Responses to International Technical Documents

The Institute continues to respond to various international technical documents.

2.9 Request of Royal Government of Bhutan

On a consideration of the request of the Royal Government of Bhutan that a limited number of graduates from Bhutan be provided facilities for pursuing the chartered accountancy course in India, the Institute has agreed to admit a maximum of six graduates from Bhutan to the course.

3. PROFESSIONAL DEVELOPMENT ACTIVITIES

3.1 General

The following paragraphs give a brief review of the professional development activities of the various non-standing committees constituted by the Council of the Institute, during the Council year, i.e., September 17, 1984 to September 16, 1985. The review does not include the activities of the period from April 1, 1984 to September 16, 1984, as they have already been included in the 35th Annual Report submitted last year. It does not also include details of the activities of the Regional Councils and their branches.

3.2 Accounting Standards Board

(a) Since the issuance of the preface to the Statements of Accounting Standards in January, 1977, the Council has issued the following eight definitive Accounting Standards :

- (i) Accounting Standard—1 on "Disclosure of Accounting Policies" (AS—1)—November, 1979

- (ii) Accounting Standard—2 on "Valuation of Inventories" (AS—2)—June, 1981.
- (iii) Accounting Standard—3 on "Charges in Financial Position" (AS—3)—June, 1981.
- (iv) Accounting Standard—4 on "Contingencies and Events occurring after the Balance Sheets Date" (AS—4)—November, 1982.
- (v) Accounting Standard—5 on "Prior Period and Extraordinary Items and Changes in Accounting Policies" (AS—5)—November, 1982.
- (vi) Accounting Standard—6 on "Depreciation Accounting" (AS—6)—November, 1982.
- (vii) Accounting Standard—7 on "Accounting for Construction Contracts" (AS—7)—December, 1983.
- (viii) Accounting Standard—8 on "Accounting for Research and Development" (AS—8)—January, 1985.

Apart from the above, the Board has also issued a guidance note on "Terms Used in Financial Statements" in September, 1983.

(b) Two draft Accounting Standards, namely "Revenue Recognition (AS—7) and "Accounting for Fixed Assets" (AS—10) submitted by the Board in light of the comments received on the respective Exposure Drafts have been considered by the Council and same are expected to be issued shortly as the definitive Accounting Standards 9 and 10.

(c) Implementation of Accounting Standards

The council is anxious to implement a phased programme for introduction of Accounting Standard and for this purpose, various ways and means relevant thereto are under consideration. The matter has also been taken up with the Trade & Industry as well as with the Government.

(d) With a view to help the members in adopting the Accounting Standards in the preparation and presentation of financial statements, two Guidance Notes on "Disclosure of Accounting Policies" (AS—1) and "Valuation of Inventories" (AS—2) are being prepared by the Board.

(e) As a measure to give wide publicity about the utility of Accounting Standards, a publicity brochure is being prepared by the board. The brochure gives details about the composition of the Board, its objectives, procedure for developing of Accounting Standards etc.

(f) Standards on the following subjects are under formulation :

- (i) Accounting for Taxes on Income.

- (ii) Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statements of Employers,
- (iii) Accounting for the effects of changes in Foreign Exchange Rates,
- (iv) Accounting for Government Grants and Disclosure of Government Assistance.

3.3 Auditing Practices Committee

(a) During the year the committee finalised the following three Statements on Standard Auditing Practices and submitted the same to the Council for its approval. Accordingly, the same have now been issued under the authority of the Council.

- (i) Statement on Standard Auditing Practices—1, "Objective and Scope of the Audit of Financial Statements".
- (ii) Statement on Standard Auditing Practices—2, "Basic Principles Governing an Audit".
- (iii) Statement on Standard Auditing Practices—3, "Documentation".

(b) The committee issued a guidance note on "Audit of Fixed Assets" which supersedes the auditing aspects of Chapter 3 of the existing "Statement on Auditing Practices".

(c) At the request of the Reserve Bank of India, the committee submitted a draft of the questionnaire regarding long form audit reports in the case of audit of head offices and regional offices of banks. Another questionnaire dealing with long form reports in the case of audit of bank branches was also submitted by the committee. The same have been finalised by the Reserve Bank. The questionnaire concerning head offices and regional offices has already been implemented in respect of 1984 audits.

(d) At the request of the Indian Banks' Association (IBA), the Committee designed the formats of financial statement and audit report under the IBA scheme of recommending transport operators to member banks. The IBA has decided to publish them for the use of the member banks.

(e) The committee organised a series of meetings with past Presidents and other eminent members of the Institute at the regional centres to discuss the matter of implementation of the pronouncements of the Institute. These meetings proved to be very fruitful.

The Council has considered this matter and decided to caution the members that non-observance of the requirements of Statements on Standard Auditing Practices, Statement on Auditing Practices, Statement on Qualifications in Auditors' Report and Statement on Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report) Order, 1975, issued by the Institute would be

regarded as a departure from the generally accepted procedure of audit within the meaning of Clause (9) of Part I of the Second Schedule. The members should invite attention to any material departure therefrom in their audit reports in order not to contravene the provisions of the said clause.

(f) The Committee submitted its suggestions, as approved by the council, for the revision of the existing Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report) Order, 1975, to the Government for consideration.

(g) The Study Groups of the committee at Bombay, Calcutta, Madras and New Delhi are engaged in developing preliminary drafts of the Statements on Standard Auditing Practices and guidance notes on the basis of the international Auditing Guidelines issued by IAPC, and the existing Statement on Auditing Practices.

(h) A Group of the Committee at New Delhi is engaged in the task of preparing initial responses to various documents issued by the different committees of the IFAC from time to time.

(i) The Committee is developing drafts on the following subjects :

- Study on "Letter to Management by an auditor"
- Revision of the existing Statement on "Responsibility of joint auditors".
- Revision of the existing publication on "Audit of banks".

3.4 Research Committee

(a) Published Literature

The following Guidance Note/Guide were published during the year :

- (i) Guidance Note on Audit of Accounts of Members of Stocks Exchanges.
- (ii) Accountants' Guide to Law of Central Excise.
- (b) *Studies in the process of publication :*
 - (i) Compendium of Guidance Notes (Containing Guidance Notes on Accounting, Auditing, Company law etc. issued by the Institute).
 - (ii) Trends in Published Accounts (a revised version of existing precedents in published Accounts).
 - (iii) Accounting and Auditing Technical Guide on Fertiliser Industry.
 - (iv) Guidelines on Internal Audit—Construction Industry.
 - (v) Guidelines on Internal Audit—Sugar Industry.

(c) *Research Studies/Guidance Notes/Guidelines under finalisation of the Council Committee :*

- (i) Study on Use of Financial Information for Determination of Sickness in Industry.
- (ii) Research Study on Zero base Budgeting.
- (iii) Accounting and Auditing Technical Guides on :
 - (a) Automobile Industry
 - (b) Drug and Pharmaceutical Industry.
- (iv) Research Study on Accounting for Leases.
- (v) Study on Insurance Audit—GIC.
- (d) *Projects in Progress :*
 - (i) Statistical Sampling Techniques—An Aid to Audit Practices,
 - (ii) Guidelines on Internal Audit—Textile Industry.
 - (iii) Accounting and Auditing Technical Guide—Hotel Industry.
 - (iv) Impact of the pronouncements of the Institute on the financial statements.
 - (v) Studies on :
 - (a) MRTP Act.
 - (b) Effects of Inflation on Corporate Finance.
 - (c) Foreign Exchange Regulations Act.
 - (d) Insurance Audit—LIC.
 - (e) Internal Audit of Banks.
 - (f) Audit of Public Trusts.
 - (g) Hospital Accounting and Management Control Systems.
 - (h) Accountants' Guide to Law of Customs.
- (e) *Existing Publications under Revision :*
 - (i) Revision of Statement on "Treatment of Retirement Gratuity in Accounts".
 - (ii) The Payment of Bonus Act 1965—An Accountants' Study.
 - (iii) Technical Guide for Audit of Educational Institutions.
 - (iv) Technical Guide for Audit of Cooperative Societies.
 - (v) Study on Share Valuation.
 - (vi) Price Fixation in Indian Industries.
 - (vii) Guidance Note on "Accounting Treatment for Excise Duties".

(f) *Study Group Formed :*

A Study Group at Bombay has been preparing comments on the documents issued by the IASC.

(g) *Shield Panel :*

The Shield Panel of the Institute have adjudged the Annual Report and Accounts of

INDIAN OIL CORPORATION LIMITED

(for the year ended March 31, 1984)

as the best and awarded the Silver Shield to this Corporation.

The Panel also highly commended the Annual Reports and Accounts* of the following companies and awarded the Plaques to

ENGINEERS INDIA LIMITED

(for the year ended March 31, 1984)

HMT LIMITED

(for the year ended March 31, 1984)

*The listing of the companies whose accounts have been highly commended is alphabetical and it does not denote any ranking on the basis of merit.

THE MINERALS AND METALS TRADING CORPORATION OF INDIA LIMITED

(for the year ended March 31, 1984)

The Panel also considered the Annual Reports and Accounts of Banks and Financial Institutions and awarded the Silver Shields to the following Institutions being the joint winners in this competition :

EXPORT IMPORT BANK OF INDIA

(for the year ended December, 31, 1983)
and

HOUSING DEVELOPMENT FINANCE CORPORATION LIMITED

(for the year ended June 30, 1983)

The Panel separately considered the Accounts of entities such as Public Trusts, Cooperative Societies, Research and Educational Institutions and adjudged the Annual Reports and Accounts of

THE BOMBAY ELECTRIC SUPPLY AND TRANSPORT UNDERTAKING

(for the year ended March 31, 1984)

as the best among the entries received and awarded the Plaque to it.

3.5 Professional Development Committee

- (i) Empanelment procedures and other matters relating to audit of accounts of branches of nationalised banks

At the request of the concerned authorities, the Committee collected information from practising members of the Institute for empanelment as auditors of public sector banks and their branches for the year 1984 in accordance with the guidelines indicated by the aforesaid authorities. The information given by about 8,600 members who submitted their applications for the purpose was computerised and the same was sent to the concerned authorities. Similar information for audit of accounts of branches of

public sector banks for the year 1985 has been collected from the practising members of the Institute and the same is being processed on the computer for preparing a list in accordance with the guidelines indicated by the authorities. The list will be sent to the concerned authorities.

(b) Scale of remuneration to statutory and branch auditors of public sector banks

The study relating to the fixation of remuneration and reimbursement of expenses to statutory and branch auditors of public sector banks was entrusted for a working group set up by the Govt. The working group included a nominee of the Institute. The group submitted its Report in June, 1984. The Govt. has approved the recommendations of the working group with effect from 1984 and appointment of auditors for the year 1984 has been made as per the enhanced remuneration as recommended by the working group.

(c) Audit of Accounts of borrowers enjoying credit limits exceeding Rs. 10 lakhs and designing suitable formats of audit report and accounts to meet the requirements of financial banks.

RBI has accorded its approval to the formats prepared by the Institute and finalised by the Indian Banks Association and has issued a circular suggesting that non-corporate entities enjoying aggregate working capital credit limit of Rs. 10 lakhs or more from the banking system should get their accounts audited by chartered accountants. A guidance note explaining the new requirements of audit of accounts of bank borrowers has been published by the Institute.

(d) Members in Industry

A Committee for Members in Industry has been constituted (i) to consider matters affecting members in service; (ii) to consider ways and means to enhance participation of members in service in the affairs of the Institute, (iii) to provide employment service—both for the benefit of the members seeking employment in Industry and the prospective employers, and (iv) to explore and develop fresh avenues for members in industry. The members of the above Committee are actively associated with various industries. In pursuance of the decision of the Committee, a series of articles is being published in the Journal with a view to provide guidance to members regarding employment opportunities in various sectors of the economy and in foreign countries. The committee has also conducted a survey of members in industry. The survey seeks to find out the distribution of chartered accountants in various industries and the functional areas in which they work.

(e) Continuing Education Programme

Following three Residential Courses were organised

by the Committee.

— Residential Course on Internal Audit at Mahabali-puram, Madras from December 20 to 23, 1984.

-- Residential Course on Internal Audit at Srinagar from April 18 to 21, 1985

— Residential Course for Members in Industry at Darjeeling from May 9 to 13, 1985.

(f) Seminars on Tax Audit and audit of non-corporate entities.

A sub-committee of the Professional Development Committee organised 88 seminars on Tax Audit and audit of non-corporate entities at headquarters of the Regional Councils, branches and other important cities having 30 or more members. The seminars covered the following subjects :

(i) Audit of Accounts under Section 44AB of the income-tax Act.

(ii) Audit of Accounts of bank borrowers.

(iii) Audit of Accounts of the Members of Stock Exchanges.

The seminars were held during March-May, 1985, and were of one-day duration each. Approximately 10,700 members and students participated in these seminars. Background material covering the aforesaid subjects was prepared for distribution in advance free of charge to the participants attending the seminars.

The faculty for the seminars was drawn from among the past and present members of the Central and Regional Councils. At each seminar two faculty members led the discussion on the above subjects.

20,000 copies of Guidance Note on Tax Audit printed by the Institute were despatched to all Regional Councils and Branches. Considering the demand for this guidance note 7,500 copies were printed again for the sale at various centres. Guidance note on audit of accounts of Stock Brokers has also been published by the Institute.

(g) Internal Audit

A committee on Internal Audit has been constituted to consider matters relating to internal audit work and to streamline the role of chartered accountants as internal auditors.

The fifth All India Conference on Internal Auditing was held at Bombay on September 7-9, 1985. The main objective of the conference was to discuss the various aspects of the internal audit function and to deliberate on the expanding role of the Internal Auditor. Hon'ble Mr. Arif Mohammad Khan, Minister of State for Industry and Company Affairs and Home Affairs inaugurated the conference. There were four technical sessions in the conference to discuss the various aspects of the Internal Auditing through twelve papers.

3.6 Company Law Committee

(a) The Seventeenth All India Seminar on Taxation and Company Law was held jointly by the Taxation and Company Law Committees in New Delhi from April 26 to 28, 1985 [details given in para 3.7 (c)].

(b) A clarificatory note on the issue of 'Revision/Rectification of accounts after adoption at the annual general meeting was published at page 655 of the February, 1985 issue of the Journal. Accordingly, if a company revised the accounts and placed the same before the auditor, he should *inter-alia* in his report bring out the facts that as per the views of the Institute and those of the Department of Company Affairs rectification of accounts after adoption at the annual general meeting was not permissible.

(c) A note in respect of 'Depreciation on Energy Saving Pollution Controlling Devices' was published in the March, 1985 issue of the Journal clarifying that if any company is facing any hardship by the applicability of revised rates of depreciation under the Income-tax Act, for certain assets, it can apply to the Company Law Board for relaxation under Section 205(1)(c) of the Companies Act, 1956, if the company wants to declare dividend.

(d) A guidance note on 'Accounting of Depreciation consequent to changes in Depreciation Rates' was published at page 439 to 441 of the November, 1984 issue of the journal. Two alternative methods for recomputation of the specified period under Section 205(5) of the Companies Act, 1956 were recommended by the Institute. On this issue, the Department of Company Affairs issued a Circular No. 1/85 dated 10-1-1985. The Council decided to advise the members to follow the methods suggested by the Department of Company Affairs. A note in this behalf was published in the April, 1985 issue of the Journal. However the question whether aforesaid circular needs a revision is still under the consideration of the Government.

Shri Arif Mohammad Khan, Union Minister of State for Industry and Company Affairs is seen browsing through the Institute's memorandum on simplification and rationalisation of the Companies Act while Shri A.C. Chakrabortti, President, Dr. Kamal Gupta, Technical Director and Shri R.L. Chopra, Secretary look on.

(e) A memorandum on 'Simplification of the Companies Act' has been submitted to Hon'ble Shri Arif Mohd. Khan, Union Minister of State for Industry and Company Affairs on July 22, 1985 for their consideration.

(f) A guidance note on 'Auditors Report in Prospectus' has been finalised and will be published shortly.

3.7 Taxation Committee

(a) Under the sponsorship of the Taxation Committee the Calicut Branch organised a one-day seminar on Taxation at Calicut on February 23, 1985.

(b) In association with the Professional Development Committee, Seminars on Tax Audit were organised at various places in the country.

(c) The Seventeenth All India Seminar on Taxation and Company Law organised jointly with the Company Law Committee was held in New Delhi from April 26 to 28, 1985. The Seminar was inaugurated by Shri L.K. Jha, Chairman, Economic Administration Reforms Commission. The six technical sessions were chaired by S/Shri G.A. James, Member, CBDT, Dr. S.M. Dugar, Member, Company Law Board, Rameshwar Thakur, M.P., B.L. Kabra, past President, G. Krishnamurthy, Senior Vice-President, Income-Tax Appellate Tribunal and M.S. Unnayar, Member, Appellate Tribunal for Forfeited Properties, respectively, Shri C.G. Somiah, Secretary, Ministry of Company Affairs, delivered a special address to the delegates. 200 delegates from different parts of the country attended the Seminar. S/Shri M.P. Furi, P.R. Khanna, K.S. Mehta, M.G. Patel, N.K. Poddar and N. Khaitan acted as the rapporteurs of the technical sessions, which discussed 12 technical papers relating to areas such as Corporate Taxation, Corporate disclosure, Simplification of Companies Act, Anti-monopolies legislation, Valuation of assets for tax purposes, Taxation of non-business income, Central Excise and Central Sales Tax Act.

The Eighth Residential Course on Taxation was held at Hotel Fernhill Palace, Octy, from June 5 to 8, 1985. 41 delegates from different parts of the country attended the Course.

(d) A special sub-committee has been constituted to go through the suggestions made by various Expert Committees appointed by the Government so far to consider the question of Tax Laws and their reforms and also the suggestions made by the Institute from time to time and to prepare a report for submission to the Government outlining the suggestions which could be implemented as part of the proposed new fiscal policy.

(e) The Institute made its contributions to the Committee constituted by the CBDT for the preparation and introduction of new consolidated and simplified return forms for three direct tax laws.

(f) Publication :

(i) The Guidance Note on Tax Audit under Section 44 AB of the Income-tax Act was brought out and released to the members soon after the final Notification of the Audit Report forms by the CBDT.

(ii) The Second revised Edition of the Monograph on Compulsory Maintenance of Accounts was brought out.

(g) As usual, Pre-Budget and Post-Budget Memorandum were submitted to the Finance Minister and other authorities.

(h) A note containing suggestions on some of the major issues covered by the Taxation Laws (Amendment) Bill, 1984 was submitted to the Chairman, CBDT, and other relevant authorities.

(i) Other representations submitted during the year:

(i) A representation containing Institute's comments on the draft Income-tax Rules prescribing forms of Audit Report and additional particulars under Section 44AB of the Income-tax Act was submitted to the CBIT soon after the issue of draft rules. The Final Notification issued by the Board has taken into account many of the suggestions made by the Institute.

(ii) A representation was submitted to the CBIT suggesting certain amendments in the relevant provisions of the Fourth Schedule to the Income-tax Act regarding definition of 'beneficiary' under an approved superannuation scheme.

(iii) A representation was made to the Chairman, Central Board of Excise & Customs pointing out the useful role that Chartered Accountants could play by certifying the goods removed under the Self-Removal Procedure scheme and thus helping the Administration in speeding up assessment of excise commodities, and relieving the excise officials of the routine check that they are required to exercise at present.

(v) A memorandum was submitted to the Jha Committee on Change in Financial Year.

(j) A Memorandum on Long Term Fiscal Policy outlining the recommendations of the Institute was submitted to the Finance Minister, the Chairman, Central Board of Direct Taxes and other Government authorities.

(k) The Central Government has notified the Institute for the purposes of sub-clause (iv) of clause (23 C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961, for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88. Efforts are being made to get the benefit of the notification extended to earlier years also.

3.8 Continuing Professional Education Committee

(a) Under the Continuing Education Programme, a number of seminars and courses were organised during the year. For details please see Appendix II.

(b) Examinations of the Management Accountancy Course (Part I) were held in November 1984,

and May, 1985. The summarised results of the examinations held in May, 1984 November, 1984 and May 1985 are given in Appendix III.

(c) Examination of the Corporate Management Course was held in May, 1984. No examinations were held in November, 1984 and May, 1985. The summarised result of the examination held in May 1984 is given in Appendix IV.

(d) Amendments in schedules 'C' & 'D' relating to Management Accountancy Course and Corporate Management Course respectively and new Schedule 'E' relating to introduction of Post Qualification Course in Tax Management have been approved by the Government Authorities, and Gazette Notifications in respect thereof have been issued. The examinations for the above Post Qualification Courses will be held under the revised/new schedules in November, 1985.

(e) Merit scholarships of Rs. 500 each were granted to 10 candidates for purchase of books under the incentive schemes of the Management Accountancy Course.

(f) Since September, 1984—4 issues of the Management and Economic Quarterly Digest have been brought out. This publication is now being printed and is being subscribed to by about 2,000 members.

(g) The number of candidates registered for practical training under Part II of the Management Accountancy Course during the financial year was 21.

(h) Shri Ashish Kumar Bhattacharyya (M. No. 15414) completed both parts of the Management Accountancy Course.

3.9 Expert Advisory Committee

(a) Since the last report in September, 1984, the Committee received 28 queries, and replied to 18 of them. 10 queries are under consideration.

(b) The "Compendium of Opinions"—Volume IV—containing the opinions of the Committee between September, 1983 and September, 1984 along with a composite subject-wise alphabetical index on the opinions contained in all the earlier three volumes, has been released for sale.

(c) Brief versions of important opinions of the Committee are being published in every issue of The Chartered Accountant for information of all readers.

3.10 Ethical Standards Committee

The Committee is engaged in the task of revising the Code of Conduct and incorporating therein various changes decided upon by the Council, as also the changes arising out of the Statements and Exposure Drafts issued by the Ethics Committee of IFAC. The

Council has considered some of the matters and the following changes have been announced in the Code of Conduct:

- (a) Responding to tenders relaxation in the existing restrictions.

On a review of the restrictions imposed through the "Code of Conduct" on the question of responding to tenders, and in consideration of the fact that the organised sector of the economy of preference to avail the various services of chartered accountants on a competitive basis by issuing tenders, it has been decided that while no relaxation should be given in the matter of responding to tenders in the audit field which is exclusive to chartered accountants, in other areas where members have to compete with outsiders, the existing restrictions be relaxed. Furthermore, members be permitted to respond to tenders even in audit field outside the country, if permitted under the local laws of outside countries provided the professional fees are received in such cases in foreign currency.

- (b) Self-Regulatory Measure—Ceiling on the fees

The Council has decided to place a ceiling on the gross professional fees which a member in practice or his firm may receive from a particular client or a group of clients, so that his professional independence does not appear to be hampered by undue association with or over dependence on particular client or a group of clients. Accordingly, the following self regulatory measure has been approved by the Council to be observed by the members of the Institute.

"To ensure that a member in full time or part time practice is not over dependent on one or more clients or companies under the same management where his professional independence was likely to be jeopardised, he should as far as possible, take care to see that the professional fees for audit and other services received by the firm in which he is a partner, by him and his partners individually and by the firm or firms in which he or his partner are partners, from one or more clients or companies under the same management does not exceed 40% of the gross annual fees of the firm, firms and partners referred to above. 'Companies under the same management' here would refer to the definition of this expression as provided in Section 370 (I-B) of the Companies Act, 1956.

Provided that no such ceiling of 40% on the gross annual professional fees of a member or the firm would be applicable where such fees do not exceed Rs. 2 lakhs in respect of a member or firm including fees received by the member or firm or other services rendered through the medium of a different firm or firms in which such member or firm may be a partner or proprietor.

Provided further that no such ceiling of 40% on the gross annual professional fees of a member or the firm would be applicable in the case of audit of Government companies, public undertakings, nationalised banks, public financial institutions or where appointment of auditors are made by the Government."

- (c) Accepting Directorship in Companies

More and more companies are appointing chartered accountants as directors on their Boards. The prospectus or public announcements issued by these companies often publish descriptions about the expertise, specialisation and knowledge of the chartered accountants in particular fields or appellations or adjectives to their names which might contravene the provisions of clauses (6) & (7) of Part I of the First Schedule to C.A. Act. The members should therefore draw specific attention of the management of companies appointing them as Directors, to the ethical requirements of the profession and ensure that the material for publication in the prospectus or public announcements is first approved by them. A detailed guidance note on this subject is given at Appendix V.

3.11 University Liaison Committee

Three Seminars were organised during the year. The first one was held at Jodhpur on February 16 and 17, 1985 in collaboration with the Jodhpur University. The key note address at the seminar was delivered by the President, Shri A. C. Chakraborti. The second seminar was held at Bangalore on March 23 and 24, 1985 in collaboration with the University of Bangalore. The key note address at this seminar was delivered by the Vice-President, Shri P.A. Nair. At both the seminars the main theme of discussion was professionalising commerce education. Another seminar was held at Calcutta on April 27, 1985 at which the key note address was delivered by the President of the Institute.

- (b) Endowments

An endowment of Rs. 5,000 has been made to the Jodhpur University for award of a prize in the name of the Institute of Chartered Accountants of India to a student who secures the highest marks in accountancy paper at B.Com. (Hons), B.Com. (Pass) course of the University. Another endowment of Rs. 10,000 has been given to the Bangalore University for the award of a gold medal in the name of the Institute. In this endowment a sum of Rs. 5000 was collected by local Chartered Accountants. Further endowments of Rs 5000 each have been disbursed to the Ravi Shankar University, Raipur, Punjab University, Chandigarh and North Bengal University, Darjeeling. An endowment of Rs 5,000

has been offered to the S.N.D.T. Women's University, Bombay and the amounts would be released after completion of the necessary formalities. An endowment of Rs. 10,000 has been granted to Osmania University, Hyderabad, out of which a sum of Rs. 5,000 will be donated by the local Chartered Accountants.

(c) Popularisation of the C.A. Course

Talks were delivered by Shri A.K. Majumdar and Shri M.G. Patel at Delhi University and Gujarat University respectively. The purpose was to familiarise the students with the career prospects in the C.A. course. The brochure entitled "Profile of a Profession" is being revised and updated in the light of recent changes in the Syllabi of C.A. Course, rules of admission etc.

(d) Model Syllabus

A model syllabus for the B.Com. Course covering all the core subjects has been finalised by the Committee.

(e) Liaison with U.G.C. and the Association of Indian Universities.

The Committee is trying to establish better liaison with both these bodies. Recently, the President of the Institute has been included in the panel on Technical Education and Research of the U.G.C.

3.12 Committee for Dealing with Cases of Unjustified Removal of Auditors

During the year, the Committee received 11 cases of unjustified removal from auditorship. Out of these 11 cases, 6 cases related to removal from auditorship of companies and 5 cases related to Banks, a Government Department Trust and a Society. These cases were dealt with by the Committee in the light of the procedure settled by the Council for functioning of the Committee.

3.13 Editorial Board

A number of steps were taken for improving the quality, contents and get-up of the Journal.

4. OTHER MATTERS

4.1 Death of Smt. Indira Gandhi

Reference needs to be made to the said and tragic assassination of the Prime Minister of India, Smt. Indira Gandhi on October 31, 1984. The President accompanied by the Vice President and the Secretary visited the T. Len Murti House on November 2, 1984. Where the Prime Minister's body lay in State and placed a wreath on behalf of the Institute and the profession of chartered accountants. A condolence

meeting was held in the Institute on November 7, 1984 which was attended by the President, the Vice-President, past Presidents, Members of the Council, Members of the Northern India Regional Council and a large number of members, staff and students of the Institute. When the Council met next after the assassination, before the business of the meeting was taken up, the members of the Council paid homage to the departed soul, observed silence for two minutes and passed the following Resolution which was forwarded to Shri Rajiv Gandhi:

"The Council of the Institute of Chartered Accountants of India is deeply shocked and grieved over the assassination of the Prime Minister, Smt. Indira Gandhi on October 31, 1984 at New Delhi.

Smt. Gandhi was, no doubt, a beloved national leader of the entire country but she was also heard and respected all over the world. Her contribution towards the advancement of the down-trodden in the country and taking the Nation towards prosperity has been immense. Smt. Gandhi stood for national integration, secularism and socialism and above all for improving the lot of down-trodden and the less fortunate people of the world. For India it is a tragedy beyond tears. The void left by her would be difficult to fill.

In this hour of national crisis, the Council resolves to tread the path shown by Smt. Gandhi by maintaining peace, national unity and greater effort fortaking the country forward on the path of prosperity.

The Council sends its sincere condolences to Shri Rajiv Gandhi and other members of the bereaved family with the prayer that God Almighty may give them strength to bear this irreparable loss.

The Council further pledges its whole-hearted co-operation and support to the new Prime Minister in his efforts to meet the country's goals and objectives.

The Council also prays that the departed soul may rest in peace in heaven.

4.2 Hindi and other Regional Languages as Alternate Media for the Examinations of the Institute.

As has been mentioned in the earlier reports, the Council has accepted the introduction of Hindi as an alternate medium for the Institute's examinations. The students of the Entrance Examination are permitted to write their answers in Hindi since June 1984 examination. The question papers for the Entrance

Examination held in June, 1985 were printed in English and Hindi and this practice will be continued in future. Further, the students for the Intermediate and Final examinations would be allowed, in a phased manner, to answer their papers in Hindi.

The Council has appointed a "Regional Languages Committee" for considering the feasibility of introducing regional languages also as alternate media for the Institute's examinations. This Committee has issued questionnaires to the past Presidents and Council members of the Institute, Regional Councils and their branches, universities and the students, for eliciting their opinion on the subject. The Committee has since completed the assignment and submitted its report to the Council.

4.3 Construction of Building at Vishwas Nagar, Delhi

The Institute has been allotted a plot of land by the Delhi Development Authority in the Institutional Area in Vishwas Nagar near Shahdara, Delhi for NIRC office and other educational activities. The physical possession of the plot was obtained and the foundation-stone for the building was laid on July 11, 1985 by Hon'ble Shri Veerendra Patil, Union Minister for Industry and Company Affairs. Efforts are being made to get some additional land, allotted in the vicinity of the plot in Vishwas Nagar. Detailed building plans are being drawn up and the construction work would soon be started. It is proposed to locate the following facilities in the proposed building.

1. National Academy of Accounting
2. NIRC Office
3. NICASA Office
4. Reading Rooms, Lecture Rooms for members and students
5. Northern Decentralised Office.

4.4 Committee on Public Relations

(a) The Committee on Public Relations undertook several programmes to promote a wider understanding of the functions of the Institute and project a better image of the profession.

(b) An extract of the 35th Annual Report for the year ended March 31, 1984 was published in several leading newspapers.

(c) The publication of ICAI newsletter after every Council meeting was continued. It is distributed among members of Parliament, Chambers of Commerce, Universities and various Government departments to help in forming informed opinion about the policies framed by the Council which serve public interest. Eight issues have been published far so.

(d) The publication "The Chartered Accountant and the Society" meant for distribution among the public has been revised and reprinted in English. Publication of the revised script in other languages has been taken up.

(e) Rejoinders were issued from time to time in daily newspapers to correct wrong impressions or to clarify policy issues, whenever called for.

(f) Press conferences were held by the President to project the viewpoint of the Institute on the Tax Audit provisions and other new areas of professional work. These were well attended and the views of the Institute were carried by leading newspapers. A Press Note explaining the advantages of Tax Audit was also issued.

(g) Visits of the President and Vice-President to various regional councils and branches were covered by the local press.

(h) Institute's views on matters concerning profession and matters of general importance were explained through press statements from time to time.

4.5 Change in the Chartered Accountants Regulations

(a) During the year, the following major changes were made in the C.A. Regulations with the approval of Government:

- (i) Entry requirements and syllabi of C.A. Course;
- (ii) regulations pertaining the elections to the Central and Regional Councils, and
- (iii) revision in the syllabi of Post-Graduate Courses referred to in Schedules 'C' & 'D' as also the introduction of a new Post-Graduate Course in Tax Management under Schedule 'E' to the C.A. Regulations.

(b) The codified regulations intended to simplify and rationalise the present C.A. Regulations, remove anomalies and inconsistencies and to minimise procedural delays are awaiting approval of the Government. Efforts are being made to secure early approval.

4.6 National Academy of Accounting

The Council has accepted, in principle, the recommendation of the Board of Studies to establish the National Academy of Accounting, and has decided to name it after the First President of the Institute, Late Shri G.P. Kapadia. The aims and objectives of the Academy, as approved by the Board, are as under:

- (1) To serve as a seat of higher learning and research in Accounting, Finance, Taxation, Auditing and allied disciplines.
- (2) To impart education on the basis of participative mode of learning, development of

articulation and communication skills, harnessing inter-disciplinary attitude to problem solving and exposing to wider but relevant horizons of knowledge.

- (3) To cater to the needs of the developing countries in the area of accounting education.
- (4) Generally to upgrade the level of accounting education in the country.

The Academy will come up on the land located at Vishwas Nagar, in trans-Yamuna area in New Delhi where the Institute has been allotted some land. On July 11, 1985 the foundation-stone of the G.P. Kapadia National Academy of Accounting has been laid by the Hon'ble Union Minister for Industry and Company Affairs, at the above site.

The Board also constituted a sub-committee consisting of Shri K.G. Somani, Shri T.S. Vishwanath, Dr. Kamal Gupta, Technical Director and Shri A.K. Majumdar, Director of Studies. Later on three faculty members, Dr. D.C. Sancheti, Dr. N.L. Dhameja and Dr. N.K. Agrawal, were also included in the sub-committee. The sub-committee was entrusted with the work of preparing a blue-print for the Academy at the earliest possible time so that the Academy could be established on a time bound programme. The sub-committee has prepared the blue-print and the same is under consideration of the Council.

The sub-committee has estimated that the Academy may require a built up area of about 22,000 sq. ft. In terms of the scheme prepared by the sub-committee, an initial capital outlay of Rs. 90 lakhs may be required to set up the G.P. Kapadia National Academy of Accounting. The capital outlay is planned to be met by partly raising contribution from the members and partly by applying Institute's funds.

4.7 Computer Training for Members/Students

In order to provide training to the members and students in computer applications in accounting auditing and business decision making, the Council has approved a proposal to open computer centres in selected metropolitan cities. To begin with these centres would be opened at four regional headquarters of the Institute. The necessary details in this regard are being finalised.

4.8 Annual Meeting of the Council

The 35th annual meeting of the Council was held on September 15, 1984 at New Delhi under the chairmanship of Shri P.N. Shah, the then President of the Institute. Shri T.N. Chaturvedi, Comptroller & Auditor General of India, was the Chief Guest at the function. He presented shields and plaques

to the companies and financial institutions which had won the awards for their entries in the contest for best presented accounts. Prizes and medals were also given to the meritorious students in the examinations of the Institute.

4.9 Library

During the year 557 books were added to the Central Council Library at New Delhi bringing the total number of books to 19850. Increasing use of the library was made by members and students.

4.10 Representation on Outside Bodies

The Institute continues to be represented on several outside bodies through its representatives. Appendix VI gives details of such representation.

4.11 Members in Important Positions in Different Walks of Life

Members of the Institute, on account of their high degree of expertise and knowledge in the field of accounting and finance, have come to occupy very important positions in different walks of public life including legislative bodies, public financial institutions, nationalised and other banks, educational institutions and local authorities.

4.12 Meetings of the President and the Vice-President with Important Dignitaries and Visits to the Branches.

The President and the Vice-President met various dignitaries, Central ministers and officials of the Government Departments during the year under report. They also met Vice-Chancellors of several universities, presidents of chambers of commerce, members of the Income-tax Appellate Tribunals, authorities of Reserve Bank etc. A special mention may be made here of the meetings held with the Finance Minister, the Minister of State for Industry and Company Affairs and the Secretary of the Company Law Board. During the meeting with the Minister for Company Affairs, the need for simplifying the Companies Act and rationalising the rules framed thereunder was emphasised by the Hon'ble Minister. The Institute constituted a small committee to examine this matter in depth and recommendations were submitted to the Government. The President and the Vice-President visited all the Regional Councils and a large number of branches of the Regional Councils and discussed matters concerning the development of professional opportunities and educational facilities for the members and students.

4.13 Chartered Accountants National Relief Fund

The "Chartered Accountants National Relief Fund" has been registered as a public trust and has

also been granted tax exemption certificate under Section 80G of the Income Tax Act, 1961. Thus, the donations made to the Fund will be exempted in the hands of the donors for Income tax purposes. The monies collected from the members will be used 'inter alia' for (i) providing relief to human beings during times of national calamities; (ii) making donations to societies or institutions engaged in relief work; and (iii) making donations to the National Defence Fund, the Prime Minister's Relief Fund and any other funds established by the Central Government or any other Government for the purposes of providing relief to human beings or rehabilitating them in times of famine, floods, cyclone or other calamities. The members are requested to please send their contributions to this trust set up for a noble cause.

4.14 Chartered Accountants Benevolent Fund

The membership of the Fund has increased from 2050 as at 31-3-1984 to 2112 as at 31-3-1985. A sum of Rs. 59,100 was disbursed during the year to members in distress or the families of the deceased members. The balance to the credit of the Fund at March 31, 1985 was Rs. 2,17,471.18 as against Rs. 1,95,006 as at March 31, 1984.

4.15 S. Vaidyanath Aiyar Memorial Fund

The membership of the Fund is 145 as at March 31, 1985. An amount of Rs. 3,000 was disbursed during the year by way of scholarships to students. The balance to the credit of the Fund was Rs. 59,594.90 as at March 31, 1985.

4.16 Elections to the Council and the Regional Councils

The elections to the 13th Council and the 12th Regional Councils of the Institute were held in August, 1985. The names of the members elected to the Central Council and the Regional Councils have been notified in the Gazette of India and have also been published in the Journal *The Chartered Accountant*. For facility of references these names are given in Appendix VII.

5. MEMBERS

5.1 Membership

3773 new members were enrolled during the year bringing the figure of membership as on 31-3-1985 to 36418. During the year, 1145 Associates were admitted as follows as compared to 1995 Fellows admitted in the previous year. Appendix VIII gives the details of the classification of membership.

882 GI/85—6

5.2 Disciplinary Action

The number of "complaints" and "information" cases dealt with under Section 21 is given below:

No. of cases placed before the Council during the year	75
No. of cases referred to Disciplinary Committee for enquiry during the year	41
No. of reports finalised by the Disciplinary Committee during the year	36

The Bombay High Court inter alia, had observed in a writ petition filed before it that before considering the report of the Disciplinary Committee, the Council should give an opportunity of being heard to the Respondent as to why the report of the Committee should not be accepted. The Institute preferred an Appeal to the Supreme Court which is pending. The Council decided to postpone consideration of the reports of the Disciplinary Committee pending decision of the Supreme Court in the above Appeal. For this reason, 87 reports of Disciplinary Committee were pending for consideration of the Council as on 31-3-1985.

Brief details about disciplinary matters where action under Section 21 (6) of the Chartered Accountants Act has been taken, since the last report, are given in Appendix IX.

5.3 Deceased Members

(a) The Council records with deep regret the sad demise of Shri A.B. Tandan, a former President of the Institute on May 3, 1985.

(b) The Council also records with deep regret the demise, during the year, of the members whose names are listed in Appendix X.

6. ARTICLED AND AUDIT CLERKS

6.1 Registration

The following is the figure of articulated and audit clerks registered during the year ending March 31, 1985 with the corresponding figure for the previous year.

Articled & Audit Clerks	1983-84	1984-85
	8,710	9,256

6.2 Employment Assistance to Articled/Audit Clerks

Employment assistance service is continued to be provided to all students who have completed their period of articulated/audit service and have also passed the Intermediate Examination of the Institute. For this purpose, an Employment Register is being maintained by the decentralised offices at each of the regional centres at Bombay, Madras, Calcutta, Kanpur and New Delhi. Students desirous of

availing of the above facility and fulfilling the requirements can contract personally or write to the concerned Assistant Secretary of the Institute for the form of particulars to be submitted to the Institute.

6.3 Board of Studies

(a) The number of students enrolled during the year ended March 31, 1985 and March 31, 1984 are as under:

Course	1984-85	1983-84
Intermediate	9289	8660
Final	3513	3099

The total number of students on the rolls as at March 31, 1985 was 40,052 as against 37,983 as at March 31, 1984. The details of such enrolments are given in Appendix XI.

(b) Revision classes for the Intermediate and Final Course students were as usual, conducted at the regional and other important centres.

(c) During the year ended March 31, 1985, the following scholarships have been granted :

(i) Merit Scholarships:

@ Rs. 75 p.m. to 10 students for a maximum of 18 months.

@ Rs. 75 p.m. to 4 students for a maximum of 12 months.

(ii) Need-based Scholarships @ Rs. 50 p.m. to 84 students for a maximum period of 30 months.

(iii) Partial Freeship viz., waiver of the second instalment of tuition fee to 73 students.

(d) Though the Board is not providing any correspondence course for the students of Entrance Examination, it has prepared study material for the benefit of students. The complete set of this material is priced at Rs. 100. This material is popular among the students.

(e) The Board of Studies continued to make regular contribution to the Journal by giving digest of Income-tax and Company cases and current readings.

(f) The Board conducted the first in-house training in Accountancy and allied subjects for the staff of the Institute.

(g) The Sixth All India CA Students' Conference was held on March 2 and 3, 1985 in Delhi. There were four technical sessions of special lectures, besides the inaugural session. About 300 students from all over the country participated in the conference. The conference was inaugurated by Hon'ble Mr. Justice E.S. Venkataramiah, Judge, Supreme Court of India. Shri A.C. Chakrabortti, President of the Institute, presided over the function.

The theme of the Conference 'Emerging Role of Accounting Profession' was expounded at the four technical sessions spread over two days through the following topics:

(1) A Study of Accounting Standards issued by the Institute.

(2) Management Accounting—A Tool for Planning & Control.

(3) Audit of Computerised Accounts.

(4) Internal Audit.

(5) Inadmissible Deductions in Business Income.

(6) Tax Incentivos for (i) Companies (ii) Non-Resident Indians.

(7) Role of Training in Career Development of Students.

(8) A Review of Educational Scheme of the Institute.

(7) Academy of Accounting—Its usefulness.

7. EXAMINATIONS

7.1 The Entrance Examination was held in June, 1984 and December, 1984/January, 1985 at various centres in the country. The Chartered Accountants Intermediate and Final Examinations for both the syllabi (Old and New) were held as usual in May and November, 1984 at various centres all over India. The statistics relating to the number of candidates who appeared and who were declared successful in the said examinations are given in Appendix XII.

The Council is happy to report that for the first time in the history of the Institute a lady candidate Miss Nandita Shah from Bombay secured the first position in November 1983 Final Examination. This performance was repeated by another lady candidate Miss C.V. Sakuntala from Bangalore who secured the first position in the Final Examination held in May 1984. Both these candidates were duly honoured by the award of prizes and also blessed by the then Hon'ble Prime Minister, Smt. Indira Gandhi, at a special function held at her residence on September 18, 1984.

7.2 Prizes and Certificates of Merit

The names of candidates who were awarded prizes and certificates of merit in the examinations held in May and November, 1984 are given in Appendix XIII.

7.3 Action Against Examinees

Seven candidates who were found to have resorted to or attempted to resort to unfair means were debarred from appearing in the examinations for varying periods.

7.4 Final Examination under Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations 1964

As per decision taken earlier by the Council, no Final examination under Schedule 'B' to the C.A. Regulations, 1964, was to be held after examination in May 1985. The council has now decided to extend the holding of the said examination for two more terms namely Nov. 1985 and May 1986. Students who are not able to complete the examination under the old syllabus by May 1986 would be allowed to clear the remaining papers under the new syllabus of the Final Examination. Details with regard to the exemptions from corresponding papers of the Final (New Syllabus) Examination will be notified in due course.

7.5 Entrance Examination—Question Papers also to be provided in Hindi

Commencing from the Entrance Examination to be held in June, 1985, arrangement has been made to provide question papers in English and Hindi.

8. REGIONAL COUNCILS AND BRANCHES OF REGIONAL COUNCILS

8.1 The Council has decided that for the sake of uniformity and administrative convenience, the elections to the Managing Committees of the Branches of Regional Councils should be held every three years in the year in which the elections to the Council and Regional Councils are held. Necessary amendments to the directions of the Council in this regard have been made and the above constituents were advised to hold their annual general meetings between July 1 and 31, 1985 and to elect members of their new Managing Committees. As a result of these changes, the term of the existing Managing Committees would end on September 15, 1985 and the new committees would take charge of their offices with effect from September 16, 1985 so as to be co-terminus with the life of the Regional Councils.

8.2 Buildings for Branches of Regional Councils

With a view to giving impetus to the activities of the branches of regional councils, the Council has decided to encourage them to have buildings of their own. The Council has formulated a scheme under which the branches may collect donations for the acquisition/construction of flats/buildings and the Council will give them a matching grant for this purpose, subject to certain limits. Under this scheme, a proposal for construction of a building at Cochin for the Ernakulam branch of Southern India Regional Council has already been approved. This building will be constructed on a plot of land belonging to the Kerala C.A. Society which has very graciously agreed to transfer the land in the name of the Institute

by way of lease in perpetuity. The Council places on record its appreciation for the kind gesture of Kerala C.A. Society in transferring the land in the name of the Institute.

8.3 Rotating Shield for the Best Branch of the Regional Council

In its effort to activate the branches of Regional Councils and to ensure greater involvement of members of the branches in the affairs of the profession, the Institute has set up certain norms for minimum performance of the branches of Regional Councils, under this scheme, the branches are required to submit quarterly reports of their activities/performance. A Rotating Shield would be awarded annually to the branch which is adjudged to be the best during that year on the basis of their performance and activities undertaken. This shield has been awarded to the Coimbatore branch of S.I.R.C. for the year 1984-85, and this award would be presented at the annual function in September 1985.

8.4 Regional Council/Branches

The addresses of the Regional Councils, the branches of the Regional Councils and the Chapters of the Institute outside India are given in Appendix XIV.

9. FINANCE

The balance-sheet as at March 31, 1985 and the income expenditure & account for the year ended on that date have been approved by the Council. The income and expenditure account shows a surplus of Rs. 37.65 lakhs as against the surplus of Rs. 41.27 lakhs in the preceeding year.

10. APPRECIATION

(a) The Council is grateful to all members of the Institute who functioned as co-opted members of the Institute's committees and non-members who assisted the Council during the year in the conduct of its educational and technical activities and in its examinations.

(b) The Council wishes to place on record its appreciation of the continued assistance and support of the Government and its nominees on the Council, throughout the year.

(c) The Council would also like to acknowledge its appreciation of the sincere and devoted efforts put in throughout the year, by all the officers and staff of the Institute.

R.L. Chopra	P.A. Nair	A.C. Chakrabortti
Secretary	Vice-President	President
New Delhi:		
Dated : September 16, 1985		

APPENDICES TO THE ANNUAL REPORT

APPENDIX I

(Ref Para 11 of the Report)

MEMBERS OF THE COUNCIL—1984-85

Balakrishnan, R	Madras
Banerjee, Bhaskar	Calcutta
Banerji, S K	New Delhi
Chakraborti, A C	Calcutta
Chawla, Brij Lal	New Delhi
Chhajed, S P	Bombay
Darak, V C	Bombay
*Dugar, S M (Dr)	New Delhi
Ghaya, R C	Jaipur
*Hoshing, V R	Bombay
Jain, I C	Bombay
*Jamas, G A (From 1-4-1984)	New Delhi
Kale, Y M	Bombay
Khanna, M M	New Delhi
Kumbhat, Ashok	Madras
Nair, P A	Bombay
Nandagopal, S	Madras
Narayanawamy, G	Madras
Patel, Manubhai G	Ahmedabad
Poddar, N K	Calcutta
*Prasanna Kumar, M (Upto 31-3-1985)	New Delhi
*Row K N (From 1-4-85)	New Delhi
Roy Chowdhury, A	Calcutta
Sampath Kumaran, P T	Madras
Sarda, N P	Bombay
Shah, P N	Bombay
*Singhi, M L (Upto 16-9-1984)	Calcutta
*Sinha, I B (Dr)	Lucknow
Somani, K G	New Delhi
Suresh Babu, D L	Bangalore
*Suri, R C (Upto 30-4-1984)	New Delhi
*Unnayar, M S (Upto 31-3-1984)	New Delhi
Vaish, R C (Dr)	Kanpur
*Nominated by Central Government	

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA—LIST OF COMMITTEES FOR 1984-85

A. STANDING COMMITTEES

Executive Committee

Shri A C Chakraborti, President	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice-President	(Bombay)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)
Shri S K Bansal	(New Delhi)
Shri P T Sampath Kumaran	(Madras)
Shri R L Chopra (Secretary to the Committee)	

Examination Committee

Shri A C Chakraborti, President	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice-President	(Bombay)
Shri R Balakrishnan	(Madras)
Dr J B Sinha	(Lucknow)
Shri K G Somani	(New Delhi)
Shri K Kalyanaraman (Secretary to the Committee)	

Disciplinary Committee

Shri A C Chakraborti, President	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice President	(Bombay)
Dr S M Dugar	(New Delhi)
Shri S Nandagopal	(Madras)
Dr R C Vaish	(Kanpur)
Shri G D Khurana (Secretary to the Committee)	

B. NON-STANDING COMMITTEES

Research Committee

Shri M M Khanna, Chairman	(New Delhi)
Shri Y M Kale, Vice Chairman	(Bombay)
Shri A C Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)
Shri P N Shah	(Bombay)
Shri P J M Panikar	(Bombay)
Shri Y H Molegam	(Bombay)
Shri Uday Khanna	(Bombay)
Shri K Ganesan	(Calcutta)
Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)	

Auditing Practices Committee

Shri Y M Kale, Chairman	(Bombay)
Shri A C Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice President	(Ex-officio)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)
Shri M M Khanna	(New Delhi)
Shri K N Row	(New Delhi)
Shri P R Khanna	(New Delhi)
Shri Y H Molegam	(Bombay)
Shri Samir Ghosh	(Calcutta)
Shri N J Ratnagar	(Madras)
Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)	

Continuing Professional Educational Committee

Shri N K Poddar, Chairman	(Calcutta)
Shri D L Suresh Babu, Vice-Chairman	(Bangalore)
Shri A C Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri R C Ghiya	(Jaipur)
Shri M G Patel	(Ahmedabad)
Dr R C Vaish	(Kanpur)
Shri S Bhattacharyaya	(Calcutta)
Shri H M Dhanra	(Bombay)
Dr N L Dhamja (Secretary to the Committee)	

Accounting Standards Board

Shri N P Sarda, Chairman	(Bombay)
Shri Bhaskar Banerjee, Vice Chairman	(Calcutta)
Shri A C Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Dr S M Dugar	(New Delhi)
Shri G A James	(New Delhi)
Shri K N Row	(New Delhi)
Shri P N Shah	(Bombay)
Shri P J M Panikar	(Bombay)
Shri B L Chawla	(New Delhi)
Shri S Nandagopal	(Madras)
Shri P M Narasimha	(Calcutta)
Shri Mahendra A Parikh	(Bombay)
Shri A Ganguli	(New Delhi)
Shri Joseph Kurian	(Madras)
Shri R S Lodha	(Calcutta)
Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)	

Professional Development Committee

Shri P N Shah, Chairman	(Bombay)
Shri N K Poddar, Vice-Chairman	(Calcutta)
Shri A C Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P A Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri I C Jain	(Bombay)
Shri V R Hoshing	(Bombay)
Shri G. Narayanaswamy	(Madras)
Shri K N Row	(New Delhi)
Shri R N Bansal	(New Delhi)
Shri A K Chakraborty	(Calcutta)
Dr. N L. Dhameja (Secretary to the Committee)	

Board of Studies

Shri A. Roy Chowdhury, Chairman	(Calcutta)
Shri V.C. Darak, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri A.C. Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri R. Balakrishnan	(Madras)
Shri N.P. Sarda	(Bombay)
Shri K.G. Somani	(New Delhi)
Shri T.S. Vishwanath	(New Delhi)
Shri K.C. Mehta	(Baroda)
} Co-opted	
Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Board)	

Taxation Committee

Shri G. Narayanaswamy, Chairman	(Madras)
Shri M.G. Patel, Vice-Chairman	(Ahmedabad)
Shri A.C. Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri S.K. Bansal	(New Delhi)
Shri G.A. James	(New Delhi)
Shri N.K. Poddar	(Calcutta)
Shri A.H. Djal	(Bombay)
Shri G.V. Raman	(Madras)
} Co-opted	
Shri C.R.T. Verma (Secretary to the Committee)	

Company Law Committee

Shri J.C. Jain, Chairman	(Bombay)
Shri D.L. Suresh Babu, Vice-Chairman	(Bangalore)
Shri A.C. Chakraborti, President (Ex-officio)	(Calcutta)
Shri B.L. Chawla	(New Delhi)
Dr. S.M. Dugar	(New Delhi)
Shri S. Nandagopal	(Madras)
Shri S.C. Bafna	(New Delhi)
Shri N.T. Dalal	(Bombay)
} Co-opted	
Shri S.K. Chakraverty (Secretary to the Committee)	

International Affairs Committee

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri M.M. Khanna	(New Delhi)
Shri Ashok Kumbhat	(Madras)
Shri N.K. Poddar	(Calcutta)
Shri P.N. Shah	(Bombay)
Shri B.L. Kabra	(Bombay)
Shri Bansi Mehta	(Bombay)
Shri Y.H. Malegam	(Bombay)
} Co-opted	
Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)	

Expert Advisory Committee

Shri B.L. Chawla, Chairman	(New Delhi)
Shri M.M. Khanna, Vice-Chairman	(New Delhi)
Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri S.K. Bansal	(New Delhi)
Shri A. Roy Chowdhury	(Calcutta)
Shri K.G. Somani	(New Delhi)
Shri S. Kumar	(Bombay)
Shri S.C. Vasudeva	(New Delhi)
} Co-opted	
Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)	

University Liaison Committee

Shri S.P. Chhajed, Chairman	(Bombay)
Shri R.C. Ghiya, Vice-Chairman	(Jaipur)
Shri P.A. Nair, Vice-President (Ex-officio)	(Bombay)
Shri V.C. Darak	(Bombay)
Shri A. Roy Chowdhury	(Calcutta)
Dr. I.B. Sinha	(Lucknow)
Shri P. Mitra	(Calcutta)
Shri P.D. Khanna	(Bombay)
} Co-opted	
Dr. N.K. Aggrawal (Officiating Secretary to the Committee)	

General Purposes Committee

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)
Shri S.K. Bansal	(New Delhi)
Shri P.T. Sampath Kumaran	(Madras)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

Ethical Standards Committee

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri S.P. Chhajed	(Bombay)
Dr. S.M. Dugar	(New Delhi)
Shri G. Narayanaswamy	(Madras)
Shri P.T. Sampath Kumaran	(Madras)
Dr. R.C. Vaish	(Kanpur)
Shri G. Banerjee (Secretary to the Committee)	

Committee on Public Relations

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri R.C. Ghiya	(Jaipur)
Shri V.R. Hoshing	(Bombay)
Shri Ashok Kumbhat	(Madras)
Shri P.N. Shah	(Bombay)
Shri M.M. Chitale	(Bombay)
Shri P.S. Kumar	(Madras)
} Co-opted	
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

Committee for Unjustified Removal of Auditors

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Dr. S. M. Dugar	(New Delhi)
Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee)	

Editorial Board

Shri A.C. Chakraborti, Editor-in-Chief	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Joint Editor	(Bombay)
Shri R. Balakrishnan	(Madras)
Shri V.C. Darak	(Bombay)
Shri P.N. Shah	(Bombay)
Shri K.G. Somani	(New Delhi)
Shri Narayan Varma	(Bombay)
Shri Ravi J. Daruwala	(Bombay)
} Co-opted	
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

I.C.A.I.—I.C.W.A.I. Co-ordination Committee

Shri A.C. Chakraborti, Leader	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Deputy Leader	(Bombay)
Shri B.L. Chawla	(New Delhi)
Shri S.P. Chhajed	(Bombay)
Shri Ashok Kumbhat	(Madras)
Shri A. Roy Chowdhury	(Calcutta)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

I.C.A.I.—I.C.S.I. Co-ordination Committee

Shri A.C. Chakraborti, Leader	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Deputy Leader	(Bombay)
Shri S.P. Chhajed	(Bombay)
Shri K.G. Somani	(New Delhi)
Dr. R.C. Vaish	(Kanpur)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

Regional Language Committee

Shri A.C. Chakraborti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri M.M. Khanna	(New Delhi)

Shri G. Narayanaswamy	(Madras)
Shri M.G. Patel	(Ahmedabad)
Shri P.N. Shah	(Bombay)
Dr. I.B. Sinha	(Lucknow)
Shri D.L. Suresh Babu	(Bangalore)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	

Committee for Review of Education & Training

Shri A.C. Chakrabortti, Chairman	(Calcutta)
Shri P.A. Nair, Vice-Chairman	(Bombay)
Shri P.N. Shah	(Bombay)
Shri P.J.M. Panikar	(Bombay)
Shri A. Roy Chowdhury	(Calcutta)
Shri Ashok Kumbhat	(Madras)
Shri M.G. Patel	(Ahmedabad)
Shri Bansi S. Mehta	(Bombay)
Shri P.K. Mallik	(Calcutta)
Shri S.K. Agarwal	(New Delhi)
Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Committee)	

APPENDIX II

(Ref. Para 3.8(a) of the Report)

DETAILS OF THE SEMINARS/COURSES ORGANISED BY THE C.P.E. COMMITTEE

Sr. No.	Programme	Place	Date
1.	Seminar on "Computer Applications in Accounts and Audit".	Madras	6th & 7th October 1984.
2.	Programme on "Financial Management and Management Accounting" in collaboration with Department of Personnel and Administrative Reforms, Govt. of India.	New Delhi	15th October 1984 to 3rd Nov. 1984
3.	Seminar on "Financial Management and Taxation".	Poona	18th November, 1984
4.	Joint Professional Programme on "Aspects of Corporate Finance & Law" in collaboration with the Institute of Company Secretaries of India.	Madras	4th & 5th May, 1985
5.	Seminar on "New Dimensions in Mna Management Accounting".	Bangalore	1st & 2nd June, 1985
6.	Seminar on "Computer Applications in Accounts and Audit".	Bombay	10th & 11th August, 1985

APPENDIX III

(Ref. Para 3.8(b) of the Report)

RESULTS OF MANAGEMENT ACCOUNTANCY COURSE (PART I) EXAMINATION

	May 1984	November 1984	May 1985
Both Groups			
Candidates appeared	15	8	14
Candidates passed	2	1	2
Percentage	13.33	12.5	14.28

Group I

Candidates appeared	17	21	17
Candidates passed	5	7	2
Percentage	29.41	33.33	11.76

Group II

Candidates appeared	6	5	8
Candidates passed	6	2	2
Percentage	100	40	25

APPENDIX IV

(Ref. Para 3.8(c) of the Report)

RESULTS OF CORPORATE MANAGEMENT COURSE (PART I/II) EXAMINATION

	May 1983	November 1984	May 1985
Part I			
Candidates appeared	2	No examination was held	
Candidates passed	—		
Percentage	—		
Part II			
		No examination was held	

APPENDIX V

(Ref. Para 3.10(c) of the Report)

GUIDANCE NOTE FOR MEMBERS HOLDING CERTIFICATE OF PRACTICE ACCEPTING DIRECTORSHIPS IN COMPANIES

The Council's attention has been drawn to the fact that more and more companies are appointing chartered accountants as Directors on their Boards. The prospectus or public announcements issued by those companies often publish descriptions about the chartered accountants' expertise, specialisation and knowledge in any particular field or add appellations or adjectives to their names. Attention of the members in this context is invited to the provisions of Clauses (6) and (7) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, which are reproduced hereunder :

"A Chartered Accountant in practice shall be deemed to be guilty of professional misconduct, if he—

(6) solicits clients or professional work directly or indirectly by circular, advertisement, personal communication or interview or by any other means;

(7) advertises his professional attainments or services, or uses any designation or expression other than chartered accountant on professional documents visiting cards, letter heads or sign boards, unless it be degree of a University established by law in India or recognised by the Central Government or a title indicating membership of the Institute of Chartered Accountants or of any other institution that has been recognised by the Central Government or may be recognised by the Council".

In order that the inclusion of the name of a member of the Institute in the prospectus or public announcements or other public communications issued by the companies in which the member is a Director do not contravene the above noted provisions, it is necessary that the members should take necessary steps to ensure that such prospectus or public announcements

Ref. No. AR-II/37EE/10277/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Minoo Builders (Transferor)
2. Mrs. Shashikala C. Kotwal (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 602, 6th floor, MINOO MINER, Veera Desai Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10277/84-85 on 25-8-1984.

Date : 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश स. आई-2/37/ईई/10281/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 501 जो, 5 वी मंजिल, "बी" विंग, बी-इमारत अटिबेक अपार्टमेंट, इ. एस. आर. सी. नगर के पीछे 4 बगलोज वसोंवा बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए .

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स ओमप्रकाश एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
2. श्री किरण रामसे। (अन्तरिती)
3. अन्तरकों।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

Constituency comprising the States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Orissa, West Bengal, Manipur, Tripura and Sikkim and the Union Territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and the Andaman & Nicobar Islands

1. Shri Banerjee, Bhaskar
2. Shri Chakraborty, Amal Kumar
3. Shri Das Gupta, Santosh Kumar
4. Shri Poddar, Nirmal Kumar

Constituency comprising the States of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Rajasthan

1. Shri Bhandari, Surendra Singh
2. Dr. Vaish, Ramesh Chandra

Constituency comprising the States of Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Punjab and the Union Territories of Delhi and Chandigarh

1. Shri Agarwal, K.M.
2. Shri Somani, Kishan Gopal
3. Shri Vasudeva, Subhash Chander
4. Shri Vishwanath, T.S.

II. NAMES OF THE MEMBERS WHO HAVE BEEN ELECTED TO VARIOUS REGIONAL COUNCILS OF THE INSTITUTE

WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Gujarat & Maharashtra and the Union Territories of Goa, Daman & Diu & Dadra & Nagar Haveli)

1. Shri Agrawal, Omprakash Shivchand
2. Shri Bhide, Vaman Shankar
3. Shri Chandak, Ashok Kumar Kishangopalji
4. Shri Chaturvedi, Madan Mohan
5. Shri Doshi, Prakash Jayantilal
6. Shri Ghadiali, Pankaj Chimanlal
7. Shri Goyal, Govind Prasad
8. Shri Haribhakti, Shailesh Vishnubhai
9. Shri Joshi, Pradeep Dinkar
10. Shri Khare, Ram Ganesh
11. Shri Patchigar, Rupin Ramchandra
12. Shri Patel, Chandrakant Fulabhai
13. Shri Rathi, Jugalkishor Shrinivasji
14. Shri Sarda, Brij Mohan
15. Shri Shah, Dilip Mahendrabhai
16. Shri Thakkar, Suresh Shantilal
17. Shri Zaware, Shiwaji Bhikaji

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Andhra Pradesh, Kerala, Karnataka, Tamil Nadu and the Union Territories of Pondicherry and the Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands)

1. Shri Arjunaraj, A.
2. Shri Balasubramanian, A.
3. Shri Bhat, Mittur Bheema
4. Shri Bhawarlal Nahar, A.
5. Shri Devdas, K.C.
6. Shri Koteswara Rao, S.S.R.
7. Shri Ostawal, Jeevraj
8. Shri Pottokaran, Jose
9. Shri Ramasubramanian, K.N.
10. Shri Ram Kumar, T.P.
11. Shri Santhana Krishnan, P.B.
12. Shri Vijayaraghavan, S.

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Orissa, West Bengal, Manipur, Tripura and Sikkim and the Union Territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and the Andaman & Nicobar Islands)

1. Shri Bhattacharjee, Arunangshu
2. Shri Chaudhuri, Amitabha Datta
3. Shri Gangopadhyay, Aruniyoti
4. Shri Jain, Kailash Chand
5. Shri Khandolwal, Kashi Prasad
6. Shri Khanna, Rajesh Kumar
7. Shri Roy Choudhury, Sandip Kumar

CENTRAL INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Rajasthan)

1. Shri Bandi, Sudarshan Kumar
2. Shri Choudhary, Digamber
3. Shri Dhoot, Krishna Kumar
4. Shri Goyal, Sunil
5. Shri Kasera, Rajesh

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir and Punjab and the Union Territories of Delhi and Chandigarh)

1. Shri Chopra, Amarjit
2. Shri Gulati, Sunil Kumar
3. Shri Gupta, N.D.
4. Shri Jain, Nem Chand
5. Shri Khanna, Anil Kumar
6. Shri Manu Chadha
7. Shri Mehra, Vivek
8. Shri Singhvi, Rajendra Singh

APPENDIX VIII

(Ref. Para 5.1 of the Report)

STATISTICS—MEMBERS AS ON 1-4-1985

FELLOWS	In Full time Practice	9,529	
	In Part time Practice	1,429	
	Not in Practice	1,059	12,017
ASSOCIATES	In Full time Practice	9,580	
	In Part time Practice	4,520	
	Not in Practice	10,301	24,401
Grand Total			36,418

Region	FELLOWS			Total of Col. 2, 3&4	ASSOCIATES			Total of Col. 6, 7 & 8	Grand Total of Col. 5 & 9
	IN PRACTICE		Not in Practice		IN PRACTICE		Not in Practice		
	In Full time Practice	In Part time Practice			In full time Practice	In Part time Practice			
1	2	3	3	5	6	7	8	9	10
I	3,125	616	379	4,120	3,322	2,190	2,960	8,472	12,592
II	2,332	273	228	2,833	2,049	841	3,376	6,266	9,099
III	1,453	199	189	1,841	993	489	1,986	3,468	5,309
IV	0,947	152	72	1,171	980	303	693	1,976	3,147
V	1,672	189	191	2,052	2,236	697	1,286	4,219	6,271
	9,529	1,429	1,059	12,017	9,580	4,580	10,301	24,401	36,418

APPENDIX IX

(ref. Para 5.2 of the Report)

DISCIPLINARY ACTION AGAINST MEMBERS

Failure to Pay Stipend to Articled Clerks in Accordance
with Regulation 32B

A member was found guilty of professional misconduct within the meaning of Section 21 of the Chartered Accountants, Act 1949 read with Clause (i) of Part II of the Second Schedule to the said Act for (a) having failed to pay stipend to his articled clerk in accordance with the provisions of Regulations 32B of the Chartered Accountants regulation, 1964 and for (b) having not regulated his working hours as prescribed under Regulation 45 of the above regulations. The Council recommended to the High Court that the Respondent be reprimanded. The High Court partly upheld the finding of the Council inasmuch as the Respondent contravened Regulation 32B of the Chartered Accountants Regulations, 1964 and administered a reprimand to the member.

(For full details please see pages 912-915 of May, 1985 issue of "The Chartered Accountant")

882 GI/85-7

APPENDIX X

(Ref. para 5.3 of the Report)

STATEMENT OF REMOVAL OF NAMES FROM
THE REGISTER OF MEMBERS DURING 1984-85

A. On Account of Death

Sl. No.	M. No.	Name	Place	Date of Removal
1	2	3	4	5
1.	171	B.C. Abhyankar	Bombay	10-7-84
2.	258	K. Venkatasubbiah Naidu	Madras	4-4-84
3.	313	B. Bakthavatslu Naidu	Madras	21-10-84
4.	370	Sushil Kumar Mukhopadhyaya	Calcutta	7-3-84
5.	390	B.D. Jokhakar	Bombay	13-2-84
6.	418	K.V. Rajaratnam Chetty	Madras	19-12-84
7.	498	A.S. Thakar	Bombay	1-6-84
8.	624	M.B. Bharti	Bombay	25-11-84
9.	685	A.K. Ghosh	Calcutta	11-2-84
10.	875	H.K. Shah	Calcutta	17-7-84
11.	966	M.D. Desai	Bombay	26-3-84

1	2	3	4	5
12.	987 A.K. Sainbasiva Ayyar	Madras	2-10-84	
13.	1035 P.N. Mukarjia	Calcutta	22-10-84	
14.	1071 R.D. Desai	Bombay	25-7-84	
15.	1157 V.M. Motta	Bombay	21-4-84	
16.	1163 K.D. Ray	Calcutta	19-11-84	
17.	1344 M.C. Chudawala	Bombay	21-2-84	
18.	1415 H.B. Mondal	Calcutta	4-1-85	
19.	1486 N.S. Ramanatham	Bangalore	9-12-84	
20.	1611 V.G. Duttia	Ratlam	1-7-84	
21.	1813 P.K. Krishna Rao	Madras	11-10-84	
22.	1916 Wilham Marti	Singapore	1-2-83	
23.	1972 T.S. Vaidyanatha Iyar	Trichur	17-4-84	
24.	2604 N. Sankaran	Tirunelveli	13-11-84	
25.	2605 G. Venugopal Kamath	Cochin	17-6-84	
26.	2990 S.M. Ramanathan	Ipoh (W)		
		Malaysia	5-9-83	
27.	3145 V.M. Bastawala	Bombay	26-12-83	
28.	3235 C.V. Variki	Hyderabad	6-8-84	
29.	3301 Putha Venkata Rama Sharma	Secunderabad	13-12-84	
30.	3315 Pashupati Nath Jha	Calcutta	13-1-85	
31.	3420 M. Balasubramani	Madras	30-12-84	
32.	3500 D.S. Nisbat Desai	Hibli	27-5-84	
33.	3589 K.T. Jacob	Cochin	12-1-84	
34.	4237 C.V. Sharma	Hyderabad	28-5-84	
35.	4583 K.V. Seshagiri Rao	Hyderabad	6-9-84	
36.	4641 N.C. Roychoudhary	Calcutta	9-3-84	
37.	4857 D.R. Thakkar	Bombay	11-11-83	
38.	4961 K.R. Nagarajan	Quilon	16-1-84	
39.	4972 N.K. Hansuka	Jaipur	6-3-84	
40.	5000 R.P. Basu	Calcutta	12-10-84	
41.	5208 R.P. Banerje	Bombay	12-2-84	
42.	5294 M.M. Bharania	Parbhaddar	7-11-84	
43.	5314 P. Venkata Rao	Bangalore	27-11-84	
44.	5557 Dilcep Kumar Das	Calcutta	31-8-83	
45.	6132 G.D. Singhvi	Bombay	7-11-84	
46.	6934 K.S. Saxena	Fardabad	4-3-84	
47.	7376 T.R. Krishnamoorthy	Madras	21-7-84	
48.	7407 Vinod Kumar Khindaria	New Delhi	16-3-84	
49.	7568 C.D. Amin	Baroda	25-11-84	
50.	7761 T.V.G. Srinivasa Rao	Nizamabad	17-10-84	
51.	7987 R.J. Jain	Calcutta	1-10-84	
52.	8048 B.N. Ghosh	Calcutta	3-9-84	
53.	13364 K.L. Basu	Calcutta	11-1-84	
54.	14232 Narinder Kumar Sabbherwal	New Delhi	21-10-84	
55.	14582 R.L. Kabra	Mandsaur	19-10-84	
56.	15038 V.G. Shanbhogue	Panaji Goa	5-9-84	
57.	15224 D.R. Bohra	Jaipur	29-4-84	
58.	17130 C.S. Thakur	Pune	26-8-84	
59.	20083 Paras Mal Katariya	Bangalore	24-7-84	
60.	20733 G. Venkata Reddy	Visakhapatnam	22-1-85	
61.	34944 R.L. Pinge	Baroda	18-4-84	
62.	50494 Vinod Kumar Parock	Calcutta	26-5-84	
63.	70061 A.K. Bose	Calcutta	7-8-84	
64.	81610 A.N. Nagappa	Bangalore	7-7-84	

(II) Intermediate (New Syllabus) Examination—May, 1984 :

Total number of candidates appeared in Group I	11263
No. of candidates declared successful in Gr. I	1770
Percentage	15.72
Total No. of candidates appeared in Gr. II	14267
No. of candidates declared successful in Gr. II	2107
Percentage	14.77
Total No. of candidates appeared in Both Groups	5485

No. of candidates declared successful in Both Groups	396
Percentage	7.22

(III) Final (Old Syllabus) Examination—May, 1984 :

Total No. of candidates appeared in Gr. I	1512
No. of candidates declared successful in Gr. I	146
Percentage	9.66
Total No. of candidates appeared in Gr. II	1192
No. of candidates declared successful in Gr. II	99
Percentage	8.31
No. of candidates appeared in Both Groups :	419
No. of candidates declared successful in Both Groups :	3
Percentage	.72

(IV) Final (New Syllabus) Examination—May, 1984 :

Total No. of candidates appeared in Gr. I	3892
No. of candidates declared successful in Gr. I	1987
Percentage	51.05
Total No. of candidates appeared in Gr. II	4715
No. of candidates declared successful in Gr. II	1626
Percentage	34.49
Total No. of candidates appeared in Gr. III	5785
No. of candidates declared successful in Gr. III	2089
Percentage	39.53
Total No. of candidates appeared in All Grs.	1140
No. of candidates declared successful in All Grs.	150
Percentage	13.16

APPENDIX XI

(Ref. Para 6.3 (a) of the Report)

	Inter	Final		
		I	II	III
No of candidates who were enrolled on 1-4-84	23,470	15,374	15,358	12,809
Enrolled during the year 1984-85	9,289	3,513	3,513	3,513
	32,759	18,887	18,871	16,322
No. of students who completed tuition in the year 1984-85 (May & Nov. 1984 Exams.)	(-),7,496	3,213	3,214	3,221
BALANCE	25,263	15,674	15,657	13,101

APPENDIX XII

(Ref. Para 7.1 of the Report)

SUMMARY OF RESULTS

EXAMINATIONS HELD IN MAY/JUNE, 1984

(I) Entrance Examination—June, 1984 :

Total number of candidates	4561
Total number of candidates declared successful	639
Percentage	14.01

APPENDIX XIII

(Ref. para 7.2 of the Report)

PRIZE AND CERTIFICATES OF MERIT FINAL EXAMINATION BEST STUDENT FOR THE YEAR 1984

Shri Sanit Dirajlal Shah was awarded the following Prizes:

- (i) G.P. Kapadia (1st President) Prizo.
(ii) The Ramachandra Singhi Prize for the best candidate.

- (iii) The G Basu Foundation Award for the best student.
 (iv) The N N Das Prize for the best student
 (v) The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I
 (vi) The U C Majumdar Prize and S M Shah Prize for the best paper on Company Law
 (vii) The P N Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II
 (viii) Certificate of Merit—1st Rank

INTERMEDIATE EXAMINATION**Best Student of the Year, 1984**

Shri Jayen V Palekar awarded the following Prizes

- (i) The G P Kapadia (1st President) Prize
 (ii) The Suri Memorial Prize for the best student of the year, 1984
 (iii) Certificate of Merit—1st Rank

FINAL EXAMINATION

	May, 1984	November, 1984
1. The G P Kapadia (1st President) Prize	Miss C V Shkuntala	Sunil Dhirajlal Shah
2. The Ramachandra Singh Prize for the best candidate	Miss C V Sakuntala	Sunil Dhirajlal Shah
3. The Sir Shapoorji Bilmoria Prize for the best paper on Accountancy	K R Pradeep	Samir Kumar K Pandya
4. The J K Doshi Prize for the highest marks in the paper of Financial Management	Suriya Kar	Kailash Chand Bhansali
5. The A F Ferguson Prize and the R Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing	Alok Sethi	B Srikanth
6. The Kerala Verma Prize for the best candidate in Gr I	Shrirang Moreshwar Kulkarni	Sunil Dhirajlal Shah
7. The U C Majumdar Prize and the S M Shah Prize for the best paper on Company Law	K Venkata- man Nivarthi S Chandra Sekaran	Sunil Dhirajlal Shah
8. The N M Shah Prize and Suri Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws.	Miss C V Sakuntala	Balasubramanian Ganeshan Ayyar
9. The Venkatachalam Mohan Prize for the best paper on Eco	Anupam Haldar	A Nageswaran
10. The P N Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II	Nitin Bhas- kar Karve	Sunil Dhirajlal Shah
11. The Jayantilal K Thakkar Memorial Prize for the best candidate who secures the second highest marks in the Final Exam.	Sumant Chadha	B. Srikanth
12. The R V K Umarjee Prize for the best paper on Cost Accounting.	Kamini Nayar and Nalin Bhandari	Balasubramanian Ganeshan Ayyar

13. The R Sivabhogam Prize for the best lady candidate	Miss C V Sakuntala	Miss Abhas Aziza
14. The G Basu Foundation Award for the best student for the year, 1984		Sunil Dhirajlal Shah
15. The N N Das Prize for the best student of the year, 1984 in Accountancy Groups		Sunil Dhirajlal Shah

EXAMINATIONS HELD IN NOVEMBER/DECEMBER 1984**(I) Entrance Examination—December, 1984**

Total Number of candidates	10993
No of candidates declared successful	2715
Percentage	21.67

(II) Intermediate (New Syllabus) Examination—Nov. 1984

Total No of candidates appeared in Gr I	12936
No of Candidates declared successful in Gr I	3261
Percentage	25.21
Total No of Candidates appeared in Gr II	16597
No of candidates declared successful in Gr II	2992
Percentage	18.03
Total No of candidates appeared in Both Groups	6903
No of candidates declared successful in both Grs.	900
Percentage	13.04

III Final (Old Syllabus) Examination—November, 1984

Total No of candidates appeared in Group I	1580
No of candidates declared successful in Group I	32
Percentage	2.03
Total No of candidates appeared in Group II	1197
No of candidates declared successful in Gr II	116
Percentage	9.69
Total No of candidates appeared in Both Groups	468
No of candidates declared successful in Both Groups	7
Percentage	1.49

IV Final (New Syllabus) Examination—November, 1984

Total No. of candidates appeared in Group I	3819
No. of candidates declared successful in Group I	1708
Percentage	44.72
Total No. of candidates appeared in Gr II	4629
No of candidates declared successful in Gr II	1556
Percentage	33.62
Total No of candidates appeared in Gr III	5287
No of candidates declared successful in Gr III	2635
Percentage	49.84
Total No of candidates appeared in All Groups	1236
No. of candidates declared successful in All Groups	289
Percentage	23.38

APPENDIX XIV

(Ref para 8.4 of the Report)

REGIONAL COUNCILS, BRANCHES AND CHAPTERS OF THE INSTITUTE**WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL**

"Anveshak",
 27, Cliffe Parade,
 Colaba,
 Bombay—400005

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

122, Nungambakkam High Road,
 P B. 3314
 Madras—600034.

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

7, Russell Street,
Calcutta—700001

CENTRAL INDIA REGIONAL COUNCIL

16/77, Civil Lines,
Behind Reserve Bank of India,
The Mall,
Kanpur—208001

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

5th Floor, "Annexe",
The Institute of Chartered Accountants
of India,
Indraprastha Marg, P B No 7100,
New Delhi—110001

BRANCHES

Ahmedabad Branch	B-1, Capital Commercial Centre, Near Sanyas Ashram, Ashram Road, Ahmedabad-380009	Calcutt Branch	"Pelsedhe" Plaza, Calcutt—673004
Baroda Branch	10, Chandan Building, 2nd Floor, Near Saidar Bhawan, Raopura, Baroda—390001.	Coimbatore Branch	M M S Memorial Building, No 1, Diwan Bahadur Road, Coimbatore—641002
Goa Branch	Datta Prasad 3rd Floor, A Albuquerque Road, Panjim—Goa	Ernakulam Branch	XXIII/204, Madapparambil Buildings, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin—682011.
Kolhapur Branch	1604, E Ward, Datta Prasad, Rajaram Puri, 5th Lane, Kolhapur—416002.	Guntur Branch	Srinivasa Buildings, Main Road, Arundelpet, Guntur—522002
Nagpur Branch	Dr Mangrulkar's Bungalow, Dhantoli Park Corner, Nagpur—440012	Hyderabad Branch	C/o, FAPCCI, 11 6 841, Red Hills, P B No 14, Hyderabad—500004
Nasik Branch	C/o Shri S N Kulkarni, 59, Main Road, Shende Building, Nasik—422001.	Kottayam Branch	Union Buildings, Municipal Junction, Kottayam—686001
Poona Branch	C/o M/s Kirtane & Pandit, Chartered Accountants, 576, Sadashiv Peth, Laxmi Road, Pune—411030.	Kumbakonam Branch	Gopal Rao Library Complex, Town Hall Road, Kumbakonam—612001.
Rajkot Branch	2nd Floor, Kamdhenu, Near Moti Tanki, Rajkot—360001.	Madurai Branch	50 B, Pechiarman Padithurai Street, Madurai—625001
Surat Branch	C/o M/s Y B Desai & Co. "Vasudhara", Chamber 3, 3rd Floor, Parsi Sheri Navapura, Surat—395003	Mangalore Branch	Udaya Primary Building, Mangalore—575003.
Solapur Branch	C/o Shri S N Tulpule, 654/1, South Kashba, Solapur—413007	Mysore Branch	4581, Narasimharaja Mohalla, Mysore—570007.
Alleppey Branch	Behind District Cooperative Bank Building, Palace Road, Alleppey—688001.	Salem Branch	Town Railway Station Road, Salem—636001.
Bangalore Branch	No 19, 1st Cross, 11nd Floor, Lal Bagh Fort Road, Bangalore—560004	Tiruchirappalli Branch	No 35, Chinnakada Street, 3rd Floor, Room No 3, Tiruchirappalli—620002.
Belgaum Branch	2nd. Floor, Hari Mandir, Saraswat Samaj Building, Samadevi Gali, Belgaum—590002.	Tirunelveli Branch	C/o Shri P.V. Ramachandran, 12, Sripuram, Tirunelveli—627001.
		Trichur Branch	Bharadwaja Ashramam, Patturaikkai, Trichur—1.
		Trivandrum Branch	Ulsave Madom Building, North of Padmanabaha Swamy Temple, Fort, Trivandrum—695023.
		Vijayawada Branch	26-13-31, Sanyasiraju Street, Gandhi Nagar, Vijaywada—520003.
		Visakhapatnam Branch	Sripuram, Visakhapatnam—530003
		Asansol Branch	G T Road, (West End), Opp LIC Building, Asansol, Distt. Burdwan.
		Bhubaneswar Branch	Plot No 265, Sahid Nagar, Bhubaneswar—751007.
		Gauhati Branch	Ambari, Gauhati—781001.
		Agra Branch	9/12, Sitar, Gali, Moti Katra, Agra
		Bhopal Branch	111, Malviya Nagar, Bhopal—462003.

Ghaziabad Branch	C/o M/s. Ravi Kumar & Co., 58, G.T. Road, Punjab & Sind Bank Building, Ghaziabad—201001	Allahabad Branch	C/o Shri S.H. Jain, General Manager (Finance), Bharat Pumps & Compressors Ltd. Naini, Allahabad—211010.
Indore Branch	123, Jawahar Marg, Indore—452002.	Amritsar Branch	103, J & K Bank Building, Shastri Market, Amritsar.
Jaipur Branch	19, Yudhister Marg, C—Scheme, Jaipur—302001	Chandigarh Branch	C/o Charan Dase & Co SCO, 89/91, Kushal Building, Sector 17-D, Chandigarh—160017
Jamshedpur Branch	91, Straight Mile Road Sekchi, Jamshedpur—831001	Faridabad Branch	C/o M/s L.N. Chaudhary & Co., 7, Incelam Chowk, 1st Floor, Faridabad—121001
Jodhpur Branch	Opp Stadium Ground, Jodhpur	Jalandhar Branch	C/o M/s V.P. Vohra & Co., Opp Government High School, Civil Lines, Jalandhar City—144001
Lucknow Branch	Reid Hall, Lucknow Christian College, Goleganj, Lucknow	Ludhiana Branch	C/o Jam Subhash & Co B-1 615/3, Kundanpuri, Dr. Baidya Ban Road, Civil Lines, Ludhiana—141001.
Patna Branch	C/o R.N. Mishra & Co Rizvi House, Jamal Road, Patna—800001.	CHAPTERS	
Raipur Branch	C/o G.S. Agarwal & Co., Chartered Accountants, Bagadia Mansion, Jawahar Nagar, Raipur—492001.	Doha Chapter	Post Box No. 164 Doha, Qatar.
Udaipur Branch	66, Panchsheel Marg, Near Town Hall, Udaipur—313001.	Dubai Chapter	Post Box No. 1961, Dubai, U.A.E.
		Abu Dhabi Chapter	C/o Shri Rana Maitra, M/s S.R. Batliboi & Co Post Box No. 7365, Abu Dhabi-U.A.E.

ANNUAL ACCOUNTS

1984-85

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet of the Institute of Chartered Accountants of India as at March 31, 1985 and also the annexed Income & Expenditure Account for the year ended on that date incorporating the audited Accounts of the regional Councils and Branches and the Students' Associations and their Branches and report that:—

1. We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit,
2. The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account dealt with by the report are in agreement with the books of accounts;
3. In our opinion, the accounts are maintained in conformity with the requirements of the Chartered Accountants Act, 1949; and

4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements together with the schedules attached and read with notes give a true and fair view;

(i) in the case of the Balance Sheet of the state of affairs as at March 31, 1985; and

(ii) in the case of the Income & Expenditure Account, of the Surplus or the year ended on that date.

New Delhi

Dated : Sep. 9, 1985

M.R. Venkataraman, C. P. Mehra

Chartered Accountants

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI ACCOUNTING POLICIES

1. Depreciation : Fixed assets are shown on historical cost basis and have been depreciated on the diminishing balance method. Library books at the Head Office have been depreciated on the straightline method.
2. The admission fee from fellow members and a major portion of the entrance fee received from associate members are capitalised. An appropriate portion of the surplus arising out of students activities is transferred to Education Fund and to the extent this fund is utilised on fixed assets, transferred to Capital Reserve.
3. Inventories of paper, publications and study materials are valued at lower of cost or net realisable value for this purpose cost is ascertained on the basis of direct cost method.
4. Provision for Gratuity to staff is made on accrual basis. A gratuity-cum group insurance policy has been taken from the Life Insurance Corporation of India. Any shortfall in the payment of gratuity is debited in the year of payment.
5. Investments have been valued at cost.
6. Income from Seminars, Symposiums and Conferences has been accounted for on cash basis.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 1985

	Schedule	Rs.	31-3-85 Rs.	31-3-84 Rs.	Rs.
Funds Employed :					
(1) Fixed Assets					
Gross Block		210,58,627		188,10,935	
Less : Depreciation		74,77,244		64,23,231	
Net Block	A		135,81,383		123,87,704
(2) Earmarked Investments	B		48,73,388		50,38,233
(3) Other Investments :					
(a) Fixed Deposits with Banks		169,84,268		156,77,648	
(b) Govt. Securities		2,506	169,86,774	2,506	156,80,154
(4) Net Current Assets	C		(—)3,84,221		(—)37,27,808
			350,57,324		293,78,283
Financed By :					
(1) Capital Reserve	D		187,76,877		149,97,879
(2) General Reserve	E		99,20,632		78,78,052
(3) Other Reserves	F		14,86,427		14,64,119
(4) Earmarked Funds	G		48,73,388		50,38,233
			350,57,324		293,78,283

NOTE : FORMING PART OF THE ACCOUNTS AS AT MARCH 31, 1985 :

Accounts of one Students' Association and six branches of Students' Associations have not been received and hence not incorporated. However, the grants/fee paid/payable during the year of the above branches have been accounted for.

P.C. Jain
Sr. Deputy Secretary
New Delhi.
Sept. 9, 1985

R.L. Chopra
Secretary

A.C. Chakrabortti
President

As per our Report of even date
attached

P.A. Nair
Vice-President

M.R. Venkataraman, C.P. Mehra
Chartered Accountants

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1985.

	1984-85	1983-84
	Rs.	Rs.
I. INCOME—Schedule H		
(a) Members		
(i) Regulatory	102,60,411	89,71,051
(ii) Professional Development & Research	14,76,081	8,61,923
	117,36,492	98,32,974
(b) Students	216,97,222	175,37,953
TOTAL :	334,33,714	273,70,927
II. EXPENDITURE—Schedule I		
(a) Member		
(i) Regulatory	34,95,376	25,61,130
(ii) Professional Development & Research	79,04,983	66,13,419
	114,00,359	91,74,549
(b) Students	182,68,688	140,69,183
TOTAL :	296,69,047	232,43,732
III. SURPLUS for the year :—		
(i) Transferred to Education Fund	17,14,267	17,34,385
(ii) Transferred to General Reserve	20,50,400	23,92,810
	37,64,667	41,27,195
TOTAL :	334,33,714	273,70,927

P.C. Jain
Sr. Deputy Secretary

R.L. Chopra
Secretary

A.C. Chakrabortti
President
P.A. Nair
Vice-President

As per our Report of even date attached
M.R. Venkataraman, C.P. Mehra
Chartered Accountants

Sept. 9, 1985.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'A'—FIXED ASSETS

(Amount in Rupees)

Sl. No.	Assets	Cost as at 1-4-1984	Adjustments Relating to branches	Additions during the year	Cost as at 31-3-1985	Depreciation as at 31-3-1985	Book value as at 31-3-1985	Book value as at 31-3-1984
1.	Land	4,58,241	—	3,56,832	8,15,073	—	8,15,073	4,58,241
2.	Buildings	94,77,965	—	2,80,630	97,58,595	16,87,723	80,70,872	79,97,186
3.	Electric Installations & Fittings	11,58,859	—	81,774	12,40,633	6,83,945	5,56,688	5,42,360
4.	Air Conditioning Installations	12,27,428	—	2,53,689	14,81,117	8,06,799	6,74,218	5,42,172
5.	Lifts	2,84,041	—	—	2,84,041	1,45,701	1,38,340	1,52,711
6.	Furniture & Fixtures	24,17,224	(—)5,802	5,95,733	30,07,155	13,09,382	16,97,773	13,12,840
7.	Office Equipment	11,00,984	356	1,82,303	12,83,643	7,46,558	5,37,085	4,59,554
8.	Vehicle	76,985	—	—	76,985	37,569	39,416	49,270
9.	Library	26,09,208	(—)484	5,02,661	31,11,385	20,59,567	10,51,818	8,72,370
TOTAL :		1,88,10,935	(—)5,930	22,53,622	2,10,58,627	74,77,244	1,35,81,383	1,23,87,704

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'B'—EARMARKED INVESTMENTS

(Amounts in Rupees)

	Fixed Deposits with Banks		Balance in other Bank Accounts		Govt. Securities		Total	
	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984	31-3-1985	31-3-1984
(A) Education Fund Investments								
Total (A)	26,30,413	31,38,726	—	—	—	—	26,30,413	31,38,726
(B) Other Earmarked Investments								
(a) Research Fund	6,80,250	6,78,994	—	(—)567	—	—	6,80,250	6,78,427
(b) Medals & Prizes Fund	1,95,534	1,57,117	25,088	23,970	80,025	80,025	3,00,647	2,61,112
(c) Scientific Research Fund	2,24,654	2,24,654	4,028	4,028	—	—	2,28,682	2,28,682
(d) Others	9,81,155	7,13,668	52,241	17,618	—	—	10,33,396	7,31,286
TOTAL : (B)	20,81,593	17,74,433	81,357	45,049	80,025	80,025	22,42,975	18,99,507
GRAND TOTAL (A+B)	47,12,006	49,13,159	81,357	45,059	80,025	80,025	48,73,288	50,38,233

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'C'—NET CURRENT ASSETS

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1985	31-3-1984
Current Assets :		
(a) Publications, Supply Materials & Stationery	28,42,017	25,02,467
(b) Amounts Receivable :		
(i) Interest on Investments	8,61,230	7,83,537
(ii) Interest on Housing & Vehicle Loans	5,32,603	—
(iii) Others	18,83,708	18,73,476
(c) Loans & Advances		
(i) Advances to Staff Housing & Vehicle Loans	30,68,489	22,16,822
Others	64,570	42,554
	31,33,059	22,59,376
(ii) Loan Scholarships to Students	4,03,934	4,37,804
(iii) Others	5,68,955	41,05,948
(d) Cash & Bank Balances	52,42,235	35,36,018
In transit with collecting bank.	10,89,806	63,32,641
	63,32,041	4,47,600
TOTAL :	170,57,536	124,62,181
Less : Current Liabilities :		
(a) Fees received in advance	122,13,679	133,54,675
(b) Creditors for expenses	28,59,948	17,05,254
(c) Other liabilities	23,68,130	11,30,060
TOTAL :	174,41,757	161,89,989
Net Current Assets	(—)3,01,221	(—)37,27,808

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI.

SCHEDULE 'D'—CAPITAL RESERVE

		(Amounts in Rupees)	
Particulars		31-3-1985	31-3-1984
(A) General (A)			
Balance as per last account		126,66,252	117,72,852
Add : Admission Fee & Allocated Entrance Fee		10,38,600	8,93,400
Add : Donations received for Madras Building Additional Construction.		3,72,398	—
TOTAL (A) :		140,77,250	126,66,252
(b) Education (B)			
Balance as per last account		23,31,627	23,31,627
Add : Transfer from Education Fund		23,68,000	—
TOTAL (B) :		46,99,627	23,31,627
GRAND TOTAL (A + B)		187,76,877	149,97,879

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

SCHEDULE 'E' — GENERAL RESERVE

		(Amounts in Rupees)	
Particulars		31-3-1985	31-3-1984
Balance as per last account		78,78,052	54,85,242
Add : Surplus transferred from Income & Expenditure Account		20,50,400	23,92,810
		99,28,452	78,78,052
Less : Transferred to Earmarked Funds		(—)7,820	—
TOTAL		99,20,632	78,78,052

SCHEDULE 'F' — OTHER RESERVES

		(Amounts in Rupees)	
Particulars		31-3-1985	31-3-1984
Balance as per last account		14,64,119	16,66,849
Add : Net Accretion during the year		1,50,308	1,10,903
		16,14,427	17,77,752
Less : Transferred to Earmarked Funds		(—)1,28,000	(—)3,13,638
TOTAL :		14,86,427	14,64,119

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'G'—EARMARKED FUNDS

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1985	31-3-1984
(A) Education Fund		
Balance as per last account	31,38,726	14,89,963
Transferred from Income & Expenditure Account	17,14,267	17,34,385
Interest earned during the year	1,72,285	1,21,697
	<u>50,25,278</u>	<u>33,46,045</u>
Less : Transferred to Capital Reserve	(—)23,68,800	—
Adjustments	(—)26,865	(—)2,07,319
TOTAL (A) :	<u>26,30,413</u>	<u>31,38,726</u>
B. Other Earmarked Funds		
(a) Research Fund	6,80,250	6,78,427
(b) Medals & Prizes Fund—Balance as per last account	2,61,112	2,59,839
Additions during the year	38,549	—
Income earned during the year	21,004	17,852
	<u>3,20,665</u>	<u>25,77,711</u>
Less : Cost of Medals Prizes awarded	(—)20,118	(—)6,599
	<u>,00,647</u>	<u>2,61,112</u>
(c) Scientific Research Fund—Balance as per last account	2,28,682	2,28,682
(d) Others—		
1. Balance as per last account	7,31,286	2,99,216
2. Additions during the year	1,10,000	81,139
3. Transferred from General Reserves	7,820	—
4. Transferred from Other Reserves	1,28,000	3,13,633
Add : Income earned during the year	57,446	40,024
	<u>10,34,552</u>	<u>7,34,012</u>
Less : Expenditure during the year	(—)1,156	(—)2,726
	<u>10,33,396</u>	<u>7,31,286</u>
Total (B)	<u>22,42,975</u>	<u>18,99,507</u>
GRAND TOTAL (A + B)	<u>48,73,388</u>	<u>50,38,233</u>

SCHEDULE 'H'

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1985

(Amount in Rupees)

	TOTAL		MEMBERS				STUDENTS	
			REGULATORY		PROFESSIONAL DEVELOPMENT & RESEARCH			
	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84
I. INCOME :								
1. Entrance Fee (Allocated)	4,00,200	3,42,000	4,00,200	3,42,000	—	—	—	—
2. Membership Fee	86,73,345	75,66,205	86,73,345	75,66,205	—	—	—	—
3. Post Graduate Course Fee	15,900	20,000	—	—	15,900	20,700	—	—
4. Students' Registration Fee	12,04,440	11,32,600	—	—	—	—	12,04,440	11,32,600
5. Students' Association Fee	92,560	87,100	—	—	—	—	92,560	87,100
6. Coaching Fee	90,44,208	66,72,817	—	—	—	—	90,44,208	66,72,817
7. Examination Fee	77,66,382	74,63,317	—	—	—	—	77,66,382	74,63,317
8. Journal & News Letter	3,48,360	2,57,262	—	—	—	—	3,48,360	2,57,262
9. Publications	31,63,679	19,05,724	—	—	9,18,183	4,47,406	22,75,496	14,63,518
10. Interest on Investments	1,67,195	1,55,076	—	—	98,422	89,673	68,773	65,403
11. Nomination Fee for Election to Council & Regional Councils	—	—	—	—	—	—	—	—
12. Others	3,96,871	4,45,279	5,686	4,568	2,39,174	3,09,144	1,52,011	1,31,567
SUB TOTAL	3,12,73,140	2,60,48,080	90,79,231	79,12,773	12,81,679	8,61,923	2,09,17,230	1,72,73,384
13. Income from General Fund Investments (Allocated)	17,71,770	13,22,847	11,81,180	10,58,278	—	—	5,90,590	2,64,569
SUBTOTAL:	3,30,44,910	2,73,70,927	1,02,60,411	89,71,051	12,81,679	8,61,923	2,15,07,820	1,75,37,953
14. Prior Period Adjustment	3,88,804	—	—	—	1,94,402	—	1,94,402	—
TOTAL	3,34,33,714	2,73,70,927	1,02,60,411	89,71,051	14,76,081	8,61,923	2,16,97,222	1,75,37,953

SCHEDULE 'I'

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA NEW DELHI
 ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1985

(Amounts in Rupees)

	TOTAL		MEMBERS				STUDENTS	
			REGULATORY		PROFESSIONAL DEVELOPMENT & RESEARCH			
	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84	31-3-85	31-3-84
II EXPENDITURE								
1. Salaries & Staff Expenses	96,76,106	78,89,021	18,75,171	14,27,422	21,43,814	19,31,540	56,57,121	45,30,059
2. Printing & Stationery	10,12,590	9,09,042	1,24,120	85,782	4,72,378	1,72,967	4,16,092	4,50,293
3. Publications	22,70,092	14,54,989	4,20,970	2,39,350	6,60,075	4,16,197	11,39,107	7,99,436
4. Journal & News Letter	21,68,455	16,50,412	—	—	18,44,279	14,03,048	3,24,176	2,47,367
5. Coaching (Excluding Salaries & Staff Expenses)	30,33,957	22,45,135	—	—	—	—	30,33,957	22,45,135
6. Examinations (Excluding Salaries & Staff Expenses)	49,67,875	37,18,390	—	—	—	—	49,67,875	37,18,390
7. Postage, Telegrams & Telephones	9,30,918	7,60,092	2,07,667	1,65,572	2,82,855	2,39,076	4,40,396	3,55,544
8. Rent, Rates & Taxes	11,56,165	5,99,566	2,41,627	1,13,153	2,83,870	2,23,369	5,30,668	53,044
9. Repairs & Maintenance	3,79,338	4,94,093	87,182	1,10,557	1,10,139	1,49,456	1,82,017	2,24,080
10. Depreciation	9,91,300	8,56,248	2,37,826	2,11,063	2,47,825	2,14,061	4,95,645	4,28,121
11. Travelling & Conveyance								
(a) Council Members	9,91,249	8,89,166	1,85,107	1,39,790	4,94,766	4,92,720	3,11,376	2,56,656
(b) Staff & Others	3,69,174	2,08,400	56,012	37,228	1,27,930	79,109	1,85,232	92,063
12. Library Maintenance	48,970	48,681	—	—	29,528	33,661	19,442	35,022
13. Overseas Relations	3,63,866	4,40,578	—	—	3,63,866	4,40,578	—	—
14. Professional Fees	2,72,288	1,22,165	42,459	16,110	1,17,588	51,946	1,12,241	54,109
15. Elections	7,295	12,147	7,295	12,147	—	—	—	—
16. Others	10,79,409	9,25,604	—	—	6,26,070	5,65,741	4,53,339	3,59,863
TOTAL	296,69,047	232,43,732	34,95,776	25,61,130	79,04,983	66,13,410	182,68,688	140,69,183

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

ANALYSIS OF EXPENSES ON MEMBERS FOR THE YEAR 1984-1985

Appendix

Sl. No.	Particulars	1984-85	1983-84
1. (a) No. of Members		36,254	32,237
(b) Total Expenditure*	Rs. 11,400	Rs. 9,175	
2. Total Expenditure per member	Rs. 314	Rs. 285	
3. Regulatory			
(a) Total Expenditure*	Rs. 3,495	Rs. 2,561	
(b) Expenditure per member	Rs. 96	Rs. 80	
(c) Percentage	31%	28%	
4. Professional Development & Research			
(a) Total Expenditure*	Rs. 7,905	Rs. 6,613	
(b) Expenditure per member	Rs. 218	Rs. 205	
(c) Percentage	69%	72%	

*Rupees in thousands

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

STATEMENT OF CHANGES IN FINANCIAL POSITION FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1985

	1984-85	(Rs. in lakh.) 1983-84
Source of Funds —		
Net Income from investments, property etc. (both on capital and revenue accounts)	21.73	16.43
Capital receipts in the form of entrance fee, donations etc.	16.86	08.79
Decrease in working capital	—	31.93
(See Statement below)	38.59	57.15
Surplus for the year without charging depreciation and considering non-operational income from investments and property	25.80	35.80
TOTAL	67.39	92.95
Application of Funds —		
Increase in working capital	33.44	—
Acquisition of Fixed Assets	22.57	20.42
Acquisition of Investments	11.42	72.53
TOTAL	67.39	92.95

STATEMENT OF CHANGE IN WORKING CAPITAL

	1984-85	(Rupees in lacs) Increase/Decrease 1983-84
CURRENT ASSETS : -		
(a) Publications, Study Materials & Stationery	08.40	04.35
(b) Amount receivable—Interest	00.78	02.16
Others	05.33	
	00.10	00.83
(c) Loans & Advances		
(i) Advances to Staff	08.74	04.36
(ii) Loan Scholarships to Students	(-)00.34	(-)02.38
(iii) Others	(-)00.53	(-)00.27
(d) Cash & Bank balances	23.48	(-)04.75
TOTAL	45.96	04.30
CURRENT LIABILITIES		
(a) Fees received in advance	(-)11.41	42.72
(b) Creditors for expenses	11.55	00.79
(c) Other Liabilities	12.38	(-)07.28
TOTAL	12.52	36.23
Net Increase/Decrease in Working Capital	33.44	(-)31.93

R. L. CHOPRA, Secy.